राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 स्मृति मंधाना ने जड़ा साल का चौथा वनडे शतक, बनाया विश्व रिकॉर्ड....

एकनाथ शिंदे हुए खफा? महायुति के बर्ताव से भी उखड़े, अमित शाह से मिलने दिल्ली तक नहीं गए... 12

वर्ष : 12 | अंक : 239 | पटना, शुक्रवार, 13 दिसम्बर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

सीएम नीतीश ने 109 मुफ्त औषधि वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक सशक्त कदम

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरूवार को 01 अणे मार्ग से स्वास्थ्य विभाग के मुफ्त औषधि वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों के माध्यम से निःशुल्क औषधि वितरण एवं स्वास्थ्य सेवाओं में और बेहतरी आयेगी। कुल 109 मुफ्त औषधि वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया। राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सेवा को समाज के सबसे गरीब और वंचित वर्ग तक पहुँचाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल करते हुए औषधि आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत एवं व्यवस्थित करने हेतु मुफ्त औषधि वाहन का शुभारंभ किया है। इस योजना का उद्देश्य राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों, विशेष रूप से सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्थित सरकारी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों तक औषधियों की ससमय उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी नागरिक औषधि की अनुपलब्धता के कारण स्वास्थ्य लाभ से वंचित न रहे। सरकार का यह प्रयास हर नागरिक, विशेषकर गरीब और वंचित वर्ग, को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक सशक्त कदम है। आम नागरिकों को सरकारी अस्पतालों में सभी आवश्यक औषधियाँ समय पर और निःशुल्क मिल रही हैं। अब ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में आकस्मिक और आपात स्थिति में भी दवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे गरीब परिवारों को ससमय बेहतर इलाज मिल सकेगा। राज्य के सुदूरवर्ती गाँवों में आवश्यक औषधियाँ ससमय और सुगमता से उपलब्ध कराने के लिए जीपीएस सिस्टम से लैस औषधि वाहनों की सेवा शुरू की गई है, जिससे दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और समय पर आपूर्ति संभव हो सकेगी। यह योजना स्वस्थ बिहार मिशन का अभिन्न हिस्सा है, जिसमें समाज के सबसे कमजोर वर्गों के जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य सरकार की यह योजना बिहार के लिए एक समावेशी एवं रोजगारोन्मुखी पहल है। इसके माध्यम से राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को अत्यधिक सुदृढ़, सुलभ एवं उत्तरदायी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डे, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पटना में कैंसर पीड़ित 18 साल तक के बच्चों का होगा निःशुल्क इलाज

मुख्यमंत्री ने महावीर बाल कैंसर अस्पताल का किया शिलान्यास

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरूवार को फुलवारीशरीफ में भूमि पूजन एवं शिलापट्ट अनावरण कर महावीर बाल कैंसर अस्पताल का शिलान्यास किया। इस दौरान सभी धर्मों के धमागुर्रूओं ने भी भूमि पूजन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव किशोर कुणाल ने पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

ज्ञातव्य है कि महावीर बाल कैंसर अस्पताल देश का पहला बाल कैंसर अस्पताल होगा। महावीर मंदिर न्यास समिति द्वारा इस अस्पताल का निर्माण कराया जा रहा है। लगभग 25 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह छह मंजिला अस्पताल 100 बेड की क्षमता वाला होगा। अस्पताल में कैंसर पीड़ित 18 साल तक के बच्चों का निःशुल्क इलाज किया जायेगा। इस अवसर पर ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव आचार्य किशोर कुणाल, बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष अखिलेश जैन, सभी धर्मों के धर्मगुरू, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, महावीर कैंसर अस्पताल की चिकित्सा निदेशक मनीषा सिंह, निदेशक (प्रशासन) डॉ बी सान्याल, महावीर कैंसर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ एलबी सिंह, जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 7 नक्सली ढेर

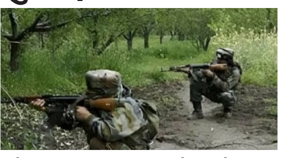

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले के दक्षिण अबूझमाड़ इलाके में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने 7 नक्सलियों को मार गिराया। सभी नक्सलियों के शव भी बरामद कर लिए गए हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया है कि यह एक संयुक्त ऑपरेशन है, जिसमें सभी बलों ने मिलकर नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस दौरान उनके पास से कई ऑटोमैटिक हथियार और नक्सली सामान भी बरामद किया गया है। अभी भी मुठभेड़ जारी है। बस्तर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे से पहले यह कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने ट्वीट में कहा, बहादुर जवानों के अदम्य साहस और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार नक्सलवाद के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय और नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने जानकारी दी है कि अबूझमाड़ के दक्षिणी क्षेत्र में पूर्वी बस्तर डिवीजन और इंद्रावती एरिया कमेटी के 50 से 60 नक्सलियों (माओवादियों) की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद 10 दिसंबर को नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बस्तर और कोंडागांव जिले की डीआरजी टीम के साथ एसटीएफ और सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी को दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना किया गया था। आज गुरुवार सुबह 3 बजे से 4 जिलों का संयुक्त नक्सल ऑपरेशन शुरू हुआ, यह अभी चल रहा है। अब तक सात वदीधारी नक्सलियों के शव बरामद हो चुके हैं। इनके पास से कई ऑटोमैटिक हथियार और नक्सली सामान बरामद किया गया है। मुठभेड़ और सर्च अभियान अभी भी जारी है। अभी भी नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच रुकझरुक कर मुठभेड़ चल रही है।

दौसा में 57 घंटे बोरवेल में फंसे पांच वर्षीय आर्यन की मौत

दौसा। दौसा जिले के कालीखाड़ गांव में बोरवेल में गिरे पांच वर्षीय आर्यन की मौत हो गई। बुधवार रात करीब 11:45 बजे रेस्क्यू टीम ने 57 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसे बोरवेल से बाहर निकाला। बेहोशी की हालत में निकाले गए आर्यन को एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम से लैस एम्बुलेंस में दौसा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आर्यन को बचाने के लिए प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमों ने कई प्रयास किए। शुरूआती दो दिन में छह देसी तकनीकें विफल रहीं। इसके बाद बुधवार सुबह से पाइलिंग मशीन की मदद से समानांतर गड्ढा खोदा गया लेकिन मशीन खराब हो गई, जिससे ऑपरेशन में देरी हुई। रेस्क्यू टीम ने रॉड, रस्सी, अम्ब्रेला और रिंग उपकरण का उपयोग करके आर्यन को बाहर निकाला। हालांकि, प्रशासन बच्चे तक खाना और पानी पहुंचाने में नाकाम रहा। आर्यन की मां गुड्डी देवी ने प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए। उल्लेखनीय है कि सोमवार दोपहर तीन बजे आर्यन घर से 100 फीट दूर खुले बोरवेल में गिर गया था। वह मां के साथ खेल रहा था।

एक देश एक चुनाव विधेयक को कैबिनेट की मंजूरी

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्ताव को दी गई स्वीकृति

प्रात : किरण

नई दिल्ली /एजेंसी । केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने एक देश एक चुनाव से जुड़े विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी है। सरकार इसे अगले सप्ताह संसद में पेश कर सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में गुरूवार को इसे मंजूरी प्रदान की गई। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 18 सितंबर को ह्यएक देश, एक चुनावह्ल से जुड़ी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों को मंजूरी प्रदान की थी। समिति ने देश में केन्द्र, राज्यों और स्थानीय निकायों के एक साथ चुनाव कराने से जुड़ी व्यवस्था पर अपनी सिफारिशें प्रदान की थीं। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने उस समय जानकारी दी थी कि सरकार इस विषय पर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करेगी और समय आने पर इस पर संविधान संशोधन विधेयक लाया जाएगा। उन्होंने कहा था कि विभिन्न राजनीतिक दलों और बड़ी संख्या में पार्टियों के नेताओं ने वास्तव में एक देश एक चुनाव पहल का समर्थन किया है।

एक देश एक चुनाव प्रस्ताव का उद्देश्य

इस प्रस्ताव का उद्देश्य पूरे देश में लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराना है। फिलहाल लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग होते हैं, या तो पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद या जब सरकार किसी कारण से भंग हो जाती है। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग-अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा होता है, उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं। हालांकि, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम जैसे राज्यों के चुनाव लोकसभा चुनाव से ऐन पहले हुए तो लोकसभा चुनाव खत्म होने के छह महीने के भीतर हरियाणा, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से एक देश एक चुनाव के समर्थक रहे हैं। प्रधानमंत्री ने 2019 के स्वतंत्रता दिवस पर एक देश एक चुनाव का मुद्दा उठाया था। तब से अब तक कई मौकों पर भाजपा की ओर एक देश एक चुनाव की बात की जाती रही है।

1951 से 1967 तक होते रहे हैं एक साथ चुनाव

उल्लेखनीय है कि देश में 1951 से 1967 तक एक साथ चुनाव होते रहे हैं। वर्ष 1999 में विधि आयोग ने अपनी 170वीं रिपोर्ट में सिफारिश की थी कि पांच साल में लोकसभा और सभी विधानसभाओं का एक चुनाव होना चाहिए ताकि देश में विकास होता रहे। संसदीय समिति ने 2015 में अपनी 79वीं रिपोर्ट में सरकार से दो चरणों में एक साथ चुनाव कराने के तरीके सुझाने को कहा था। मोदी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में देशभर में एक साथ चुनाव कराने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में समिति का गठन किया था। समिति ने इस संबंध में विभिन्न पार्टियों और हितधारकों से इस पर विचार किया और पिछली सरकार के दौरान ही अपनी सिफारिशें दीं। इसमें प्रस्ताव किया गया है कि एक अवधि के बाद सभी राज्यों की वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल छोटा कर एक साथ चुनाव करायें जायें। केन्द्र और राज्यों में चुनाव के थोड़े समय बाद ही नगर निकायों और पंचायतों के चुनाव कराए जायें। बहुमत न मिलने और अल्पमत की स्थिति में दोबारा चुनाव कराए जाने पर कार्यकाल केवल बाकी बचे समय के लिए हो।

जल जीवन मिशन ने ग्रामीण महिलाओं को बनाया सशक्त : मोदी

पीएम ने अपने एक्स हैंडल पर कहा, हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

प्रात : किरण

नई दिल्ली /एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जल जीवन मिशन को ग्रामीण भारत के लिए वरदान बताया। उन्होंने कहा, ये मिशन ग्रामीण महिलाओं को सशक्त करने में अहम भूमिका निभा रहा है। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर कहा, अपने दरवाजे पर स्वच्छ पानी के साथ, महिलाएं अब कौशल विकास और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं। हाल ही में भारतीय स्टेट बैंक ने एक रिपोर्ट में बताया कि जल जीवन मिशन का ग्रामीण भारत की महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण पर गहरा प्रभाव पड़ा है। इस मिशन के तहत, अब अधिक घरों में नल के पानी की सुविधा उपलब्ध है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को पानी लाने में लगने वाला समय बचा है और इसके परिणामस्वरूप उनकी कृषि और अन्य कार्यों में भागीदारी बढ़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक जिन परिवारों को पानी लाने के लिए बाहर से पानी लाना पड़ता था, उनमें यह संख्या 8.3 प्रतिशत घट गई है। इससे महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी में 7.4 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। बिहार और असम जैसे राज्यों में, जहां पहले पानी की सुविधा नहीं थी, महिला कार्यबल में 28 प्रतिशत से अधिक का इजाफा हुआ है, जो दशार्ता है कि इन राज्यों में नल के पानी तक पहुंच ने महिलाओं को अधिक काम करने और अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने का अवसर दिया है। बता दें कि जल जीवन मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2019 को लॉन्च किया था, जिसका उद्देश्य हर ग्रामीण घर में नल जल कनेक्शन देना है। जब यह योजना शुरू हुई थी, तब केवल 3.23 करोड़ ग्रामीण घरों में नल का पानी था, जो कि कुल घरों का 17 प्रतिशत था। लेकिन अब तक इस मिशन के तहत 11.96 करोड़ नए कनेक्शन जोड़कर यह आंकड़ा बढ़कर 15.20 करोड़ घरों तक पहुंच चुका है। इसका मतलब है कि अब 78.62 प्रतिशत ग्रामीण घरों में नल का पानी उपलब्ध है। मिशन का प्रभाव विभिन्न राज्यों में अलग-अलग था। उत्तर प्रदेश में, जहां पहले पानी लाने वाले परिवारों की संख्या अधिक थी। वहां अब नल कनेक्शन से महिलाओं की कृषि कार्यों में भागीदारी 17.3 प्रतिशत बढ़ी। ओडिशा में भी पानी लाने वाले परिवारों की संख्या में 7.8 प्रतिशत की कमी आई। गैर भाजपा शासित राज्य पश्चिम बंगाल में भी महिलाओं की कृषि समेत अन्य गतिविधियों में भागीदारी 15.2 प्रतिशत बढ़ी। जो यह बताता है कि पानी की सुविधा ने महिलाओं के शारीरिक बोझ को कम किया है और उन्हें अधिक काम करने का अवसर दिया है।

भारत के डी गुकेश बने विश्व के सबसे युवा शतरंज चैंपियन

चीनी खिलाड़ी को हराकर रचा इतिहास

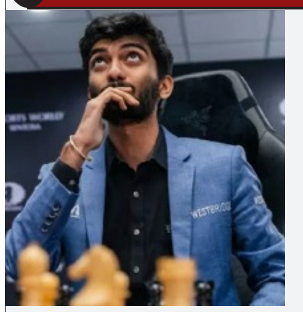

प्रात : किरण

सीएम नीतीश ने दी बधाई

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप में जीत हासिल कर सबसे युवा वर्ल्ड चैंपियन बनने पर गुकेश डी जी को हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरा देश गौरवान्वित है। श्री गुकेश जी के उज्ज्वल भविष्य की कामना है।

नई दिल्ली /एजेंसी । भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने गुरुवार को विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 14वें और अंतिम दौर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। लिरेन को हराकर वह सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बन गए। 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने इतिहास रच दिया। 6.5 अंको के साथ खेल की शुरूआत हुई थी। अंतिम मैच भी ड्रॉ की तरफ बढ़ता दिख रहा था कि तभी लिरेन की एक गलती उनके लिए भारी पड़ गई और गुकेश को जीत दिला गई। भारतीय युवा स्टार ने लिरेन को 7.5-6-5 से हराकर विश्व खिताब अपने नाम किया। 12 साल के बाद किसी भारतीय ने इस खिताब पर कब्जा जमाने में कामयाबी हासिल की है। गुकेश ने 18 साल आठ महीने 14 दिन की उम्र में यह खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 22 वर्ष छह महीने 27 दिन की उम्र में खिताब जीता था। गुकेश से पहले भारत के विश्वनाथन आनंद (2000-2002 और 2007-2013) विश्व शतरंज चैंपियन रहे। गुकेश के लिए साल का अंत शानदार रहा है। इस साल वे कई और खिताब जीते, जिनमें कैंडिडेट्स 2024 टूनार्मेंट और शतरंज ओलंपियाड शामिल है, जिसमें उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था।

दुनिया को कई बार चौंका चुके गुकेश शतरंज की दुनिया की नई सनसनी 17 वर्षीय गुकेश ने अपने करियर में कई बार दुनिया को चौंकाया है। वह इस छोटी सी उम्र में कई रिकॉर्ड बना चुके हैं। वह 12 साल, सात महीने, 17 दिन की उम्र में भारत के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बन गए थे और दुनिया के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर का टैग केवल 17 दिनों से चूक गए थे। उन्होंने पिछले साल पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को पछाड़कर 36 साल बाद पहली बार देश के शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी के रूप में प्रवेश किया। अब उन्होंने उस प्रभावशाली सूची में एक और उपलब्धि जोड़ दी है। कैंडिडेट्स शतरंज टूनामेंट जीतने के साथ ही गुकेश 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए। रूस के पूर्व महान कास्पारोव 22 साल के थे जब उन्होंने 1984 में हमवतन अनातोली कारपोव के साथ भिड़ने के लिए क्वालिफाई किया था। अब गुकेश इस साल के आखिर में विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती पेश करेंगे।

भारतीय वायुयान विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी

प्रात : किरण

नई दिल्ली /एजेंसी । भारत में विमानों के डिजाइन और निर्माण से जुड़े भारतीय वायुयान विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। भारतीय वायुयान विधेयक 90 वर्ष पुराने विमान अधिनियम का स्थान लेगा। विधेयक को इस माह के प्रारंभ में संसद से मंजूरी मिली थी। ग्यारह दिसंबर को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, अधिनियम में विमान के डिजाइन, निर्माण, रखरखाव, कब्जे, उपयोग, संचालन, बिक्री, निर्यात और आयात के विनियमन तथा नियंत्रण एवं इससे संबंधित या इसके प्रासंगिक मामलों का प्रावधान है। विमान अधिनियम 1934 में 21 बार संशोधन किया जा चुका है।

प्रयागराज महाकुंभ : सीएम नीतीश को मिला शामिल होने का आमंत्रण

निमंत्रण

योगी सरकार के मंत्री राकेश सचान व दयाशंकर सिंह ने सीएम को दिया निमंत्रण पत्र

राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री, मंत्री व विपक्ष के नेता को भी न्योता

प्रात : किरण

पटना। प्रयागराज में दिव्य और भव्य महाकुंभ 2025 का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां अंतिम दौर में है। निमंत्रण पत्र भी भेजे जाने लगे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने न्योता भेजा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा सहित बिहार सरकार के अन्य मंत्रियों को भी महाकुंभ में शामिल होने के लिए न्योता भेजा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री राकेश सचान और दयाशंकर सिंह गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुलाकात की। इस दौरान योगी सरकार के मंत्रियों ने महाकुंभ में आने के लिए उन्हें निमंत्रण पत्र भेंट किया। योगी सरकार में मंत्री राकेश सचान ने कहा, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रयागराज में भव्य रूप से महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। इसी कड़ी में योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निमंत्रण देने के लिए आए हैं। मुख्यमंत्री के अलावा हम लोगों ने बिहार के राज्यपाल को भी आमंत्रित किया है। इसके अलावा बिहार सरकार में मंत्रियों को भी आमंत्रण देते हुए आग्रह किया है कि बिहार सरकार से ज्यादा से ज्यादा लोग महाकुंभ कि दिव्यता को देखें। उन्होंने कहा है कि महाकुंभ के लिए हम लोग विपक्षी दलों को भी आमंत्रित कर रहे हैं। योगी सरकार में मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा है कि महाकुंभ के निमंत्रण को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वीकार किया है। उन्होंने कहा है कि वह महाकुंभ में जरूर आएंगे। इसके अलावा बिहार के करोड़ों लोग महाकुंभ में जाएंगे और अपने जीवन को धन्य करेंगे। प्रयागराज में महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू होगा और 26 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान चार राजसी स्नान होंगे। महाकुंभ को भव्यता प्रदान करने के लिए योगी सरकार द्वारा विशेष तौर पर तैयारी की जा रही है।

पीएम मोदी आज प्रयागराज दौरे पर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर यानी आज उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। वह प्रयागराज जाएंगे और दोपहर करीब 12:15 बजे संगम नोज पर पूजा और दर्शन करेंगे। पीएम दोपहर करीब 12:40 बजे अक्षय वट वृक्ष की पूजा करेंगे। पूजा के बाद पीएम मोदी हनुमान मंदिर और सरस्वती कूप में दर्शन और पूजा करेंगे। दोपहर करीब 1:30 बजे वह महाकुंभ प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे वह प्रयागराज में 6,670 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी महाकुंभ 2025 के लिए विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसमें बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और प्रयागराज में निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 10 नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) या फ्लाईओवर, स्थायी घाट और रिवरफ्रंट सड़कें जैसी विभिन्न सड़क परियोजनाएं शामिल होंगी। वहीं, स्वच्छ और निर्मल गंगा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री मोदी गंगा नदी तक जाने वाले छोटे नालों के अवरोधन, टैपिंग, डायवर्जन और ट्रीटमेंट प्लांट का भी उद्घाटन करेंगे, जो नदी में अनुपचारित पानी के शून्य निर्वहन को सुनिश्चित करेगा। वह पेयजल और बिजली से संबंधित विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी प्रमुख मंदिर गलियारों का उद्घाटन करेंगे जिसमें भारद्वाज आश्रम गलियारा, श्रृंगवेरपुर धाम गलियारा शामिल है। ये परियोजनाएं भक्तों तक पहुंच में आसानी सुनिश्चित करेंगी और आध्यात्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देंगी। प्रधानमंत्री मोदी कुंभ सहायक चैटबॉट भी लॉन्च करेंगे जो महाकुंभ मेला 2025 पर भक्तों को अपडेट देने के संबंध में विस्तृत सूचना प्रदान करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

मानुष तेरा गुण बड़ा - महंथ ब्रजेश मुनि

पटना। कबीरपंथी आश्रम मीठापुर स्थित कबीर साई मंदिर में गुरुवारीय सत्संग, भजन एवं भंडारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सत्संग करते हुए महंथ ब्रजेश मुनि ने सद्गुरु कबीर साहेब के जीवन दर्शन का सार बताते हुए कहा कि ह्यमानुष तेरा गुण बड़ा मासु न आवै काज। हाड़ न होते आमरन त्वचा न बाजन बाज ॥ मनुष्य की विशेषता उसके विचारों और सद्गुणों में है। यदि उसने अपने मानवीय गुणों सद्गुणों का विकास नहीं किया तो वह पशुओं से भी खराब है। पशुओं के बाल, हड्डी, चमड़ी आदि दूसरों के काम आ जाते हैं। पशु अपने जीवन काल और मरने के बाद भी दूसरों की सेवा में लग जाते हैं। सद्गुरु कबीर साहेब की सीख है की मनुष्य को अपने बेकार के शरीर का अहंकार छोड़कर अपने सद्गुणों को विकसित करे। दया, क्षमा, धैर्य, सत्य अहिंसा, करुणा, विवेक, वैराग्य, भक्ति को अपने जीवन में शामिल करें। मनुष्य में केवल उसका गुण सर्वश्रेष्ठ है। मनुष्य की विशेषता उसके विचारों और सद्गुणों से है। इस अवसर पर संत विवेक मुनि ने वर्तमान में सद्गुरु कबीर के ज्ञान की उपयोगिता बतायी। इस दौरान भक्तिमती रुबी देवी, उषा देवी, चंदनेश्वर, बंटी आदि ने कबीर साईं के भजन गाकर वातावरण को भक्तिमय बनाया।

मजदूरी कराने पूणे जाने वाली ट्रेन से बच्चों के साथ दो व्यक्ती गिरफ्तार

दानापुर खगौल रेल थाना के अंतर्गत प्लेटफार्म नंबर 1 ए से नाबालिक बच्चों को बहला-फुसलाकर मजदूरी कराने पूणे जाने वाली ट्रेन से जीआरपी ने कार्रवाई करते हुए बच्चों की बरामदगी के साथ दो व्यक्ती को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार बचपन बचाओ आन्दोलन के द्वारा जीआरपी को जानकारी दी गई कि कुछ व्यक्ती नाबालिक बच्चों को मजदूरी कराने के लिए पुणे जाने वाली ट्रेन से ले जाया जा रहा है। जीआरपी प्रभारी सुधीर कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर दानापुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 ए पर बच्चें डरें-सहमे हुए संदिग्ध स्थिती में दिखाई दिये। उन बच्चों के पास जाकर पूछताछ किया गया तो उन्होंने बताया कि गया और अभी कुछ देर बाद ट्रेन से मजदूरी करने के लिए जाना है। उनके साथ मौजूद दो व्यक्तियों को पकड़ कर पूछताछ की गई जहां बताया गया कि वे मोतिहारी के रहने वाले भोला महतो व राकेश मांझी है। वे सभी बच्चों को मोतिहारी से बस द्वारा दानापुर लाया गया है। पूणे ट्रेन से विजयवाडा भेज रहा है जहाँ ये सभी बच्चे नारियल के छिलके से गद्दा बनाने के रॉ मैटेरियल बनाने का काम कराने के लिए भेजना है उपरोक्त 5 बच्चों के अभिवाको को भोला महतो द्वारा अग्रिम कुछ रूपया दे दिया गया है। इस संबंध में सभी बच्चों को अग्रिम कार्यवाही एवं देखभाल हेतु बाल कल्याण समिति पटना के सुपुर्द कर दिया गया है।

पारस राय की हत्या के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तारी

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने पारस राय हत्या मामले में घटना में शामिल एक अपराधकर्मी को सीसीटीवी के आधार पर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार बदमाश घटना के समय बदमाशों को बाइक से लेकर आया था एवं घटना के लेकर गया था। सीसीटीवी में दो बाइक पर सवार पांच बदमाश घटना में शामिल दिखे। जिसमें एक बाइक गिरफ्तार शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के शिवपुरी निवासी अजीत चला रहा था। जिसे पुलिस ने धड़ दबोचा। एएसपी भानू प्रताप सिंह ने बताया कि घटना के अनुसंधान के क्रम में सीसीटीवी में दिखे बाइक सवार की पहचान अजीत के रूप में किया गया। जिसके बाद अनुसंधान में लगी टीम ने छापेमारी कर शिवपुरी स्थित उसके घर से अजीत को गिरफ्तार किया। मुख्य सुटर राहूल व रवि के गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। अनुसंधान पुरा होने के बाद सही खुलासा होगा। फिल्हाल वरीय पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार अनुसंधान टीम कई अन्य बिंदुओ को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई में जुटी है।

आरपीएस मोड़ से टी प्वाईंट तक अतिक्रमण हटाया गया

दानापुर। नगर के अंतर्गत नेहरूपथ मुख्य मार्ग के बाद नगर परिषद की अतिक्रमण हटाओ दस्ता आरपीएस मोड़ के अंदर मुख्य मार्ग पर व्याप्त अतिक्रमण पर हथौड़ा चलाया। गुरूवार को नगर प्रबंधक ब्रजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में दल बल के साथ अतिक्रमण हटाओ दस्ता आरपीएस मोड़ पहुंची। जहां व्याप्त अतिक्रमण को ध्वस्त करते हुए आरपीएस मोड़ के अंदर प्रवेश कर गयी। इस क्रम में सड़क के दोनो ओर ठेला आदि लगा कर किये गये अतिक्रमण को उखाड़ फेंका। आरपीएस मोड से टीप्वाईंट के आगे तक व्याप्त अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान अतिक्रमण करने वालो को सामान जप्त करते हुए आर्थिक दंड लगाया गया। जिसमें 14500 रुपए आर्थिक दंड वसूल किये गये।

बिहार सरस मेला का ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने किया शुभारंभ

500 से अधिक स्टॉल एरिया में हस्तशिल्प और देशी व्यंजन का बाजार से सज गया है मेला

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। देश भर के हस्तशिल्प एवं हुनर को प्रोत्साहन ,सम्मान एवं बड़ा बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित बिहार सरस मेला का गुरुवार को गांधी मैदान में शुभारंभ हो गया । सरस मेला का आयोजन ग्रामीण विकास विभाग के तत्वाधान में बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति, जीविका द्वारा किया जा रहा है । मेला का शुभारंभ श्रवण कुमार, मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार ने मुख्य द्वार पर फीता काटकर किया । मेला परिसर में ग्रामीण उद्यमिता को समर्पित विभिन्न स्टॉल का अवलोकन करने के बाद माननीय मंत्री,ग्रामीण विकास विभाग मुख्य सांस्कृतिक मंच पर आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम हेतु मंचासीन हुए ' मंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन कर सरस मेला का विधिवत उद्घाटन किया । स्वागत संबोधन अभिलाषा शर्मा ,अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जीविका ने किया ' अपने स्वागत संबोधन में अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी महोदया ने अतिथियों , स्टॉल धारकों और आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि सरस मेला के माध्यम से ग्रामीण शिल्पकारों को आर्थिक सबलता मिलती है । हिमांशु शर्मा, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी ,जीविका ने सरस मेला के आयोजन की रूपरेखा बताई ' उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जीविका जीवंत संस्थान के तौर पर कार्यरत है । लखपति दीदी बनाने को लेकर राज्य आजीविका मिशन के तौर पर जीविका ने पूरे देश में अव्वल स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प के इस बड़े प्लेटफार्म से ग्रामीण हुनर एवं शिल्प को सम्मान मिलता है साथ ही गाँव की महिलाओं के आत्मनिर्भरता एवं स्वावलंबन के विविध रंगों का समावेशन देखने को मिलता है । जीविका गाँव से लेकर शहर तक महिला स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के लिए कार्यरत है ' मंचासिन सीता साहू, मेयर, पटना ने अपने संबोधन में कहा कि सरस मेला का आयोजन महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है उन्होंने कहा कि सरस मेला का आयोजन ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक पहल है ' अंत में अपने संबोधन में श्री श्रवण कुमार ,माननीय मंत्री ,ग्रामीण विकास विभाग ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग , बिहार में गांवो के विकास के लिए कई योजनायें चला रही है ' जिनमे जीविका सबसे महत्वपूर्ण परियोजना है । जीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूह से गरीब महिलाएं जुड़कर आर्थिक एवं सामाजिक तौर पर सशक्त हो रही हैं । सरस मेला अब ऐतिहासिक बनते जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में आगत अतिथियों को ग्रामीण महिला उद्यमियों ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया । इस अवसर पर श्री आर नटराजन, महा प्रबंधक, नार्थ बिहार एवं रविन्द्र श्रीवास्तव, महा प्रबंधक, साउथ बिहार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भी मंचासिन रहे । समीर कुमार ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधकों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया । कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन राजेश कुमार , विशेष कार्य पदाधिकारी, जीविका ने किया ' मंच संचालन शोमा चक्रवर्ती ने किया ।

राजद नेता ई राघवेंद्र ने बांग्लादेश में हिंदू विरोधी हिंसा पर जताई चिंता,

कहा- सरकार सख्त कार्रवाई करे

प्रात :किरण संवाददाता

बिक्रम : प्रखंड क्षेत्र के सेलगढ़ निवासी राजद नेता सह समाजसेवी ई राघवेंद्र कुमार ने बांग्लादेश में हाल ही में हुए अशांति और हिंदू समुदाय को निशाना बनाए जाने की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में बांग्लादेश सरकार से मानवाधिकारों की रक्षा करने, कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करने, और हिंदू व अन्य अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ हो रही हिंसा को तुरंत समाप्त करने की अपील की है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य समुदायों के खिलाफ हो रही हिंसा अस्वीकार्य है और इसे तुरंत खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से शांति से तनाव कम करने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील किया है । ई राघवेंद्र ने यह भी जोर दिया कि बांग्लादेश में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों की सुरक्षा होनी चाहिए और गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को उचित कानूनी सहायता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, बांग्लादेश सरकार को मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए, जिसमें शांतिपूर्ण विरोध और उचित कानूनी प्रतिनिधित्व का अधिकार शामिल है ।राजद नेता ई राघवेंद्र ने केंद्र की एनडीए सरकार के नेताओं व मंत्रियों से भी अपनी चुप्पी तोड़ने की अपील की है, उन्होंने कहा कि मानवता के नाम पर ही सही केंद्र सरकार को इस गम्भीर विषय पर सोचने की जरूरत है` ये उपाय मौजूदा तनाव को कम करने के लिए जरूरी हैं।

गायत्री परिवार ने छात्रों को दिया सफलता का मंत्र

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

गायत्री परिवार की ओर से गायघाट स्थित मैकेंजी मध्य विद्यालय में गुरुवार को कन्या किशोर कौशल अभिवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापिका प्रीति तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा पांच से सात के छात्रों को जीवन में सफलता अर्जित करने के मंत्र से अवगत कराया गया। बिहार के जोनल समन्वयक शैलेंद्र कुमार सिंह ने विद्यालय व ट्यूशन के अलावा दो से तीन घंटा एकाग्रचित होकर पढ़ाई करने, नकारात्मक सोच से दूर रहने, माता-पिता व गुरु का सम्मान करने, व्यसन से दूर रहने और प्राणायाम करने के साथ गायत्री मंत्र के जाप को प्रेरित किया। साथ ही मानसिक विकास के लिए छात्रों को ध्यान करने पर बल दिया गया। आयोजन में विद्यालय की शिक्षिकाएं व छात्र शामिल हुए।

गांधी सेतु पर ट्रक व ट्रैक्टर की हुई टक्कर के बाद परिचालन बाधित

- सोनपुर मेला व वैवाहिक मौसम के कारण सेतु पर वाहनों का है दबाव

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

महात्मा गांधी सेतु पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस कारण से महात्मा गांधी सेतु पर रुक-रुक कर जाम की स्थिति पूर्व की तरह जारी है। इधर गुरुवार की सुबह पटना से हाजीपुर जाने वाले पश्चिमी लेन में यात्री शेड के समीप गायघाट से लेकर बिस्कोमान गोलंबर के बीच में ट्रक व ट्रैक्टर के बीच भिड़ंत हो गई। इस हुई घटना के बाद जाम की स्थिति बन गई। इससे यात्रियों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ा। हादसे के बाद परिचालन वन-वे हो गई। इस कारण से जाम की स्थिति बन गई। मौके पर पहुंची यातायात थाना की पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहन को किनारे कराया। फीर इसके कुछ देर के बाद परिचालन को सामान्य किया जा सका। यातायात पुलिस का कहना था कि जाम के कारण से मालवाहक वाहनों को रोक कर यात्री वाहनों को आगे निकाला जाता है, ताकि यात्रियों को परेशानी नहीं उठाना पड़े। इसके बाद भी कुछ देर के लिए परिचालन वनवे होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ट्रेफिक डीएसपी अनिल कुमार का कहना है कि अतिरिक्त पुलिस बल को लगाया गया है। दरअसल सोनपुर मेला और वैवाहिक मौसम को लेकर वाहनों का दबाव महात्मा गांधी सेतु पर जारी है। इसी बीच वाहनों की खराबी से जाम की समस्या बीच-बीच में गंभीर बन जाती है। इसका प्रभाव एनएच 30 पर भी पड़ता है और फिर पटना-मसौढ़ी रोड भी अछूता नहीं रह पाता है।

निदेशक मत्स्य की अध्यक्षता में मुगेर में संचालित केन्द्र एवं राज्य योजनाओं की प्रगति पर निदेशक ने की समीक्षात्मक बैठक

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। निदेशक मत्स्य, बिहार, पटना की अध्यक्षता में जिला मुगेर के राज्य एवं केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक निदेशक, महोदय के कक्ष में आहूत की गई। सर्वप्रथम ठं३ङ्क्ल्लं' क्र्रॅ१ी२ ऊ५ी'ङ्क्स्रौल्ल३ ढङ्क१३' (ठत्र्छ) पर निबंधन संबंधित समीक्षा की गई। निदेशक मत्स्य ने प्रत्येक प्रखंडवार लक्ष्य निर्धारित कर निबंधन करने का निदेश दिया गया। वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के राज्य एवं केन्द्र प्रायोजित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनाओं की समीक्षा की गई। निदेशक मत्स्य, के द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत विभिन्न अवयवों की समीक्षा निदेशक मत्स्य, के द्वारा की गई। उक्त जिला को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत जिन अवयव में लक्ष्य के अनुरूप आवेदन अप्राप्त है। निदेशक महोदय के द्वारा निदेश दिया गया कि उक्त जिला अपने क्षेत्रीय प्रभारी (मत्स्य प्रसार पदाधिकारी एवं मत्स्य विकास पदाधिकारी) को शत-प्रतिशत आवेदन सृजित करने का निदेश दिया गया। साथ हीं टक्र ढङ्क१३' पर लाभुकों की विवरणी उपलब्धि के अनुरूप सभी मत्स्य प्रसार पदाधिकारी एवं मत्स्य विकास पदाधिकारी को अद्यतन करने का निदेश दिया गया । उक्त बैठक में नोडल पदाधिकारी, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, मत्स्य विकास पदाधिकारी एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी, मुगेंर, एवं मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, मत्स्य निदेशालय, परियोजना समन्वयक, पी०एम०यू० उपस्थित थे। बेगूसराय निदेशक मत्स्य, बिहार, पटना की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई। बैठक में समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अवयव आईस-प्लॉट, जिन्दा मछली बिक्री केन्द्र, रियरिंग तालाब निर्माण एवं नया तालाब निर्माण के प्रगति समीक्षा की गयी। उक्त बैठक में नोडल पदाधिकारी, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, मत्स्य विकास पदाधिकारी एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी, बेगूसराय, एवं मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, मत्स्य निदेशालय, परियोजना समन्वयक, पी०एम०यू० उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होगा गोपाल नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय सह संग्रहालय का विकास

- 112 वें स्थापना दिवस समारोह में बोले डिप्टी सीएम, कहा, संग्रहालय को कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पालीगंज । अनुमंडल क्षेत्र के भरतपुरा स्थित गोपाल नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय सह संग्रहालय के 112 वें स्थापना दिवस पर पुस्तकालय परिसर में समारोह आयोजित कर धूमधाम से वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किए । मौके पर सम्राट चौधरी संग्राहलय परिसर का भ्रमण कर देश-विदेश के सिक्के और अंग्रेजो के जमाने के कई दस्तावेजों के बारे में जानकारी ली। संग्रहालय को कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि यह पुस्तकालय बिहार के लिए एक ऐतिहासिक धरोहर है। इसके विकास के लिए पूर्व में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने काम किया है । बिहार सरकार इसे अपने अधीन लेकर विकास की रफ्तार को आगे बढ़ाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि संग्रहालय को राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोग जान सकेंगे। हमारी सरकार अपने इतिहास को सहेज कर रखने का काम कर रही है। आने वाले समय में गोपाल नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय सह संग्रहालय को कॉरिडोर से जोड़ने का काम किया जाएगा। ताकि देश-विदेश से स्टूडेंट्स और शोधकर्ता यहां आ सके। बता दें कि उक्त संग्रहालय 2000 साल से पहले के दस्तावेजों को अभी भी संजोए हुए है हैं। क्षेत्रीय लोगों के विकास के लिए उलार सूर्य मंदिर का भी होगा जीर्णोद्धार ` वहीं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अनुमंडल क्षेत्र के दुल्हिनबाजार स्थित ऐतिहासिक उलार सूर्य मंदिर के विकास को लेकर भी कई दावे किए । उन्होंने कहा कि मंदिर के विकास के लिए राज्य सरकार काम कर रही है। सरकार इसे भी कॉरिडोर से जोड़ने का काम करेगी। इससे आसपास के गांवों को भी फायदा होगा। मौके पर गोपाल नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय सह संग्रहालय के अध्यक्ष सह पालीगंज एसडीओ अमनप्रीत सिंह, सचिव मुकेश धारी सिंह, भाजपा पटना ग्रामीण जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार समेत कई अन्य भी मौजूद थे ।

सब रजिस्ट्री कार्यालय में विवाह से संबंधित कार्य बंद

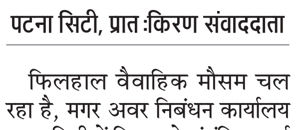

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

फिलहाल वैवाहिक मौसम चल रहा है, मगर अवर निबंधन कार्यालय पटना सिटी में विवाह से संबंधित कार्य 11 दिसंबर से बंद हो गया है। इस संबंध में अवर निबंधक सह विशेष विवाह पदाधिकारी ने कहा कि विवाह से संबंधित कार्य 11 दिसंबर से अगले आदेश तक बंद है। दरअसल डिपार्मेंट आफ फाइनेंस ऑफ बिहार का सर्वर का पेमेंट गेटवे फेल होने के कारण बाधित है। सर्वर का पेमेंट गेटवे शुरू होने तक विवाह का कार्य बाधित रहेगा। इस कार्यालय के सूचना पट पर भी इसे प्रदर्शित किया गया है। ऐसे में लोग अवर निबंधन के कार्यालय में जाकर फिलहाल न तो शादी कर पाएंगे और न ही शादी से संबंधित रजिस्ट्रेशन का कार्य ही सर्वर का पेमेंट गेटवे शुरू होने तक हो सकेगा।

नागरिक अधिकार मंच ने एसडीओ को सौंपा मांगों का ज्ञापन कार्ड

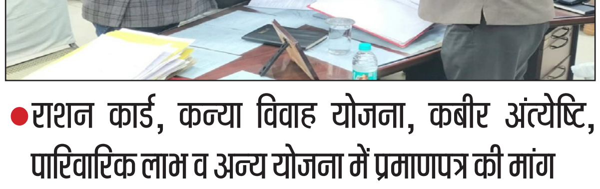

- राशन कार्ड, कन्या विवाह योजना, कबीर अंत्येष्टि, पारिवारिक लाभ व अन्य योजना में प्रमाणपत्र की मांग

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नागरिक अधिकार मंच का शिष्टमंडल एसडीओ सत्यम सहाय से गुरुवार को मिला। शिष्टमंडल ने मांगों से संबंधित उन्हें ज्ञापन सौंपा।इसमें राशन कार्ड, कन्या विवाह योजना, कबीर अंत्येष्टि व पारिवारिक लाभ योजना सहित सरकार की अन्य कल्याणकारी योजना से प्रमाणपत्र की मांग करने के कारण वंचित होना पड़ रहा है। ऐसे में राशन कार्ड में स्थायी आवासीय प्रमाण पत्र की जगह अस्थायी निवासी के लिए स्वयं का शपथ पत्र पर राशन कार्ड निर्गत करने, राशन कार्ड को आरटीपीएस के तहत 30 दिनों में उपलब्ध कराने, कन्या विवाह योजना का लाभ अस्थायी निवास प्रमाण पत्र के आधार पर देने, 15 दिनों में मुहैया कराने, कबीर अत्येष्टि योजना में सुधार कर हर वार्ड में राशि उपलब्ध कराने और पारिवारिक लाभ योजना के आश्रितों को आरटीपीएस समय सीमा के अंदर भुगतान करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में मंच के संयोजक सह पूर्व पार्षद बलराम चौधरी, मो जावेद, देवरत्न प्रसाद, मंगल पासवान आदि शामिल थे।

प्रसव के तुरंत बाद ही कॉपर टी लगवाना ज्यादा पसंद कर रही महिलाएं

प्रात :किरण संवाददाता

- पिछले सात सालों में 60 प्रतिशत से अधिक की हुई बढ़ोतरी
- प्रसव के छह महीने बाद कॉपर टी लगवाने में आयी कमी

पटना। परिवार नियोजन के अन्य साधनो के बीच कॉपट टी अभी भी महिलाओं का चहेता बना हुआ है। यह बात पिछले सात साल में महिलाओं द्वारा कॉपर टी के इस्तेमाल के आंकड़ों से दिखता है। कॉपर टी के इस्तेमाल को विभाग तीन स्तरों पर बढ़ावा देती है,जिनमें प्रसव के तुरंत बाद, सुरक्षित गर्भपात के उपरांत तथा प्रसव के छह महीनों के बाद शामिल है। पिछले सात साल के आंकड़ों के नतीजों के मुताबिक प्रसव के तुरंत बाद ही कॉपर टी लगवाने वाली महिलाओं की संख्या में लगभग 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यानि 2017–18 में जहां 1 लाख 69 हजार 196 महिलाओं ने प्रसव के तुरंत बाद कॉपर टी लगवाया था। वहीं यह आंकड़ा 2023–24 में बढ़कर 2 लाख 85 हजार 443 पर पहुंच गया है। इसके अलावा सुरक्षित गर्भपात के उपरांत भी कॉपर टी लगाने वाली महिलाओं में करीब तीन गुणा बढ़ोतरी हुई है। 2017–18 में जहां 749 महिलाओं ने सुरक्षित गर्भपात के बाद कॉपर टी लगाया था। वह 2023–24 में बढ़कर 2 हजार 273 पर पहुंच गया। प्रसव के छह महीने बाद कॉपर टी लगवाने में आयी कमी प्रसव के तुरंत बाद कॉपर टी के इस्तेमाल से प्रसव के काफी समय बाद कॉपर टी लगवाने वाली महिलाओं की संख्या में भारी कमी आयी है। यह 2017–18 की तुलना में आधी यानि 2 लाख 91 हजार 31 की जगह 2023–24 में 1 लाख 35हजार 299 पर सिमट चुकी है। इस संबंध में अपर निदेशक सह परिवार नियोजन के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ एके शाही कहते हैं कि कॉपर टी परिवार नियोजन के भरोसेमंद साधन में से एक है। यह महिलाओं के गर्भाशय में आसानी से फिट होने साधन है। इससे अनचाहे गर्भ को आसानी से रोका जा सकता है। वहीं फिर से गर्भवती होने की चाह पर इसे निकालना भी आसान है।

प्रतियोगी परीक्षा के लिए परीक्षा कैलेंडर जारी करे बीटीएससी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पारा मेडिकल एसोसिएशन ऑफ बिहार के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण ने बिहार तकनीकी सेवा चयन आयोग को पत्र लिखकर राज्य में होने वाली नियुक्तियों में प्रतियोगिता परीक्षा के लिए कैलेंडर जारी करने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण ने लिखे पत्र में कहा है कि राज्य में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियुक्ति के लिए प्रस्तावित पारा मेडिकल संवर्ग के पद ओटी सहायक के 1683 पद, लैब तकनीशियन के 2969 पद, ईसीजी तकनीशियन के 242 पद, एक्स-रे तकनीशियन के 1232 पद, ड्रेसर के 3326 पद, फार्मासिस्ट के 2473 पद, स्टाफ नर्स के 7803 पदों पर नियुक्ति के लिए सामान्य प्रशासन द्वारा अधियाचना बीटीएससी को भेजी गई है। राज्य में लंबे अर्से के बाद पारा मेडिकल संवर्ग के रिक्त पदों पर नियुक्ति होनी है। राज्य भर के पारा मेडिकल, फार्मासिस्ट, नर्सिंग के छात्रों में नियुक्ति ससमय पूरा हो, ऐसी उम्मीद है। यदि आयोग के द्वारा पारा मेडिकल संवर्ग के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु होने वाली प्रक्रिया जैसे फॉर्म भरना, परीक्षा की संभावित तिथि आदि जारी हो जाती है, तो राज्य के छात्रों के लिए संतोषप्रद होता। सभी परीक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रतिभागी अपनी तैयारी करते।

तख्तश्री पटना साहिब के पंज प्यारों पर आदेश न मानने पर कार्रवाई की मांग

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

From gurpreet38232@gmail.com
To Akaltakhatsahib84@gmail....

तकत पटना साहिब के तथा-कथित पंच प्यारे के बारे में

अति सत्कार योग सिंह साहब जी आप जी के चरणों में समूह संगत की विनती है के पटना साहिब के तथा कथित पंच प्यारे उन्हें खुद ही श्री अकाल तक है साहब जी के आदेश का उल्लंघन किया है,पांच बानी का नितनेम तक का पाठ भी कंठ नहीं होने की शिकायत श्री अकाल तख्त साहिब में पहुंची थी। यह सब बिना गुटका साहिब देखें श्री रेहरास साहिब जी का पाठ भी नहीं कर पाते हैं (आप लाइव में देख सकते हैं) । सब संगत संगत की विनती है के जिनके बच्चे तक क्लीन शेव है वह पांच प्यार में शामिल होकर अमृत संचार नहीं कर सकते। तत्काल प्रभाव पर श्री अकाल तक साहब से कोई कार्रवाई हो। तब तक के लिए तकत पटना साहिब की प्रबंधक कमेटी को अमृत संचार के लिए श्री अकाल तक साहब से पांच प्यारों भेजने की कृपाल ता करें।
Daas gurpreet singh
+919417038232.
Email gurpreet38232@gmail.com

फिर एक संगत ने श्री अकाल तख्त साहिब को मेल के द्वारा पत्र भेजा है। सरदार गुरप्रीत सिंह ने श्री अकाल तख्त साहिब को भेजे मेल में शिकायत की है। इसमें तख्तश्री पटना साहिब के पंज प्यारे के बारे में जिक्र किया गया है। उन सबों से विनती की गई है कि तख्तश्री पटना साहिब के पंज प्यारे, जिन्होंने खुद ही श्री अकाल तख्त साहिब जी के आदेश का उल्लंघन किया है, उन्हें पांच वाणी का नित नेम तक का पाठ भी कंठस्थ नहीं होने की शिकायत श्री अकाल तख्त साहिब में पहुंची थी। यह सब बिना गुटका साहिब देखे श्री रहिरास साहिब जी का पाठ भी नहीं कर पाते हैं (आप लाइव के दौरान इसे देख भी सकते हैं)। सब संगतों से गुरप्रीत सिंह ने विनती की है कि जिनके बच्चे तक क्लीन सेव हैं, वह पंज प्यारों में शामिल होकर अमृत संचार नहीं करा सकते हैं। तत्काल प्रभाव से श्री अकाल तख्त साहिब से कोई कार्रवाई जल्द की जाए, इसकी मांग की गई है। तब तक के लिए प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के पदाधिकारीगण को पहल करनी चाहिए कि अमृत संचार के लिए श्री अकाल तख्त साहिब से पंज प्यारों को भेजने की विनती करें। साथ ही श्री अकाल तख्त साहिब के द्वारा जारी हुकुमनामा, जो जत्थेदार बलदेव सिंह को पांच वाणियों का पाठ पंज प्यारों की मौजूदगी में सुनाने और उसकी वीडियोग्राफी करा कर भेजने की बात कही गई है। एडिशनल हेड ग्रंथी गुरदयाल सिंह को साजिशकर्ता व षड्यंत्रकारी घोषित करते हुए तख्तश्री पटना साहिब से अन्यत्र सेवा करने के आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू कराया जाए अन्यथा दोनों को पंज प्यारों से निष्कासित कराया जाए।

ड्रोन दीदीयों को कृषि के लिए हितकारी बनाने का लक्ष्य : मंगल

बोलें- ड्रोन समेत पूरे किट के लिए 80 प्रतिशत दिया जा रहा सहायता अनुदान

- 14 हजार 500 समूहों को ड्रोन दीदी योजना से जोड़ने का लक्ष्य

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य के कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने गुरुवार को पटना के बामेती में ड्रोन दीदी योजना अंतर्गत चयनित महिला स्वयं सहायता समूहों के एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। स्थानीय बामेती सभागार में आयोजित कार्यशाला में कृषि मंत्री ने राज्य के 16 जिलों से आई 201 स्वयं सहायता समूहों की दीदियों को एक साथ संबोधित किया। अपने संबोधन में पांडेय ने कहा कि देश की तेज रफ्तार से चलना है तो नई तकनीक को समझना, स्वीकारना और उसका उपयोग करना होगा नहीं तो पिछड़ जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना से ये योजना सामने आई और सीएम नीतीश कुमार के मार्गदर्शन से इसे जमीन पर उतारा गया है। जिसका आप सभी को लाभ मिलने वाला है। श्री पांडेय ने कहा कि इस योजना का नाम ड्रोन दीदी योजना इसीलिए रखा गया ताकि आधी आबादी यानी महिलाओं को तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित किया जा सके। इस योजना में ड्रोन समेत पूरे किट के लिए 80 प्रतिशत यानी 8 लाख का अनुदान दिया जा रहा है। वहीं बाकी बचे 2 लाख आपको जीविका समूहों के माध्यम से दिए जाएंगे। पूरे देश में इस वित्तीय वर्ष 2024-25 और अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 में 14 हजार 500 समूहों को ड्रोन दीदी योजना से जोड़ने का लक्ष्य है। जिससे विकसित भारत और विकसित बिहार का निर्माण हो सकेगा। राज्य में किसानों के पास पारम्परिक नैपसैक, हैंड रॉकिंग स्प्रेयर इत्यादि छिड़काव यंत्र उपलब्ध हैं। वर्तमान में अति आधुनिक एवं स्वचालित संचालित छिड़काव यंत्र (ड्रोन) का प्रयोग प्रायोगिक तौर पर कृषि विज्ञान केन्द्र एवं अन्य कृषि संस्थानों के द्वारा किया जा रहा है। ड्रोन के उपयोग से कीटनाशी की कम मात्रा के साथ-साथ समय एवं पूंजी की बचत हो रही है, जिससे किसानों की उत्पादकता एवं आय में वृद्धि होगी। श्री पांडेय ने कहा कि इस योजना अंतर्गत भारत सरकार द्वारा बिहार राज्य के लिए कुल 201 ड्रोन वितरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पटना में निःशुल्क 15 दिवसीय ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण कराया जाएगा। ड्रोन दीदी योजना के प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन एवं सतत निगरानी हेतु सचिव, कृषि विभाग की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कमिटी का गठन किया गया है। जिनके मार्गदर्शन में हीं इस योजना का कार्यान्वयन किया जायेगा।

क्रिकेटर वैभव सयूवंशी को सीएम नीतीश ने किया सम्मानित

पटना। बिहार के समस्तीपुर जिले के निवासी भारतीय युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी और उनके पिता ने पटना स्थित 1, अणे मार्ग में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने वैभव सूर्यवंशी को सम्मानित किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी मौजूद रहें।

मुफ्त औषधि वाहनों से गांव-गरीब को राहत : विप्लव

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट सह प्रदेश प्रवक्ता जयराम विप्लव ने 309 मुफ्त औषधि वाहनों को हरी झंडी दिखाए जाने की पहल को बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि यह पहल गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। जयराम विप्लव ने कहा, डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया है कि बिहार का हर नागरिक सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं तक पहुंच सके। इन 309 औषधि वाहनों के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके घर के पास दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जो पहले स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित थे। जन औषधि केंद्र की सराहना करते हुए जयराम विप्लव ने प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों के विस्तार को गरीबों के लिए वरदान बताया। उन्होंने कहा, आज बिहार के हर जन औषधि केंद्र पर बाजार कीमत से 80-90 प्रतिशत कम कीमत पर जीवनरक्षक दवाएं उपलब्ध हैं। गया, पटना और अन्य जिलों में इन केंद्रों ने लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। यह योजना आत्मनिर्भर भारत के हमारे लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं पर बात करते हुए कहा कि बिहार को स्वास्थ्य सेवाओं में अग्रणी बनाने के लिए यह सिर्फ शुरूआत है। 309 औषधि वाहन और जन औषधि केंद्र जैसे कदम साबित करते हैं कि सरकार गरीब और जरूरतमंद लोगों की भलाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सीएम नीतीश ने किया ऐतिहासिक काम : जदयू

पटना। जदयू प्रवक्ता नवल शर्मा ने सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए सीएम नीतीश के नाम से छपे विज्ञापनों को लेकर तेजस्वी यादव के तंज पर जोरदार पलटवार किया है। कहा कि नीतीश सरकार में शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, बिजली, आदि विभिन्न क्षेत्रों में जो ऐतिहासिक काम हुए और हो रहे उनकी जानकारी जनता तक पहुंचाना जरूरी है ताकि लोग जान सकें और सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकें। इसे फिजूलखर्ची बताना तेजस्वी की जलनशीलता का परिचायक है। हर सरकार शासकीय उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाती है। जो सरकार काम ही नहीं करेगी वो दिखाएगी क्या। लालू जी की सरकार में कोई काम नहीं होता था, इसलिए काम के बजाय रोज अखबारों में अपहरण, हत्या, डकैती, रंगदारी और बलात्कार की खबरें छपती थी। ऐसा नासमझ नेता प्रतिपक्ष बिहार को आजतक नहीं मिला जिसे इतना भी ज्ञान नहीं की यह सीएम नीतीश का व्यक्तिगत नहीं बल्कि सरकार की उपलब्धियां का प्रचार है ।

रालोमो के प्राथमिक सदस्य बने पत्रकार हीरा राय

पटना। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के कैम्प कार्यालय में गुरुवार को रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद माननीय उपेंद्र कुशवाहा जी के सामाजिक छवि एवं कार्य से प्रभावित होकर उनके प्रति आस्था व्यक्त करते हुए छपरा के पत्रकार हीरा राय ऊर्फ हीरा लाल यादव ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ई. हेमंत कुमार के हाथों ग्रहण की। श्री कुमार ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बतलाया कि पत्रकार हीरा राय इससे पहले अपना दल में सांसद श्रीमती अनुप्रिया पटेल एवं सपा विधायक पल्लवी पटेल के साथ भी काम कर चुके हैं। इस मौके पर व्यवसायिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अनंत कुमार गुप्ता, मो. आशिक, विजय भगत, विनोद पप्पु, सुरज कुशवाहा, रवि, नंदिनी भारती, आर्यन, अजय कुमार विट्टू, उमेश प्रसाद बाशुकिनाथ गुप्ता आदी नेता उपस्थित थे।

राजद को पहले अपने कारनामों को याद करना चाहिए : उमेश

नीतीश कुमार ने आधी आबादी को न्याय देने का किया काम

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को राजद पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महिला संवाद यात्रा को सरकारी पैसों की बबार्दी बताने वाले असल में घोटालों के सरदार हैं। लालू परिवार के सिर्फ एक-दो नहीं बल्कि आधा दर्जन सदस्यों पर भ्रष्टाचार के कई संगीन आरोप हैं। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाला के मामले में कोर्ट ने दोषी करार दिया और आज चुनाव लड़ने पर भी उन्हें पाबंदी है। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि महिला संवाद यात्रा पर अनावश्यक उपदेश देने के बजाए राजद को पहले अपने काले कारनामों को याद करना चाहिए। लालू-राबड़ी के शासनकाल में किस तरह से सरकारी पैसों की लूट-खसोट होती थी, यह किसी से भी छिपा नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि राजद के दामन में इतने दाग है कि उन्हें कभी साफ नहीं किया जा सकता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महिला संवाद यात्रा को राजनीतिक रंग देना विपक्ष की संकीर्ण मानसिकता का परिचायक है। 15 सालों तक शासन में रहने के बावजूद भी लालू-राबड़ी की सरकार ने कभी महिलाओं की सुध नहीं ली। आगे उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त और सबल बनाने लिए उनके बीच जाकर संवाद करना और उनका सुझाव लेना जरूरी है। इसको फिजूलखर्ची बताना राजद की महिला विरोधी सोच को प्रदर्शित करता है। श्री कुशवाहा ने आगे कहा कि राजद के जंगलराज में प्रदेश की बहन-बेटियाँ खौफजदा थी लेकिन हमारे नेता ने वर्ष 2005 में सत्ता का बागडोर संभालने के बाद प्रदेश को भयमुक्त वातावरण दिया ताकि महिलायें निर्भीक और बेखौफ होकर स्कूल-कॉलेज जा सके। साथ ही उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने आधी आबादी को पूरा हक और न्याय देने का काम किया है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में हमारे नेता के कामों का आज पूरे देशभर में कहीं सानी नहीं है।

जनता की गाढ़ी कमाई को बहाया जा रहा : तेजस्वी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार विधान सभा में प्रतिपक्ष एवं राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने आरोप लगाया है कि गरीब एवं पिछड़े राज्य की जनता की गाढ़ी कमाई का हजारों करोड़ रुपए नॉन-स्टॉप विज्ञापनों में बहाया जा रहा है। श्री यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गरीब एवं पिछड़े राज्य बिहार की जनता की गाढ़ी कमाई का हजारों करोड़ रुपए नॉन-स्टॉप विज्ञापनों में बहाया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कुछ दिन पूर्व तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बारे में सरकारी कार्यक्रमों में मीडिया को बोलते थे कि, ऊ लोग कुछ काम करता है जी, खाली अखबार में फोटो चमकाता है। अब यहां कोई क्या कहे। राजद नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री को आत्ममंथन और चिंतन करना चाहिए कि गरीब राज्य का अरबों रुपए ऐसे बर्बाद करना क्या जायज है।

महिला सशक्तिकरण के शानदार 19 वर्ष : राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली/पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा प्रस्तावित यात्रा पर सवाल ख्ज्ञडे. किए जाने पर पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सुशासन के कार्यक्रमों के केंद्र में सदैव महिला सशक्तिकरण रहा है। श्री प्रसाद ने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए बाल विवाह, दहेज प्रथा, विधवा प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु न सिर्फ. वैधानिक प्रावधानों को दृढ़ता के साथ लागू किया गया बल्कि इनसे पीड़ित महिलाओं के पुनर्वास एव कल्याण के लिए अनेक योजनाएं भी चलाई गईं। श्री प्रसाद ने कहा कि सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 फीसदी आरक्षण लागू करने के साथ ही पंचायती राज संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण देकर महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को भी सुनिश्चित किया गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के विकास, सशक्तिकरण एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 2007 में जीविका को आरंभ किया गया। इस पहल का अनुकरण अनेक राज्य कर रहे हैं। इसके साथ ही प्राथमिक शिक्षक नियोजन में भी महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया। साथ ही प्रजनन दर में भी 4.3 प्रतिशत के मुकाबले 2.9 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। साथ ही मुख्यमंत्री पोशाक योजना, हुनर एवं औजार कार्यक्रम, मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना, बालिका इंटरमीडिएट एवं स्नातक प्रोत्साहन योजना, सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना, महिला उद्यमी योजना समेत अनेक योजनाओं के माध्यम से बिहार महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बन गया है।

देशहित में निर्णायक सुधार है एक देश एक चुनाव : विजय

लोकतंत्र और विकास दोनों के लिए फायदेमंद है एक देश एक चुनाव

पटना। केंद्रीय कैबिनेट द्वारा एक देश एक चुनाव से जुड़े विधेयक को मिली मंजूरी का स्वागत करते हुए बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि यह एक बहुप्रतीक्षित निर्णय है, जिसकी अनुशंसा पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाले पैनल द्वारा भी की गई थी। अब इस विधेयक को यदि देश की संसद पारित कर दे तो यह एक ऐतिहासिक चुनाव सुधार होगा। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि वर्तमान स्थिति में देश के त्रिस्तरीय लोकतंत्र से जुड़ा कोई न कोई चुनाव पूरे साल होता रहता है। चूंकि हर चुनाव की प्रक्रिया से किसी न किसी रूप में एक आदर्श आचार संहिता जुड़ी होती है। जिससे राजकाज और समाज के विकास से जुड़े कामों में काफी बाधा होती है। साथ ही छोटे-छोटे अंतराल पर होने वाले इन चुनावों के कारण सरकारी धन और संसाधनों की क्षति भी होती है। चुनावी ड्यूटी के चलते सरकारी कार्यों में काफी अड़चनें आती हैं। यही नहीं इस सुधार से खर्च कम, भ्रष्टाचार कम होता है और योजनाएं समय से पूरी हो पाती हैं । लिहाजा ह्यएक देश एक चुनावह्व देश के विकास को देखते हुए समय की मांग है। श्री सिन्हा ने कहा कि पिछले करीब तीन दशकों से चुनाव आयोग, संविधान समीक्षा आयोग,विधि आयोग से लेकर नीति आयोग ने इसकी वकालत की है। आजादी के बाद 1952 से लेकर 1967 तक पूरे देश में लोकसभा और राज्यसभा के चुनाव साथ होते थे। इसलिए यह परिपाटी हमारे लोकतंत्र में जांची, परखी और खरी रही है। श्री सिन्हा ने कहा इस ऐतिहासिक सुधार का विरोध केवल वे ही लोग कर रहे हैं जिन्हें या तो अपने सत्ता की जागीर गंवाने का भय है या फिर जिनका कोई हिडेन एजेंडा है। यही वो लोग हैं जो खुद के चुनाव जीतने पर जश्न मनाते हैं और जब हारते हैं तो ईवीएम पर सवाल उठाते हैं। ये दरअसल सोरोसवादी लोग हैं जो देश के हर सुधार और विकास पर ग्रहण लगाने की जुगत में रहते हैं।

जेपी के आदर्शों पर चलकर जनता पार्टी को करेंगे मजबूत : नवनीत

पटना। संपूर्ण क्रांति आंदोलन के समय लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा गठित जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवनीत चतुर्वेदी गुरुवार को अपने दौरे पर पटना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आदर्शों पर चलकर पार्टी संगठन को मजबूत करेगी और आम जनता तक जेपी के संदेश को फैलाएगी। उन्होंने कहा की उनके पार्टी के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश बंधु का कार्यकाल नवंबर 2021 में समाप्त हो गया और पार्टी कार्यकारिणी ने उनको अध्यक्ष चुना था उसी समय से हुए वे देश भर में पार्टी संगठन को मजबूत कर रहे हैं। श्री चतुर्वेदी ने कहा कि बिहार में पार्टी अकेले लड़ने की स्थिति में नहीं है इसलिए वे बिहार में समान विचारधारा वाले दलों के साथ मोर्चा बनाकर चुनाव में उतरेंगे और बिहार में संगठन को नया रूप देंगे। इस दौरान उन्होंने बिहार में संगठन को चलाने के लिए समाजवादी नेता धीरज कुमार को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। साथ ही उन्होंने उदय सिंह राणा एवं शंभू कुमार को प्रदेश उपाध्यक्ष, शिवनारायण सिंह को प्रधान महासचिव कोषाध्यक्ष, रवि कुमार उर्फ अंटू पटेल को महासचिव सह संगठन सचिव तथा पवन कुमार को प्रवक्ता नियुक्त किया है। इसके अलावा शालिनी कुमारी बिहार प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष बनाई गई हैं।

वन नेशन वन एजुकेशन की बात क्यों नहीं कर रही केंद्र सरकार : एजाज

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन पर राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार वन नेशन वन एजुकेशन ,वन नेशन वन हेल्थ और वन नेशन औल एंप्लॉयमेंट की बात क्यों नहीं करती है। इस तरह की राजनीतिक कवायद कहीं ना कहीं लोकतंत्र और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने के दृष्टिगत ही इस तरह के मामले सामने लाये गए हैं। जब वन नेशन और वन इलेक्शन की बात हो रही है ,तो उसमें पंचायत चुनाव का जिक्र क्यों नहीं है। जब पंचायत चुनाव अलग से होंगे तो वन नेशन वन इलेक्शन की सार्थकता कहां रह जाएगी। एजाज ने आगे कहा कि केंद्र सरकार यह भी स्पष्ट करें कि जब 2029 से वन नेशन वन इलेक्शन कानून को लागू करने की बात की जा रही है तो जहां 2025 में चुनाव होगा तो 2030 में विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने से पहले क्या किया जाएगा उसे स्पष्ट करें। क्या उस विधानसभा को भंग कर दिया जाएगा। 2029 में इसे लागू करने की बात की जा रही है, तो 2026 और 27 मैं होने वाले राज्यों के चुनाव को क्या रोक दिया जाएगा इस मामले में केंद्र सरकार कहीं से स्पष्ट बातें नहीं कर रही है। एजाज ने आगे कहा कि दिल्ली के चुनावी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ही इस तरह के माहौल बनाए जा रहे हैं। लोकतंत्र में जनता को मिले अधिकारों को भी कहीं ना कहीं भाजपा अपने अनुसार चलाना चाहती है।

मोदी सरकार विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कटिबद्ध : अरविन्द

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस ढांचे का उद्देश्य डिजिटल इंडिया के निर्माण और इसके परिणामस्वरूप होने वाले लाभों के उद्देश्य से देश में सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट स्थापित करके इंटरनेट सेवाओं के प्रसार में तेजी लाना है। पीएम-वाणी ढांचे के तहत, पब्लिक डेटा ऑफिस अपने तकनीकी-व्यावसायिक विचारों के आधार पर वाणी अनुरूप वाई-फाई हॉटस्पॉट स्थापित, संचालित और रखरखाव करते हैं और ग्राहकों को इंटरनेट सेवाएं प्रदान करते हैं। श्री अरविन्द ने कहा कि देश की सभी ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए भारतनेट परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। इसके अलावा,मोदी सरकार ने भारतनेट चरण- एक और चरण- दो के मौजूदा नेटवर्क के उन्नयन, शेष ग्राम पंचायतों में नेटवर्क के निर्माण के लिए संशोधित भारतनेट कार्यक्रम को मंजूरी दी है। यह कार्यक्रम मांग के आधार पर शेष गैर-ग्राम पंचायतों वाले गांवों (लगभग 3.8 लाख) को ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी भी प्रदान करता है। कई ग्राम पंचायतों में स्थापित उपकरणों द्वारा वाई-फाई सेवा का समर्थन किया जाता है। मोदी सरकार डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देकर देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कटिबद्ध है।

भाकपा का इतिहास बलिदान और संघर्षो है : शत्रुघ्न

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य परिषद की दो दिवसीय बैठक गुरुवार को पटना में शुरू हुई। बैठक की अध्यक्षता मिथिलेश कुमार झा, सुरेंद्र सौरभ और सुरेंद्र सिंह मुन्ना की अध्यक्ष मंडली ने की। पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने बैठक का एजेंडा पेश की। पूर्व सांसद सत्रुघ्न प्रसाद सिंह ने बिहार पार्टी के 85 वें वर्षगांठ पर प्रकाशित स्मारिका का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का बलिदान और संघर्षो इतिहास है। हम ने शहादत दी है। सामाजिक और राजनीतिक लड़ाई लड़ी है। आज के दौर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की भूमिका बढ़ गई है। लोकतंत्र और संविधान पर महले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक क्रांतिकारी के लिए राजनीति असम्भव का सम्भव बनाने की कला है। यह कार्य सिर्फ आत्मगत आग्रह से नहीं, मौजूदा शक्तिसंतुलन को बदलने की यथार्थपरक दृष्टि और कार्रवाई से ही सम्भव है। सत्ता के प्रति उपजे जनाक्रोश, किसानों का संघर्ष, दशकों संघर्ष के बाद मजदूरों को मिले अधिकारों, लोकतंत्र और हमारा संविधान आज गम्भीर खतरे में पड़ गया है। जम्हूरियत के बहुसंख्यक संप्रदायीकरण की आरएसएस-भाजपा षड़यंत्रों के बरक्स इस नापाक गठबंधन को तोड़ने के लिए वामपंथी जनवादी शक्तियों की एकजुटता ही मौजूदा दौर की मांग है। शताब्दी वर्ष में हम अपने हिरावल दस्ते के बल पर अपनी जिम्मेवारियों को पूरा करते हुए एक नए देश का निर्माण करेंगे, इसी शपथ के साथ संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते हुए समतावादी सामाजिक परिवर्तन की नई मशाल लेकर नए राष्ट्र का निर्माण पूरा करेंगे।

सरकार हर मोर्चों पर विफल साबित हुई : अरुण

पटना। राजद के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि जदयू-भाजपा के नेता लालू परिवार फोबिया से पूरी तरह ग्रसित है। इसलिए केंद्र और राज्य सरकार की नाकामियों को छुपाने और जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए एनडीए के नेता अनर्गल प्रलाप करते रहते हैं। जबकि राज्य की जनता उनके बयानों को गंभीरता से नहीं लेती है। राजद ने कहा कि जदयू-भाजपा नेताओं के चाल, चरित्र, चेहरा और विकृत सोच से राज्य की जनता वाकिफ है। राज्य की जनता गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, पलायन, भ्रष्टाचार, आपराधिक घटनाओं से त्रस्त है। सरकार में बैठे लोगों को इन समस्याओं से कोई मतलब नहीं है। राज्य सरकार हर मोर्चों पर विफल साबित हुई है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि सत्तापक्ष बताए 2 अरब 25 करोड़ 78 लाख रुपए महिला के सुरक्षा पर खर्च होनी चाहिए या संवाद यात्रा के दिखावे पर? महिलाओं के घर की बिजली सस्ती पर खर्च होनी चाहिए या जनता के पैसे की फिजूलखर्ची पर? महिलाओं की रसोई गैस सस्ती कर पर खर्च होनी चाहिए या गैर जरूरी तिकड़म कर वोट पाने के लिए? महिलाओं के तरक्की पर खर्च होनी चाहिए या सरकारी खजाने को खाली कर पार्टी फंड को भरने के लिए? राजद प्रवक्ता ने कहा कि गरीब जनता की खून पसीने की गाढ़ी कमाई के पैसे को यात्रा के नाम पर लूटने और लुटाने के लिए 2 अरब 25 करोड़ 78 लाख रुपए की नीतीश कैबिनेट ने मंजूरी दी है। जोकि बिहार की जनता के साथ अन्याय है, इस अन्याय का बदला आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश सरकार को सत्ता से हटाकर लेगी।

प्रयागराज महाकुंभ : 45 करोड़ आगंतुकों के आने की संभावना

भव्य एवं डिजिटल महाकुंभ के लिए उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध : सचान

- इंट्रीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर, रिवर फ्रंट समेत 44 घाटों पर होगी पुष्प वर्षा

पटना। योगी सरकार महाकुंभ-2025 को भारतीय संस्कृति और एकता का वैश्विक प्रतीक बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ में 45 करोड़ तीर्थयात्रियों, साधु, संतों, कल्पवासियों एवं पर्यटकों के आने की संभावना है। उक्त बातें उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने पटना में अयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। श्री राकेश सचान ने कहा कि महाकुंभ, भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक चेतना का स्पंदन है। एक भारत-श्रेष्ठ भारत-समावेशी भारत की दिव्य और जीवंत झांकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक माँ गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम तट पर प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर महाकुंभ 12 वर्ष के अंतराल पर एक बार फिर प्रयाग की पुण्य धरा पर आयोजित हो रहा है।

स्वच्छ, स्वस्थ्य, सुरक्षित एवं हरित महाकुम्भ :

राकेश सचान ने कहा कि यह स्वच्छ, स्वस्थ्य, सुरक्षित एवं डिजिटल महाकुंभ है। मेला को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त महाकुम्भ का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ- 2025 को हरियाली से भरा बनाने के लिए क्लीन के साथ-साथ ग्रीन कुंभ पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे प्रयागराज में करीब तीन लाख पौधों का रोपण भी किया गया है।

पर्यटकों के स्वास्थ्य देखभाल की व्यवस्था :

श्री सचान ने कहा कि इसे स्वस्थ महाकुंभ के दृष्टिकोण से भी तैयार किया जा रहा है जिसमें आने वाले तीर्थयात्रियों, साधु, संतों, कल्पवासियों और पर्यटकों के स्वास्थ्य देखभाल की भी व्यवस्था है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की बड़े पैमाने पर तैनात किया गया है। परेड ग्राउंड में 100 बेड का अस्पताल बनाया गया है। 20 बेड के दो और 8 बेड के छोटे अस्पताल भी तैयार किए गए हैं।

डिजिटल महाकुंभ का भी अनुभव करेंगे श्रद्धालु

महाकुंभ की वेबसाइट, ऐप, 11 भाषाओं में एआई चौट बॉट, लोगों एवं वाहनों के लिए क्यूआर आधारित पास, बहुभाषीय डिजिटल खोया-पाया केंद्र, स्वच्छता एवं टेंटों की आईसीटी निगरानी, भूमि और सुविधा आवंटन के लिए सॉफ्टवेयर, बहुभाषीय डिजिटल साइनेज वीएमडी, स्वचालित राशन आपूर्ति प्रणाली, ड्रोन आधारित निगरानी एवं आपदा प्रबंधन, 530 परियोजनाओं की निगरानी का लाइव सॉफ्टवेयर, इन्वेंटरी ट्रैकिंग सिस्टम और सभी स्थलों का गूगल मैप पर एकीकरण किया गया है।

44 घाटों पर पुष्प वर्षा की भी है व्यवस्था

12 किलोमीटर क्षेत्र में फैले सभी 44 घाटों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुंबई की मरीन ड्राइव की तर्ज पर गंगा किनारे लगभग 15.25 किलोमीटर क्षेत्र में संगम से नागवासुकी मंदिर तक, सूरदास से छतनाग तक, कर्जन ब्रिज के समीप से महावीर पुरी तक रिवर फ्रंट का निर्माण कराया गया है।

अनेकता में एकता का समेकित जय-घोष है महाकुंभ

प्रेस वार्ता में शामिल परिवहन राज्य मंत्री दया शंकर सिंह ने कहा कि कुंभ, एक मेला अथवा स्नान की डुबकी मात्र न होकर, भारतवर्ष की अनेकता में एकता का शाश्वत और समेकित जय-घोष है। महाकुम्भ एक ऐसा महान पर्व है जो नदी के पावन प्रवाह में समस्त विभेदों, विवादों और मतांतरों को विसर्जित कर देता है। यह सामाजिक समरसता का अनुपम उदाहरण है। पटना में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 120 गणमान्य व्यक्तियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभग किया, जिसमें प्रमुख मीडिया संस्थानों के वरिष्ठ पत्रकार, ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर, ट्रैवल ब्लॉगर, इंफ्लूएंसर और क्षेत्र के कुछ उद्योगपति शामिल रहे।

मसान नदी के दोनों ओर हो रहा है तटबंध का निर्माण

पश्चिम चंपारण जिले को मिलेगी बाढ़ से सुरक्षा

पटना। पश्चिम चंपारण जिले में मसान नदी के दोनों ओर पूरी लंबाई में तटबंध का निर्माण एवं संबद्ध कार्य प्रगति पर है। बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग की इस महत्वाकांक्षी योजना के पूर्ण होने पर पश्चिम चंपारण जिले के रामनगर, लौरिया, बगहा-1 प्रखंडों की करीब 2,67,000 की आबादी और 78 हजार हेक्टेयर भूमि को मसान नदी की बाढ़ से दीर्घकालिक सुरक्षा मिलेगी और जान-माल के नुकसान को रोका जा सकेगा। कृषि योग्य भूमि को बाढ़ से सुरक्षा मिलने से क्षेत्र में कृषि उत्पादन बढ़ेगा, जिससे किसानों को लाभ होगा। साथ ही क्षेत्रवासियों को मसान नदी के तटबंधों के रास्ते यातायात का एक वैकल्पिक मार्ग मिल जाएगा। जल संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, विभाग की इस योजना के अंतर्गत मसान नदी के बाईं तरफ कुल 26.52 किलोमीटर लंबाई में, जबकि दाईं तरफ कुल 19.536 किमी लंबाई में नये तटबंध का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही, मौजूदा बायां तटबंध में कुल 8.34 किमी लंबाई में और मौजूदा दायां तटबंध में कुल 15.90 किमी लंबाई में उच्चीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जाएगा।

हर नागरिक तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना प्राथमिकता : दिलीप

पटना। बिहार की एनडीए सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को जन-जन तक पहुंचाने के अपने वादे पर लगातार काम कर रही है। आज मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य के विभिन्न जिलों में मुफ्त औषधि वितरण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं को जिला मुख्यालय से लेकर पंचायत स्तर तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगी। उक्त बातें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कही। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार जनकल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह पहल राज्य के प्रत्येक नागरिक को निःशुल्क और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इन वाहनों के माध्यम से आवश्यक औषधियां समय पर उपलब्ध होंगी, जिससे लोगों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। डॉ. जायसवाल ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एनडीए सरकार की यह पहल सिर्फ एक शुरूआत है। आने वाले समय में सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में और भी योजनाएं लागू करेगी, जिससे बिहार के हर व्यक्ति को बेहतर और सशक्त स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

बिहार सरकार

विद्युत कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
विद्युत कार्य प्रमंडल सं0–2,
संयुक्त कार्यालय भवन, छज्जुबाग, बुद्धमार्ग, पटना 800001

भवन निर्माण विभाग, पटना

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के अल्पकालीन निविदा आमत्रण सूचना संख्या–28 वर्ष 2024–25 जिसका PR No- 013955 (BCD) 2024-25 है। निविदा में परिमाण विपत्र का राशि रू0 2,38,640.00 के स्थान पर रू0 12,38,640.00 पढा जाय। उसी के अनुरूप अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य पढा जाय।

उक्त सूचना state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

PR- 014644 (BCD) 2024-25

विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, सं0–2, पटना

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

संक्षिप्त खबरें

पर्यावरण संरक्षण सह जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरपुर।प्रगतिशील मानवाधिकार मानव सेवा संघ द्वारा मध्य विद्यालय दामोदरपुर एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय दामोदरपुर में मोहम्मद मुर्तुजा की अध्यक्षता में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम सह पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर सीतामढ़ी के पर्यावरण मित्र डॉक्टर अमित कुमार ने बताया कि पर्यावरण की रक्षा से ही मानव जीवन की सुरक्षा हैं। सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान के संयोजक कठपुतली कलाकार सुनील सरला ने गीत संगीत, कठपुतली, सतवंती टोपी एवं में प्रदूषण हूं एकांकी नाटक के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।वहीं युवा वैज्ञानिक नाज अजीर ने वेस्ट मैटेरियल से उपयोगी सामान पर शोध की बात बताई।डॉक्टर अमित कुमार ने गुल्लक योजना फिजूल खर्ची और बचत की भावना और शिक्षा जीवन में क्यों जरुरी है के बारे में जागरूक किए।इस अवसर पर मुख्य रूप से युवा वैज्ञानिक नाज अजीर,सीतामढ़ी के पर्यावरण मित्र डॉक्टर अमित कुमार, कठपुतली कलाकार सुनील सरला,कलाकार संजय कुमार सिंह, शिक्षक राकेश कुमार, मोहम्मद मुख्तार, कालीचरण दास, एकबाल अहमद, सुश्री संध्या, दीप शिखा, सुमन, मोहम्मद मुतुर्जा मौजूद थे।धन्यवाद ज्ञापन मध्य विद्यालय दामोदरपुर के प्रधानाध्यापक उमेश कुमार ने दिया

नए निबंधन सॉफ्टवेयर से होगा जमीन का रजिस्ट्री

बेनीपुर(दरभंगा) ।अवर निबंधन कार्यालय बहेड़ा में आगामी 16 दिसंबर से नए ई.निबंधन सॉफ्टवेयर से रजिस्ट्री कार्य चलेगा। फिलहाल स्कोर सॉफ्टवेयर से जमीन का निबंधन कार्य चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक उप निबंधन महानिरीक्षक सुशील कुमार सुमन ने बहेड़ा के सब रजिस्टार को पत्र भेज कर आगामी 16 दिसंबर से नई ई निबंधन सॉफ्टवेयर के माध्यम से जमीन का निबंधन कार्य करवाने का आदेश दिया है। जानकारों का कहना है कि निबंधन कार्यालय को पेपर लेस बनाने के लिए यह पहला चरण है। इससे भु-क्रेता एवं विक्रेता को काफी सहुलीयत मिलेगा। सब रजिस्टार धर्मेंद्र दुबे ने इस संबंध में पूछने पर बताया कि विभागीय उच्चाधिकारी का आदेश मिला है ।

किशोरी को बाईक पर चढ़ाकर शादी की नीयत से भगाया

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से बाईक पर सवार दो युवकों ने एक किशोरी को जबरन घर से उठाकर शादी की नीयत से भगाने मामला प्रकाश में आया है।जब पीड़ित मा ने नगर निगम क्षेत्र के शिवनंदनपुर गांव में जाकर भागने वाले युवक के परिजनों से मिले तो डांट फटकार लगाते हुए गाली देकर मारपीट कर भगा दिया ।घटना 11 दिसंबर के शाम की बताई गई है। पुलिस को दिए गए आवेदन में कहा है कि यह दोनों शादी की नीयत से मेरी पुत्री को भागने की बात कही है।दिए गए आवेदन में दो लोग को आरोपित किया है।इस संबंध मे पुलिस ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

जमीनी विवाद में मारपीट मामले में दो व रंगदारी मामले में एक गिरफ्तार

समस्तीपुर, मुफ्फसिल पुलिस ने रहीमपुर रुदौली में डेढ़ साल पहले एक जमीनी विवाद में एक पिता-पुत्र को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने व लूटपाट मामले के दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रहीमपुर रुदौली के रामबली राय के पुत्र विकास कुमार व मिश्री राय के पुत्र उमेश कुमार के रूप में हुई है। उनके विरुद्ध नागेश्वर राय व उनके पुत्र अरुण कुमार के फर्द बयान पर मुफ्फसिल थाने में एफआईआर दर्ज किया गया था। वहीं दूसरे मामले में मुफ्फसिल पुलिस ने हथियार के बल पर रंगदारी मांगने व पॉकेट से जबरन 15 हजार रुपए छीनने और मारपीट कर हत्या की धमकी देने के दो महीने पुराने मामले में नामजद अभियुक्त मोहनपुर के गंगा प्रसाद राय के पुत्र सुधीर कुमार को गिरफ्तार किया है।

मुख्यसचिव ने लिया जिले के विकास योजनाओं का जायजा

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने बुधवार को मुजफ्फरपुर भ्रमण कर मोतीपुर स्थित मेगा फूड पार्क, तथा बेला इंडस्ट्रियल एरिया स्थित बैग क्लस्टर, टेक्सटाइल क्लस्टर तथा जीविका द्वारा संचालित दीदी की रसोई का जायजा लिया । इस दौरान मुख्य सचिव ने मोतीपुर में 143 एकड़ में फैले भू भाग पर फूड प्रोसेसिंग यूनिट के रूप में मेगा फूड पार्क का निरीक्षण किया। इसमें दो वेयरहाउस बन रहा है, एक लीची चैंबर, एक बनाना चैंबर तथा 10 माइक्रो शेड है जिसमें फूड प्रोसेसिंग से संबंधित कार्य आवंटित किए जाएंगे। मुख्य सचिव ने कार्य में तेजी लाने तथा शीघ्र पूरा कर काम शुरू करने का निर्देश दिया।

इस दौरान मुख्य सचिव बेला इंडस्ट्रियल एरिया स्थित बैग क्लस्टर का भ्रमण कर जीविका दीदियों से बातचीत कर उनके द्वारा किये जा रहे कार्य, सरकारी सहायता एवं रोजगार से उनके जीवन में आये बदलाव एवं आर्थिक प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

बैग क्लस्टर में 10 क्लस्टर हैं तथा 53 शेड बनाया गया है इसमें निजी कंपनी का दो शेड है तथा जीविका दीदी का 42 शेड है।एक शेड में 25 मशीन कार्यरत है।एक उद्यमी दीदी को 25 मशीन दिया गया है।

जीविका दीदी खुद उद्यमी है जो बैग का निर्माण कर निजी कंपनी को बेचती है तथा निजी कंपनी जीविका दीदी द्वारा निर्मित बैग को मार्केट में सेल करता है। इस प्रकार जीविका दीदी न केवल एक उद्यमी के रूप में कार्य कर रही हैं बल्कि स्थानीय स्तर पर बैग उपलब्ध करा रही है तथा आय अर्जन कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही है।

विदित हो कि उद्योग विभाग के सहयोग से निजी बैग कंपनी के साथ जीविका दीदी के उद्योग को जोड़ा गया है।जीविका दीदी को उद्योग खोलने के लिए महिला उद्यमी योजना से 10-10 लाख रुपए दिये गये हैं।

उन्होंने तिरहुत जीविका महिला बैग प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की महिला उद्यमियों से वार्ता करते हुए कहा कि उनके कौशल का ज्यादा से ज्यादा विकास हो |बैग इनके खादी मॉल के साथ ही अन्य प्राइवेट मॉल में भी बिके। इसकी भी रणनीति बनाने की आवश्यकता है। साथ ही सरकारी स्कूलों के बैग पुलिस और होमगार्ड की वर्दी के साथ ही अग्निशमन विभाग की वर्दी को पायलट फेज में जीविका दीदी के द्वारा बनवाया जाए |इसके साथ इसका निरंतर विकास होता रहे ताकि कंपनी शेयर बाजार में लिस्टेड हो सके और अगले 2 सालों में इसका आईपीओ बाजार में आ सके |दीदी की रसोई में दीदी के हाथों बने चाय और पकोड़े का स्वाद लिया इसके साथ ही दीदी की रसोई के व्यापार को किस तरह से बढ़ाया जा सके इसके लिए उपस्थित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया। इसके साथ ही जीविका समूह से जुड़ने वाली दीदियों को किस तरह से दूसरी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसके बारे में भी दीदी की रसोई और बैग क्लस्टर में काम करने वाली दीदियों से उज्ज्वला योजना, बीमा योजना, आवास, पेंशन, नल जल योजना के साथ ही सभी सरकारी योजनाओं का लाभ किस तरह से दीदियों को मिल रहा है। मुख्य सचिव ने दीदी की रसोई का भी भ्रमण कर उसके संचालन एवं भोजन की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त की। इसमें जीविका दीदी के बच्चों के लिए पालना घर भी बना हुआ है तत्पश्चात बेला इंडस्ट्रियल एरिया स्थित टेक्सटाइल क्लस्टर का भी भ्रमण किया गया तथा इस इकाई के उत्पादन, रोजगार की स्थिति का जायजा लिया तथा उद्यमियों से बातचीत की।

नीतीश कुमार ने महिलाओं को स्वावलंबी बनाया है : साइना बानो

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा को लेकर जनता दल यू के जनप्रतिनिधि साइना बानो ने जम के तारीफ की उन्होंने कही कि नीतीश कुमार के शासनकाल में नीचे फैदान तक की महिलाओं को स्वालंबी बनाने का अवसर मिला नीतीश कुमार महिला संवाद यात्रा पर निकलेंगे इससे राज्य की महिलाओं को कितना विकास हुआ है इसके बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे साथ ही नीतीश कुमार के द्वारा ही लड़कियों को साइकिल एवं पोशाक योजना लागू किया गया था तो विरोधी दल के जनप्रतिनिधि ने जम के आलोचना की थी लेकिन लड़कियों के लिए साइकिल एवं पोशाक योजना से अन्य राज्य एवं देश में सभी ने बाद में जाकर तारीफ किया नीतीश कुमार की ऐसे मुख्यमंत्री जिन्होंने महिलाओं को ही नहीं बल्कि सभी वर्गों के लिए बिहार में विकास किया इसलिए ऐसे मुख्यमंत्री का तारीफ की और विरोधियों के शासन में केवल घोटाला होता था लेकिन नीतीश कुमार के शासन में विकास।

सड़कों के जीर्णोद्धार की मांग को लेकर डीएम से मिले पूर्व मंत्री

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।कांटी क्षेत्र के करीब दो दर्जन से अधिक जर्जर सड़कों की मरम्मती की मांग को लेकर पूर्व मंत्री अजीत कुमार के नेतृत्व में जिला अधिकारी से मिला सामाजिक कार्यकताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज जिलाधिकारी से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने एक ज्ञापन सौंप कर उनसे जर्जर सभी सड़कों का शीघ्र जीर्णोद्धार करने का मांग किया। जिलाधिकारी ने सभी सड़कों पर प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तृत चर्चा कर उन जर्जर सड़कों का शीघ्र जीर्णोद्धार कराने का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि मैं शीघ्र ही कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग से इन सड़कों की स्थिति का प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रधान सचिव ग्रामीण विकास विभाग को पत्र लिखकर शीघ्र सड़कों का जीर्णोद्धार करने का आग्रह करेंगे। जिलाधिकारी से मिलने के बाद पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधि की उपेक्षा के कारण क्षेत्र के कई प्रमुख सड़क जर्जर होकर खंडहर बन गया है ।यदि प्रशासन सड़कों का शीघ्र जीर्णोद्धार नहीं कराएगी तो वे पार्टी के झंडा व प्रभावित जनता के साथ सड़क निर्माण के लिए संघर्ष पर उतरेंगे । जिलाधिकारी को दिए गए ज्ञापन में जिन सड़कों की चर्चा है उसमें नरसंडा पकड़ी, शेरना से कुशी हरपुर रमणी, कोल्हुआ चौक से हरी साह चौक , बैरिया जगदंबा नगर सड़क, सदादपुर चौबे टोला से बैरिया गुमटी, भेड़िया शिव शंकर चौक से मधुकर छपरा, साईन सेतिहारी से साईन राम राय , छपरा काली मंदिर से कपरपुरा स्टेशन , बैरिया रेलवे गुमटी से चक मुरमुर, दामोदरपुर पुल से सेरुकाही, रकशा चौक से गोपालापुर बाजार , साईन नीम चौक से साईन पट्टी बंगरा पासवान टोला, रोशनपुर कांटा से पानापुर हनुमान मंदिर, पानापुर हनुमान मंदिर से बंगड़ी पेठिया , बड़कागांव मानसरोवर चौक से झिटकाही , छपरा हरि सिंह हाई स्कूल से कलवारी , एन एच 28 दलित बस्ती ढ़ेमहां मोड़ से रामपुर, रकशा चौक से गोपालापुर बाजार आदि प्रमुख है ।जिलाधिकारी से मिलने गए प्रतिनिधि मंडल में पूर्व मंत्री अजीत कुमार के अलावा दिनेश कुमार सिंह, अजय कुमार मिश्रा, रामनाथ भगत, शंकर भगत कुशवाहा, हरि किशोर बैठा, नीरज कुमार, सोनू कुमार, प्रभात कुमार, अखिलेश ठाकुर ,पवन ठाकुर , प्रभाकर चौधरी, मंकू पाठक आदि प्रमुख थे।

मौसम एवं जलवायु परिवर्तन के सम्बंधों की निगरानी आवश्यक : कुलपति

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में 17वीं द्विवार्षिक कार्यशाला ऑन एग्रोमेटोरोलॉजी का उद्घाटन , उपमहानिदेशक आईसीएआर प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पी एस पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में बोलते हुए कुलपति डॉ पांडेय ने मौसम और जलवायु परिवर्तन के बीच संबंधों की निगरानी और इसके कृषि पर प्रभाव के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों से फसल उत्पादन पर मौसम और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की जांच करने और इन प्रभावों को कम करने के लिए रणनीतियों का विकास करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा वर्चुअल रियलिटी के प्रयोग से एग्रोमेट को और मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का मौसम विभाग किसानों के लिए प्रतिदिन मौसम डाटा रिलीज करता है और हर सप्ताह किसानों के लिए सलाह जारी करता है जो काफी उपयोगी है मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एस.के. चौधरी, उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन), आईसीएआर, नई दिल्ली ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कुलपति डॉ पांडेय के नेतृत्व में कम समय में अच्छी प्रसिद्धि प्राप्त की है। विश्वविद्यालय ने ग्यारह पेटेंट प्राप्त किये हैं और डिजिटल एग्रीकल्चर के क्षेत्र में देश को नई राह दिखाई है। उन्हें उम्मीद है कि इसी तरह इस कार्यशाला के बाद देश में एग्रोमेट के क्षेत्र में भी देश को नई राह दिखायेगा। उन्होंने कहा कि तीन दिनों के विचार विमर्श के जो नतीजे निकलेंगे वो सरकार को पालिसी बनाने में मदद करेगा। , डॉ. बी.के. सिंह, निदेशक, सीआरआईडीए, हैदराबाद ने कहा कि जलवायु परिवर्तन दुनिया की बड़ी चुनौती है और इसका सबसे ज्यादा प्रभाव कृषि पर देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि देश भर के कृषि वैज्ञानिक इस तीन दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। इस विमर्श से निश्चित ही मौसम विज्ञान को लेकर नये आयम निकलेंगे। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के निदेशक डॉ ए के सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में इस कार्यशाला का आयोजन बिहार के लिए विशेष फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि बिहार में सूखा और बाढ़ एक बड़ी चुनौती है। इसके अतिरिक्त मौसम में अचानक परिवर्तन से भी किसान प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन को लेकर काफी अच्छा कार्य हो रहा है इसे और अधिक बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ मयंक राय ने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर देश भर में जागरूकता बढ़ी है। इससे भारत को किस तरह निपटना है इस पर अभी से तैयारी शुरू कर दी गई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के हैदराबाद में निदेशक डॉ बी के सिंह ने कहा कि आईसीएआर ने फसल मौसम कैलेंडर के लिए सॉफ्टवेयर विकसित किया है और आरपीसीएयू के डिजिटल कृषि को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने जिला-विशिष्ट रणनीतियों को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया जो कृषि में मौसम संबंधी जोखिमों का प्रबंधन कर सकती हैं। कार्यक्रम में निदेशक डॉ अनूप दास , तथा आईसीएआर के मौसम विज्ञान के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ एस के बल ने भी अपने विचार रखे। इस कार्यशाला में देश भर के 29 राज्यों और 38 केंद्रों से 200 से अधिक वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। तीन दिवसीय कार्यशाला में एग्रोमेटोरोलॉजी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी, जिसमें फसल मौसम संबंध, मौसम आधारित फसल बीमा और जलवायु लचीली कृषि शामिल हैं।कार्यक्रम में निदेशक शिक्षा डॉ. उमाकांत बेहरा, डीन फिशरीज डॉ पी पी श्रीवास्तव, डॉ रत्नेश झा डॉ महेश कुमार, डॉ शिवपूजन सिंह, डॉ नवनीत कुमार , डॉ कुमार राज्यवर्धन समेत विभिन्न शिक्षक वैज्ञानिक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी बिल भुगतान के लिए दो सदस्य जांच टीम गठित

प्रात: किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा) ।चार अस्पताल एवं एक एएनएम कॉलेज में बीते 4 वर्षों से प्राइवेट एजेंसी द्वारा चलाए जा रहा जनरेटर के कथित करोड़ों रुपए के फर्जी बिल भुगतान मामले की जांच करने के लिए सिविल सर्जन डॉ अरुण कुमार ने गुरुवार को दो सदस्य जांच दल गठित कर दिया है। डीएम राजीव रोशन के आदेश पर जांच दल का गठन किया गया है। बेनीपुर प्रखंड के नवादा निवासी शिकायतकर्ता विनय कुमार झा उर्फ मुन्ना ने डी.एम,सी.एस एवं एस.डी.एम को आवेदन देकर करोड़ों रुपए के जनरेटर के फर्जी बिल भुगतान लेने के मामले की जांच की मांग की । जानकार सूत्रों के मुताबिक 22 अक्टूबर को एस.डी.एम को आवेदन देकर पूरे मामले की जांच करवाने की मांग की गई। जिसमें अनुमंडल अस्पताल बेनीपुर,पीएचसी बहेड़ा,उपस्वास्थ्य केंद्र रमौली एवं महीनाम तथा ए.एन.एम कॉलेज बेनीपुर शामिल है।एसडीएम ने 30 अक्टूबर को पूरे मामले की गहन जांच करने का आदेश अनुमंडल अस्पताल बेनीपुर के प्रभारी उपाधीक्षक को दिया। 46 दिन बीतने के बावजूद मामला ठंडा बस्ते में पड़ा रहा। शिकायतकर्ता ने 28 अक्टूबर को सी.एस को आवेदन देकर भारी सरकारी राजस्व की फर्जी भुगतान के मामले की जांच करवाने की मांग की। पुनः 20 दिन के बाद सी.एस से मिलकर अब तक जांच शुरू होने के बारे में जानकारी लेने गए। सी.एस ने इस मामले की जांच करने के लिए टीम गठन करने का आदेश दिया। 21 दिनों तक कोई जांच की सुगबुगाहट नहीं देख शिकायतकर्ता ने 18 नवंबर को डी.एम को आवेदन देकर करोड़ों रुपए के फर्जी बिल भुगतान होने की जांच करवाने की मांग की। इस मामले को डीएम ने गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की गहराई से जांच करने का आदेश सी.एस को दिया। सूत्रों के मुताबिक तीन-तीन वरीये अधिकारी के आदेश मिलने के बावजूद जांच कार्य मथंर गति से चलने से लोगों में तरह-तरह की चर्चा है।

चालू वर्ष में लूट की हुई आधे दर्जन घटनाओं से लोगों में दहशत

प्रात: किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा)। थाना क्षेत्र में लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल बन गया है। आपराधिक घटनाओं में राहजनी एवं लूट की घटनाएं प्रमुख हैं। बताया जाता है कि चालू वर्ष के 6 माह के भीतर की घटनाओं में गत 18 जून को एन एच 57 पर मोटरसाइकिल की लूट की घटनाओं को अपराधियों ने अंजाम दिया था ।इस संबंध में पंडौल थाना क्षेत्र के मेघौल गांव निवासी अरुण कुमार कामती ने मनीगाछी में प्राथमिकी सं 120/24 दर्ज कराई थी। राहजनी की दूसरी घटनाओं को गत 5 जुलाई को बघांत गांव के मुर्गा फार्म के निकट अपराधियों ने अंजाम दिया था ।माइक्रोफीन प्रा लि के फील्ड ऑफिसर तसफीन अहमद से 52 हजार से अधिक की लूट कर अपराधियों ने पुलिस प्रशासन को सकते में डाल दिया था ।इस संबंध में मनीगाछी में कांड संख्या 134 दर्ज है ।भंडारिसम गांव निवासी कमलेश झा के घर में हुई डकैती की तीसरी घटनाओं में नगद एवं जेवरात की लूट हुई थी। जिसके संबंध में कांड संख्या 136/24 दर्ज कराई थी ।महज 6 माह के भीतर गत 11 नवंबर को हुई लूट की चौथी घटनाओं में बघांत गांव के मुर्गा फार्म के निकट घटी इस घटना से लोगों में दहशत देखा जा रहा है। बताया जाता है कि लूट की इन घटनाओं में दो घटनाओं का उद्भेदन पुलिस ने कर लिया है जबकि शेष घटनाओं का उद्भेदन नहीं किया जा सका है ।इस संबंध में स्थानीय मनीगाछी थानाध्यक्ष बताते हैं कि इस पर नियंत्रण के लिए सतत गश्ती गाड़ी चलायमान रहती है। उन्होंने इस घटना के शीघ्र उद्भेदन की बात बतलाते हुए कहा है कि इसके लिए चिह्नित जगहों पर पुलिस की निगरानी बढ़ाई जाएगी।

सशस्त्र सीमा बल जयनगर ने खोरीया और रामपुर गांव में लगाया नि:शुल्क मानव चिकित्सा शिविर

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी सशस्त्र सीमा बल 48वी वाहिनी जयनगर द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत वाह्य सीमा चौकी मधवापुर के कार्यक्षेत्र अंतर्गत आने वाले गाव खोरीया और रामपुर में श्री गोविंद सिंह भण्डारी कमांडेंट 48वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर के निदेर्शानुसार डॉक्टर सुनेहा सिंह चिकित्सा पदाधिकारी की मौजूदगी में निशुल्क मानव चिकित्सा शिविरो का आयोजन किया गया ।इन कार्यक्रमो में 48वी वाहिनी के चिकित्सा कर्मियों द्वारा खोरीया एवं रामपुर के आस पास के गांवो के लोगो के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यकतानुसार दवाइयो का वितरण किया एवं सीमावर्ती लोगो को स्वास्थ्य संबंधी जानकारिया दी गयी ।इस चिकित्सा शिविर में कुल 105 स्थानीय लोगो ने भाग लिया जिसमे पुरुष 34 महिलाये 47 एवं बच्चे 24 लाभान्वित हुए डाक्टर सुनेहा सिंह चिकित्सा पदाधिकारी 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर द्वारा वहा उपस्थित सभी लोगो को खान पान पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया तथा समय समय पर शारीरिक जांच करवाते रहने का भी सुझाव दिया ।सशस्त्र सीमा बल अनवरत रूप से जन सरोकार के तथा आम जनता के हित के लिए सदैव प्रयत्नशील रही है ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रोजेक्ट गौरव के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर स्थित डी.बी. कॉलेज के सभागार में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रोजेक्ट गौरव के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ नंद कुमार, वित्त पदाधिकारी डॉ संजय कुमार पासवान, मुख्य वक्ता श्री साम्राज नायर व वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ शैलेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यशाला के तहत प्रथम तकनीकी सत्र में छात्रो को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड सेबी विभिन्न बीमा योजनाओ तथा शेयर बाजार के बारे में बताया गया ।सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि वित्तीय साक्षरता में सुधार की आवश्यकता बनी हुई है क्योकि पांच में से दो महिलाओं को कराधान और निवेश को समझने में कठिनाई होती है, जबकि दो में से एक पुरुष को निवेश करना चुनौतीपूर्ण लगता है। यह वित्तीय शिक्षा को बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है ।एम. सी. एक्स. व नेशनल स्टॉक एक्सचेज की ओर से आए विषय विशेषज्ञ साम्राज नायर ने बताया कि वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वित्तीय साक्षरता का होना अहम है। वित्तीय साक्षरता जनमानस को निर्णय लेने वित्तीय योजना बनाने तथा ऋण प्रबंधन में कारगर साबित हो सकती हैं। उन्होने कहा कि भारत में केवल 27 प्रतिशत आबादी ही वित्तीय रूप से साक्षर है। इसके चलते एक बड़ी संख्या में लोगो को वित्तीय प्रबंध करने में समस्याओ का सामना करना पड़ता है ।प्रधानाचार्य डॉ नंद कुमार ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म विशेषकर यूट्यूब वित्तीय शिक्षा के लिए आवश्यक होते जा रहे हैं। वित्तीय ज्ञान के लिए 74 प्रतिशत महिलाएं यूट्यूब का सहारा ले रही है, जबकि पुरुषों के लिए यह आंकड़ा 59 प्रतिशत है ।इस दौरान मुख्य रूप से डॉ नंद कुमार, डॉ संजय कुमार पासवान, डॉ शैलेश कुमार सिंह, डॉ आनंद राज, डॉ अनंतेश्वर यादव, डॉ मधुरंजन कुमार सहित श्यामली कुमारी, प्रियंका, रूपा, नीतू, अर्चना, अनु अंशु, नेहा, पूजा, मनीषा, राखी ठाकुर, नाजिया प्रवीण, सानिया खातून, करीना, राधा, निशा कुमारी सैकड़ों छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जिले के 35 केन्द्रों पर होगी स्वच्छ व कदाचरमुक्त संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा : जिलाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी राजीव रौशन व वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी ने आज ऑडिटोरियम दरभंगा में संयुक्त परीक्षा को कदाचारमुक्त और स्वच्छ वातावरण में संपन्न करने के लिए दंडाधिकारियों एवं केंद्र अधीक्षको दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश। बिहार लोक सेवा आयोग, पटना द्वारा एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रारम्भिक) प्रतियोगिता परीक्षा 13 दिसम्बर को एकल पाली में मध्याह्न 12 बजे से अपराह्न 02 बजे तक जिला के शहरी क्षेत्र स्थित निर्धारित 35 परीक्षा केन्द्र पर आयोजित होगी जिसकी सभी सभी तैयारी पूर्ण । जिलाधिकारी दरभंगा ने स्पष्ट शब्दों में प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों को कहा कि उक्त परीक्षा को हरहाल में स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचाररहित सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे ।परीक्षा केंद्रों पर 9:30 बजे पूर्वाहन से 11 बजे पूर्वाह्न तक परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। 11बजे के बाद सभी परीक्षा केंद्रों के मुख्य प्रवेश द्वार को बंद किया जाएगा उसके बाद किसी परीक्षार्थी को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर द्वारा उक्त परीक्षा को कदाचारमुक्त, शांतिपूर्वक एवं सुचारूपूर्वक संचालन कराने हेतु सभी परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा जारी किया गया है ।उक्त परीक्षा का सफल संचालन हेतु सभी परीक्षा केन्द्रों को जोन में विभक्त करते हुए पर्याप्त संख्या में जोनल दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। उन्होंने कहा कि परीक्षा आरंभ होने के अढ़ाई घण्टा पूर्व अर्थात 09:30 बजे पूर्वाह्न से उम्मीदवारों की सघन जाँच के साथ प्रवेश द्वार पर ई-एडमिट कार्ड पर छपे क्यू.आर.,बार कोड की स्कैनिंग करते हुए फोटो एवं पहचान पत्र के साथ मिलान करते हुए परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। बैठक में नीरज कुमार दास अपर समाहर्ता, राकेश रंजन अपर समाहर्ता विधि व्यवस्था,सत्येंद्र प्रसाद उपनिदेशक जनसंपर्क, प्रशांत कुमार जिला पंचायती राज पदाधिकारी, दंडाधिकारी केंद्र अधीक्षक आदि उपस्थित थे।

दरभंगा एयरपोर्ट के लिए आज का दिन ऐतिहासिक : संजय सरावगी

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए गुरुवार को इंडिगो की दैनिक उड़ान सेवा प्रारंभ हो गई। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता, विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के सचेतक सह नगर विधायक संजय सरावगी ने दरभंगा एयरपोर्ट पर आयोजित कार्यक्रम में इंडिगो की उड़ान सेवा का शुभारंभ किया और पहले यात्री शांतनु दुबे को बोर्डिंग पास सौंपते हुए बधाई दी। श्री सरावगी ने कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट के लिए आज पुनः ऐतिहासिक दिन है। अब दरभंगा एयरपोर्ट से हर दिन नई दिल्ली के लिए इंडिगो एयरलाइंस की भी उड़ान संचालित होगी। इसके अलावा, गत 1 दिसंबर से मुंबई के लिए इंडिगो की सेवाएं सप्ताह में चार दिन उपलब्ध हैं। यह दरभंगा सहित पूरे मिथिला के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट के समग्र विकास और इसे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी जी के दूरदर्शी सोच का ही नतीजा है कि दरभंगा एयरपोर्ट लगातार कीर्तिमान स्थापित करती रही है ।मिथिलांचल के लोगों की माँग थी कि दरभंगा एयरपोर्ट से मुंबई, दिल्ली के लिए दूसरी विमानन कंपनियों की भी सेवा शुरू हो। इसके लिए हमलोग भी सभी स्तरों पर प्रयासरत थे। अब इंडिगो की सेवाएं प्रारंभ होने से एयरलाइंस कंपनियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिसका सीधा लाभ यात्रियों को मिलेगा। इससे न केवल यात्रा की लागत में कमी आएगी, बल्कि हवाई यात्रा के अनुभव में भी सुधार होगा।

मालगाड़ी बेपटरी हो जाने से एक बड़ा रेल हादसा टल गया

रेलवे स्टेशन के समीप दुद्धिजोर पुल अप लाइन का है मामला

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] झाझा रजला मुख्य रेलखंड के झाझा रेलवे स्टेशन के समीप दुद्धिजोर पुल के समीप रेलवे यार्ड में करीबन 3:30 बजे अप लाइन में एक मालगाड़ी बेपटरी हो गया जिससे बड़ा रेल हादसा टल गया। गाड़ियों के परिचालन पर पड़े असर के कारण रेलयात्रियों को भी झाझा स्टेशन पर परेशानियों का सामना करना पड़ा। इधर घटना स्थल पर पहुंचे स्थानीय पदाधिकारी ने मालगाड़ी के बेपटरी होने की जानकारी अपने वरीय पदाधिकारी को दिया। वही अप में यात्रा करने वाले रेलयात्रियों को अप में गाड़ी आगमन में बिलम्ब होते देखकर पूछताछ केंद्र में पूछताछ किया तो रेलयात्रियों को पूरी जानकारी दी गई। मालगाड़ी के बेपटरी होने से मुख्य अप रेलवे लाइन पर रेलवे परिचालन बाधित हो गया। मिली जानकारी अनुसार यार्ड से अप लाइन पर मालगाड़ी आ रही थी कि तभी मालगाड़ी का दो वैगन , एक ट्रोली का चक्का पटरी से अचानक उतर गया जिससे मालगाड़ी अनियंत्रित हो गया। वही चालक के द्वारा स्टेशन प्रबंधक को इसकी सूचना दी गई जिसके बाद स्टेशन प्रबंधक रविकांत माथुरी, टीआई रवि गुप्ता सहित अन्य रेलवे विभाग के स्थानीय पदाधिकारी मौके स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच की। अप में मालगाड़ी का चक्का उतर जाने के बाद अप रेलवे लाइन में परिचालन बाधित हो गया जिसके कारण अप में आने वाली वंदेभारत सुपर फास्ट ट्रेन को नारगंजो, टाटानगर से आरा तक जाने वाले गाड़ी सुपर एक्सप्रेस को घोरपारन, एनार्कुलम एक्सप्रेस को जसीडीह रेलवे स्टेशन पर रोक दिया। समाचार भेजने तक मालगाड़ी को उठाने के लिए स्थानीय रेलवे अधिकारी, रेलकर्मी का प्रयास में था।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, शुक्रवार, 13 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त खबरें

आईसीटी स्कूलों में जाकर छात्र छात्राओं का बनाए अपार आईडी

गिद्धौर। विद्यालयों में नामांकित सभी बच्चों का अपार आईडी अविलंब जेनरेट करने हेतु राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में जमुई जिला में कार्य की प्रगति धीमी है,जो अत्यंत खेदजनक है। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने आदेश दिया है कि सभी विद्यालय अपने नजदीकी आईसीटी स्कूल से समन्वय स्थापित कर नामांकित बच्चों का अपार आईडी अविलंब बनाना सुनिश्चित करें। सभी विद्यालय प्रधान को आदेश दिया जाता है कि उपरोक्त निर्देशों का अनुपालन करते हुए अपने नजदीकी आईसीटी स्कूल में प्रतिदिन जाकर एक सप्ताह के अंदर सभी नामांकित बच्चों का अपार बनाना सुनिश्चित करें। सभी आईसीटी विद्यालयों के विद्यालय प्रधान को निर्देश दिया जाता है कि अपने यहां आने वाले नजदीकी विद्यालयों का उपस्थिति दर्ज करेंगे। साथ ही विद्यालय निरीक्षी पदाधिकारी/कर्मी को आदेश दिया जाता है कि उक्त कार्य का सतत अनुश्रवण करते हुए अपने अधीनस्थ विद्यालयों के बच्चों का ससमय शत प्रतिशत अपार आईडी बनवाना सुनिश्चित करें और प्रतिदिन का रिपोर्ट अपने प्रखंड के बीईओ/बीपीएम को देंगे।

आज 25 परीक्षा केंद्रों पर होगी बीएससी की प्रारंभिक परीक्षा, तैयारी पूरी

डीएम ने सभी दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारी एवं केंद्राधीक्षकों के साथ की बैठक

प्रात: किरण, संवाददाता

मुंगेर। बिहार लोक सेवा आयोग, पटना द्वारा आगामी 13 दिसंबर को आयोजित एकीकृत 70 वीं संयुक्त प्रारम्भिक प्रतियोगिता परीक्षा को कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को संग्रहालय सभागार में जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में ब्रिफिंग बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में परीक्षा के कदाचार मुक्त वातावरण में सफल संचालन के बिंदुओं पर उपस्थित सभी दण्डाधिकारियों, पदाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, अपर समाहर्ता मनोज कुमार, पुलिस उपाधीक्षक पंकज कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी असगर अली, सदर अनुमंडल पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला अल्प संख्यक कल्याण पदाधिकारी राघवेंद्र कुमार दीपक, कोषागार पदाधिकारी सहित सभी दण्डाधिकारी, केंद्राधीक्षक आदि उपस्थित थे।जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों, दण्डाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि यह अत्यंत ही संवेदनशील परीक्षा है, जिसे कदाचार मुक्त माहौल शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना जिला प्रशासन के साथ साथ आप सबों की भी जिम्मेवारी है। किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही आप लोगों के लिए समस्या उत्पन्न कर सकती है। इस लिए अत्यंत ही सजग होकर परीक्षा को संपन्न कराएं, जरा सी चूक होने पर सुसंगत धाराओं के तहत कार्यवाही की जाएगी। 9.30 बजे से अभ्यर्थियों का प्रवेश किया जाना है जो हर हाल में 11 बजे तक पूर्ण कर लें। 11 बजे के बाद किसी भी परिस्थिति में अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने सभी केंद्राधीक्षकों से आयोग द्वारा लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरों एवं जैमरों के अधिष्ठापन से संबंधित जानकारी गुरूवार संध्या तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा स्वयं ही सभी 25 परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी एवं जैमरों के अधिष्ठापन का निर्देश प्राप्त है, जिसे परीक्षा के एक दिन पूर्व संपन्न करना है। परीक्षा तिथि के दिन सभी पदाधिकारी, दण्डाधिकारी एवं पुलिस कर्मी निर्धारित समय से एक घंटे पूर्व अपने अपने केंद्रों पर उपस्थित रहेंगे तथा किसी भी अभ्यर्थी को बिना फ्रिस्किंग के परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं देंगे। इसके अलावे परीक्षा भवन में भी सभी अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग अनिवार्य रूप से कराने का निर्देश दिया। परीक्षा केंद्र के बाहर तथा सभी परीक्षा भवनों में कैमरे के अधिष्ठापन के साथ ही लगातार उसकी मॉनिटरिंग होती रहे, इस पर भी विशेष ध्यान रखें। साथ ही प्रश्न पत्र को परीक्षा भवन में सभी अभ्यर्थियों की उपस्थिति में ही खोलने की बात कही। साथ ही परीक्षा केंद्र पर तैनात सभी वेंडरों को बिना पहचान पत्र के प्रवेश नहीं दिया जाना है। संदिग्ध चेहरों अथवा व्यक्तियों पर विशेष ध्यान रखेने का भी निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी परीक्षा भवन में दो दो वीक्षकों की ड्यूटि रहेगी जो लगातार निरीक्षण करते रहेंगे। साथ ही केंद्र के बाहर के 100 मीटर के दायरे में भी निरीक्षण करें तथा यदि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो उसे तुरत हिरासत में लेकर पूछताछ करें अथवा उसकी सूचना संबंधित दण्डाधिकारी अथवा पुलिस पदाधिकारी को दें। किसी भी केंद्र पर कदाचार अथवा इलेक्ट्रॉनिकट डिवाइस प्राप्त होने की सूचना मिलती है, तो संबंधित केंद्राधीक्षक के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। कहते हैं पुलिस अधीक्षक :- पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की भी तैनाती की गयी है। फ्रिस्किंग के लिए केंद्र पर प्रतिनियुक्त सभी कर्मी इस कार्य को तीव्रता तथा प्रोपर्ली तरीके से करेंगे, ताकि किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही न हो।अभ्यर्थियों के बाल, कान एवं नाक की विशेष जांच करनी है, क्योंकि चालाकी करने वाले ब्लूटूथ अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इन्हीं जगहों पर रख सकते हैं। इसके अलावे भी अन्य जांच अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया। ट्रैफिक डीएसपी को यातायात पर नियंत्रण रखने का निर्देश देते हुए कहा गया कि, इस पर विशेष ध्यान देंगे, ताकि जाम की स्थिति उत्पन्न हो और किसी भी परीक्षार्थी को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो।

संस्था के सदस्यों ने जनप्रतिनिधियों के साथ पर्यावरण सुरक्षा को लेकर कि बैठक

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] पर्यावरण सुरक्षा को लेकर गुरुवार को ममता हेल्थ इंस्टिट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड एवं जागृति के संयुक्त तत्वावधान में बोड़वा उप स्वास्थ्य केंद्र में पंचायत के जनप्रतिनिधियों के साथ एकदिवसीय बैठक किया। बैठक में बोड़वा, करहरा, कानन, बैजला के मुखिया, वार्ड सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। एचआईएमसी संस्था के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रणव कुमार के द्वारा पर्यावरण के रक्षा को लेकर कई बिंदुओ पर चर्चा किया। क्षेत्रीय प्रबंधक ने जनप्रतिनिधियों को बताया कि किस तरह घरेलू वायु प्रदूषण, प्लास्टिक का उपयोग पर बैन, कचरा का सही निष्काषन कैसे किया जाए इन सभी बिंदुओ पर विस्तार पूर्वक जानकारी दिया। क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि घरेलू धुआं से घर के लोग बीमार पड़ते हैं , प्लास्टिक से पर्यावरण काफी दूषित हो रहा, घर के सामने कचरा रखने से मानव जीवन पर गहरा असर पड़ता है। इसलिए जनप्रतिनिधियों को अपने अपने क्षेत्र में घरेलू धुआं, प्लास्टिक, कचरा से किस तरह बीमारी फैलती है और लोगों का स्वास्थ्य पर कितना बुरा प्रभाव पड़ता है इससे लोगों को जागरूक कर उन्हें पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए प्रेरित करे जिससे शुद्ध पर्यावरण बन सके। मौके पर संस्था के जिला समन्वयक अमन कुमार, मैराज खान, करण कुमार, राजेश सुखदेव सहित कई लोग मौजूद थे।

5 साल बाद भी मुख्यमंत्री क्षेत्रीय विकास योजना के कार्य अधर में

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। 6 करोड़ 12 लाख की योजना विगत 5 वर्षों से शहरी क्षेत्रीय आधार भूत संरचना निगम बोर्ड के द्वारा आधार में लटका हुआ है प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत 2017 में मुख्यमंत्री क्षेत्रीय विकास योजना से 6 करोड़ 12 लाख की लागत से राजा रानी तालाब का जन्म उधर कार्य आरंभ किया गया था जिसे शहरी क्षेत्रीय आधारभूत संरचना निगम बोर्ड को की देखरेख में तालाब का जन्म उधर कार्य राय कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा कराया गया था संवेदक द्वारा जिन उधर के तहत तालाब के चारों ओर बाउंड्री वॉल जॉगिंग ट्रक वॉकिंग के लिए तीन साइड पाथवे तीन साइड लाइटिंग जगह-जगह बैठने के लिए बेंच से बना दिया गया था परंतु तालाब में पानी का प्रबंध नहीं हो पाने के कारण लंबे समय से यह तालाब हैंड ओवर नहीं किया जा सका बताया जाता है कि यह आनन-फानन में मुख्यमंत्री के मुंगेर कार्यक्रम के तहत उद्घाटन करने के उद्देश्य से मुंगेर के जिला अधिकारी अवनीश कुमार ने कार्यपालक अभियंता कामेश्वर प्रसाद को में राजा रानी तालाब को नगर निगम मुंगेर को सुपर करने का आदेश दिया नगर निगम आयुक्त ने निगम के कार्यपालक अभियंता विनोद कुमार सहायक अभियंता मोहम्मद बदरू जमा और शशि प्रभा ने मंगलवार को राजा रानी तालाब की स्थिति का जांच पड़ताल किया इस दरमियान अभियान अभियंताओं की टीम ने राजा रानी तालाब को जलकुंभी से भरा हुआ पाया तथा तालाब के तीनों ओर बने पाथवे के किनारे गंदगी पसरा हुआ पाया जबकि तालाब का पानी जलकुंभी युक्त बिल्कुल गंदा पाया गया बता दें की तालाब में पानी का प्रबंध करना था जो पानी का प्रबंध नहीं किया गया है यह तालाब वर्षों से जन्म शरण अवस्था में पड़ा हुआ है नगर आयुक्त कुमार अभिषेक मुंगेर ने बताया कि बुद्ध को द्वारा राजा रानी तालाब को हैंड ओवर लेने के लिए पत्र भेजा गया है तालाब के जलकुंभी और चारों तरफ पसरी गंदगी का साफ सफाई करने के पश्चात ही बोर्ड को से है हैंडओवर लिया जाएगा तालाब की साफ सफाई के लिए मंगलवार को डीएम ने बुडको के अधिकारियों को निर्देशित किया है बताया जाता है कि मुख्यमंत्री के मुंगेर आगमन की संभावना को देखते हुए उनके हाथों जीना उधर हुए राजा रानी तालाब का उद्घाटन करने के उद्देश्य से आनंद आनंद में दम अवनीश कुमार ने 10 दिन के अंदर राजा रानी तालाब को तैयार करने का आदेश सोमवार को अधिकारियों को दे दिया डीएम ने यह भी घोषणा कर दी कि नए साल में जिले वासियों के लिए राजा रानी तालाब खोल दिया जाएगा जो जिले वासियों को तोहफा के रूप में मिलेगा लेकिन हकीकत यह है कि राजा रानी तालाब में हमेशा अपनी बरकरार रहे इसके लिए अब तक कोई प्रबंध नहीं किया गया है जबकि प्राक्कलन के अनुसार तालाब में वाटर सोलर पंप लगाने की योजना की ताकि तालाब में पानी हमेशा बरकरार रहे जो कि नहीं किया गया है।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों के विरोध में स्कूली बच्चों का अनोखा प्रदर्शन

प्रात: किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार हो रहे हमलों ने पूरे विश्व का ध्यान खींचा है। इस मुद्दे को लेकर समाज हके हर वर्ग में आक्रोश है और इसी क्रम में नगर पंचायत संग्रामपुर स्थित नर्वदा टिबरेवाल सरस्वती शिशु मंदिर के स्कूली बच्चों ने मंगलवार को एक अद्भुत पहल करते हुए सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इन बच्चों ने अपने मासूम हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां थाम रखी थीं और एक-दूसरे का हाथ पकड़कर मानव श्रृंखला बनाई। स्कूली बच्चों ने अपने छोटे-छोटे प्रयासों से एक बड़ा संदेश देने की कोशिश की। इस श्रृंखला में बच्चे ह्लहिंदुओं पर हो रहे हमले बंद करो,ह्व ह्लहम एक हैं,ह्व और ह्लशांति और सद्भावना का समर्थन करेंह्व जैसे संदेशों वाली तख्तियां लेकर खड़े थे। पिछले कुछ महीनों से बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले, मंदिरों की तोड़फोड़, और उनकी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं बढ़ती जा रही है। स्कूली बच्चों का यह प्रयास केवल विरोध प्रदर्शन तक सीमित नहीं था। उन्होंने इस मुद्दे के प्रति जागरूकता फैलाने का भी काम किया। बच्चों ने बताया कि उनका यह प्रदर्शन सिर्फ हिंदुओं के लिए नहीं, बल्कि सभी अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए है। उन्होंने सभी से अपील की कि जाति, धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर मानवता के लिए काम करें।इस प्रदर्शन के आयोजन में स्कूल के शिक्षकों और अभिभावकों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बच्चों को इसके लिए प्रेरित किया और उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा। वहीं विद्यालय के प्राचार्य मनमोहन ठाकुर ने कहा कि बच्चों के इस प्रदर्शन ने स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित किया। बड़ी संख्या में लोग इस प्रदर्शन को देखने और समर्थन देने के लिए आए। यह विरोध प्रदर्शन एक उदाहरण है कि किस तरह से छोटे बच्चे भी बड़े मुद्दों को उठाकर समाज में बदलाव ला सकते हैं।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना 24-25 में चयनित व प्रशिक्षित लाभुकों के बीच चेक एवं प्रशस्ति पत्र का जिला पदाधिकारी ने किया वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर । उद्योग विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री उद्यमी योजना 2024-25 अंतर्गत चयनित एवं प्रशिक्षण प्राप्त लाभुकों के बीच गुरुवार को समाहरणालय संवाद कक्ष में जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह द्वारा चेक एवं प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर उद्योग विभाग की महाप्रबंधक मधुमिता रानी सहित लाभुक उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने कहा कि उद्योग विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री उद्यमी योजना 2024-25 अंतर्गत चयनित एवं प्रशिक्षण प्राप्त कुल 79 लाभुकों में से 40 लाभुकों को आज दो-दो लाख रुपए की प्रथम किस्त की राशि की स्वीकृति प्रदान किया गया है, जिसमें से 05 लाभुकों को दो-दो लाख का सांकेतिक चेक दिया गया। वहीं बिहार लघु उद्यमी योजना 2023-24 अंतर्गत मुंगेर जिला के लिए चयनित कुल 636 लाभुकों में से 610 को प्रथम किस्त दिया जा चुका है। प्रशिक्षणों उपरांत 05 लाभुकों को आज द्वितीय किस्त के रूप में एक-एक लाख रूपए की राशि का सांकेतिक चेक प्रदान किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री उद्यमी योजना अंतर्गत ऐसे पुराने उद्यमी जो सफलतापूर्वक उद्योग स्थापित कर उसका संचालन कर रहे है, ऐसे 05 लाभुकों को प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किया गया। उन्होंने उपस्थित सभी लाभुकों से कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित इस योजना के लाभ से जहां लोग अपना व्यवसाय कर न सिर्फ खुद को आर्थिक रूप से सबल बना रहे हैं बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। उन्होंने पूर्व से इस योजना के माध्यम से अपने व्यवसाय को संचालित करने वाले लाभुकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप अपने क्षेत्र में एक आइकन के रूप में देखे जा रहे हैं, इस लिए आप स्वयं भी अन्य लोगों को इन योजनाओं की जानकारी दें, ताकि उन्हें भी लाभान्वित होने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि जिन लाभुकों को आज द्वितीय किस्त की राशि मिली है वे उसे अपने व्यवसाय में लगा कर उसे और भी वृहत करें ताकि आपको उसका लाभ दिखे और आप और उन्नति करें। उन्होंने राशि प्राप्त करने वाले सभी लाभुकों को शुभकामनाएं भी दीं।

गौशाला के कमेटी पदाधिकारी का श्री कृष्ण गौशाला में हुआ आगमन

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] झाझा पुरानी बाजार स्थित श्री कृष्ण गौशाला में श्री गौशाला शेखपुरा के कमेटी के पदाधिकारी का आगमन हुआ। मुख्य संरक्षक, उपाध्यक्ष ने कहा कि सवा साल में गौशाला काफी उन्नति किया है और लोगों का सहयोग मिलते रहा तो यह गौशाला आगे और भी विकास करेगा। उन्होंने व्यवसायियों से अपील किया कि अपने अपने दुकान पर एक दान पेटी अवश्य रखे और स्वयं भी रोज उसमें दान करे और ग्राहकों से भी दान ले ताकि उन जमा रुपए से गाय के चारा सहित अन्य संसाधन की व्यवस्था हो सके। जिसमें श्री गौशाला के मुख्य संरक्षक अनिल कुमार, उपाध्यक्ष सचिन कुमार गुड्डू का श्री कृष्ण गौशाला कमेटी के सदस्यों ने स्वागत अंगवस्त्र देकर किया। मुख्य संरक्षक, उपाध्यक्ष ने श्री कृष्ण गौशाला में गाय के रहने, खान पान सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी सचिव दयाशंकर बरनवाल एवं अन्य सदस्यों से लिया और गौशाला के व्यवस्था को देखकर काफी संतुष्ट हुए। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील किया कि लोग गौशाला को आगे बढाने में अपना अपना सहयोग प्रदान करे। मौके पर श्री कृष्ण गौशाला के सदस्य टिल्लू बंका, प्रशांत सुल्तानिया, सुभाष बरनवाल, अनुप केशरी सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में मौत के बाद जाम को लेकर 12 नामजद व 10 अज्ञात पर मामला दर्ज

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई। नवादा मुख्य सड़क मार्ग पर चंद्रदीप थाना क्षेत्र के चंद्रदीप तेलार शिव मंदिर के समीप मंगलवार शाम लगभग छह बजे सड़क दुर्घटना में राजो मिस्त्री के 12 वर्षीय पुत्र रवि कुमार की मौत हो गई। चंद्रदीप थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष संजय कुमार,एस आई जावेद खान, ममता प्रकाश,रितेश कुमार द्वारा समझाने के बाबजूद कुछ शरारती लोगों की सह पर आक्रोशित लोगों ने लाश को बीच सड़क पर रखकर घण्टों जाम कर दिया।सड़क के बीचोबीच टायर जलाकर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे सड़क के दोनों किनारे वाहनों की लंबी कतारे लग गई। शादी विवाह लग्न अत्यधिक रहने के कारण कई बारात तथा दूल्हा की गाड़ी जाम में फंसा रहा।, मौके पर पहुचे अंचलधिकारी रंजन दिवाकर, कर्मचारी प्रमोद सिन्हा, मुखिया देवनन्दन यादव द्वारा लाख समझाने के बाबजूद कुछ शरारती तत्व जाम हटाने को तैयार नहीं हुआ। हालांकि मृतक के परिजन यहां पर कोई नहीं रहता है। सभी प्रदेश में काम करते है। इसी घटना को लेकर पुलिस पदाधिकारी संध्या गशती द्वारा दिये गए आवेदन के आलोक में चंद्रदीप थाना कांड संख्या 236/24 के आलोक में बारह नामजद, 1- संतोष कुमार पे0- नागेश्वर मिस्त्री, 2-दिलीप कुमार ,पे0 चंदन मिस्त्री,3- मिथुन चौधरीं पे0- नारो चौधरीं, 4- सूरज कुमार,पे0 -नागों मिस्त्री,5- नीतीश चौधरीं पे0- राजाराम चौधरीं,6- मुकेश ठाकुर पे0 चंद्रिका ठाकुर,7- रविंठाकुर पे0-दिलाप ठाकुर,8- अखिलेश यादव 9- अनिल चौधरीं पे0रामेश्वर चौधरीं,10-दीपक कुमार पे0 संजय चौधरीं,11-शुभम कुमार पे0 विजेंदर साह 12-सनोज कुमार पे0-प्रमोद साव, इन लोगों द्वारा जाम के दौरान बड़े पैमाने पर शरारत की गई थी। उक्त आरोपी का कहना था कि जब तक एसपी घटनास्थल पर नहीं आएगा लाश नहीं उठेगा। हालांकि इस दौरान मार्ग से गुजरने वाले यात्री भी आक्रोशित हो गए थे। इन लोगों का कहना था कि पूर्व में भी सड़क दुर्घटना में मौत हुई आश्वाशन के बाद अभी तक कुछ नहीं मिला है।,इसलिए प्रशासन तथा पुलिस के बातों पर कोई भरोसा नहीं है। इस सम्बन्ध में प्रभारी चंद्रदीप थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बाइक ने टेम्पू में मारी टक्कर, बुजुर्ग हुआ घायल

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] एक टेम्पू में एक बाइक के द्वारा टक्कर मारने से टेम्पू पर बैठा एक बुजुर्ग घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए परिजनों के द्वारा रेफरल अस्पताल लाया गया। घायल की पहचान कोड़ाडीह गांव के रहने वाले 64 वर्षीय सफरुल मियां के रूप में हुई है। इलाज के बाद घायल ने बताया कि मै एक जगह अंतिम संस्कार के लिए अलकपुरा जा रहा था ज्योही केंदुआलेवाड गांव के मोड़ के समीप पुलिया के पास पहुंचा वैसे ही सामने से एक बाइक चालक आकर टेम्पू में टक्कर मार दिया जिससे मैं टेम्पू से गिरकर घायल हो गया। घायल ने बताया कि टेम्पू में टक्कर मारने वाला निजी बैंक के फाइनेंस कर्मी था । टेम्पू में टक्कर मारने के बाद वह मौके स्थल से बाइक लेकर फरार हो गया।

ग्रामीणों ने जताया विरोध, सड़क ढ़लाई में घटिया मेटेरियल के प्रयोग करने का लगाया आरोप

प्रात: किरण संवाददाता

गिद्धौर। विशेष केंद्रीय सहायता मध्य से हो रहे गिद्धौर के महुली मोड़ से सहरसा गांव जाने वाली सड़क निर्माण में सड़क लगभग 15 लाख रूपय कि लागत से बनवाए जा रहे महुली मोड़ से सरसा गांव जाने वाली सड़क में बरती जा रही है अनियमितता पर स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माण कार्य पर सवाल उठाया है। और चल रहे निर्माण कार्य स्थल पर विभाग व संवेदक के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जमुई डीएम से सड़क निर्माण कार्य में प्रयोग किए जा रहे बालू और सीमेंट के जांच कि मांग की है।ग्रामीण मिट्टी से सने बालू डाल कर किए जा रहे जैसे तैसे ढ़लाई कार्य से नाराज है। व निर्माण कार्य के गुणवत्ता पर भी उठा रहे है। बताया जाता है कि स्थानीय क्षेत्र अभियंता संगठन कार्य प्रमंडल जमुई द्वारा विशेष केंद्रीय सहायता मध्य से हो रहे सड़क निर्माण उक्त पीसीसी सड़क का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है।जो विभागीय जेई और संवेदक के आपसी सांठ गांठ से घटिया मेटेरियल लगा सड़क का ढलाई कार्य करा सरकारी राशि के बंदर बांट में लगे हुए है।आलम यह है कि गुणवत्ता विहीन कार्य के धड़ल्ले से जारी रहने के कारण उक्त महत्वपूर्ण निमार्णाधीन सड़क पर भ्रष्टाचार कि चादर बिछाई जा रही है।जिसके कुछ ही महीनों में टूट जाने का खतरा स्थानीय ग्रामीणों को सता रही है।जबकि गुणवत्ता विहीन कार्य किए जाने कि सूचना ग्रामीणों द्वारा लगातार विभागीय जेई को दी जा रही है।बावजूद इसके निर्माण कार्य में किसी प्रकार का सुधार संवेदक द्वारा नहीं किया जा रहा है।जिसकी वजह से स्थानीय ग्रामीणों में विभाग व संवेदक के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है।स्थानीय ग्रामीण ओंकार यादव,योगोश यादव, रमेश कुमार, अनिल यादव, महादेव यादव, शिवराज यादव, राजू भगत, शिव शंकर भगत सहित दर्जनों ग्रामीणों ने कहा कि विशेष केंद्रीय सहायता मध्य से हो रहे सड़क के देख रेख में इस सड़क का निर्माण कार्य विभागीय नियमों को ताक पर रख विभाग के चहेते संवेदक द्वारा जैसे तैसे किया जा रहा है।ढालई कार्य में मिट्टी सना बालू व निम्न स्तर के सीमेंट का प्रयोग किए जाने से यह महत्वपूर्ण मुख्य सड़क का निर्माण कार्य भ्रष्टाचार कि भेंट चढ़ चुका है। सड़क के निर्माण कार्य के शुरूआत से ही संवेदक द्वारा ढलाई कार्य में अनियमितता बरती जा रही है।जबकि हम ग्रामीणों द्वारा ढलाई कार्य में बरती जा रही अनियमितता की शिकायत दूरभाष पर जमुई डीएम से भी की गई थी।बावजूद इसके निर्माण कार्य में घटिया मेटेरियल का प्रयोग धड़ल्ले से जारी है।

वर्ग 1 से 8 के छात्रों के लिए हर रोज चलेगा एक घंटा रीडिंग क्लास

● विकसित होंगे छात्रों के रीडिंग व मैथमेटिकल स्किल

प्रात: किरण संवाददाता

गिद्धौर। जमुई जिले के 1702 स्कूलों में वर्ग 1 से 8 तक के छात्रों की रीडिंग स्किल और मैथमेटिकल स्किल को विकसित किया जाएगा। बता दे कि अकादमिक सत्र 2024- 25 की शेष अवधि में कक्षा एक से आठ तक के छात्रों में रीडिंग स्किल और मैथमेटिकल स्किल को विकसित किए जाने के उद्देश्य से सभी विद्यालयों के प्रतिदिन छात्रों के लिए एक घंटा रीडिंग क्लास चलाई जाएगी। इसके अलावा सभी विद्यालय में प्रतिदिन कक्षा 1 से 8 तक के छात्र के लिए बेसिक मैथ और मैथ के प्रश्नों को त्वरित गति से हल करना सिखाया जाएगा। इस बारे में जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि विभागीय निर्देश के आलोक में सभी विद्यालयों में वर्ग 1 से 8 तक के छात्रों के लिए रीडिंग क्लास अनिवार्य रूप से आयोजित की जाएगी। जिससे प्रत्येक छात्र पाठ्य पुस्तक पढ़ना सीख सकेंगे। इस बारे में सभी प्रधानाध्यापक और शिक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। क्लास के लिए वर्ग शिक्षक जिम्मेदार होंगे। जो क्रमानुसार कक्षा के प्रत्येक बच्चा से पाठ पढ़ाएंगे।इसके अलावा गणित की बेसिक प्रश्न हल करवाएंगे। छात्रों के रीडिंग स्किल और मैथमेटिकल स्किल की प्रगति का साप्ताहिक मूल्यांकन प्रत्येक सोमवार को संबंधित शिक्षक द्वारा किया जाएगा। वर्ग शिक्षक छात्रों को रविवार के लिए होमवर्क देंगे ताकि वह सोमवार के टेस्ट हेतु तैयारी कर सके। प्रत्येक सोमवार को टेस्ट होगा सभी विद्यालयों में प्रत्येक सोमवार को प्रथम घंटी रीडिंग टेस्ट और दूसरे घंटे में मैथमेटिकल टेस्ट होगा। इस बारे में निर्देश दिया गया है कि वर्तमान अकादमिक सत्र के से सौ दिनों की अवधि में अभियान के तौर पर सभी विद्यालय में तत्काल प्रभाव से इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। प्रतिदिन विद्यालयों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि विद्यालयों में इसका पालन किया जा रहा है। बता दें कि सर्वेक्षण के दौरान यह पाया गया है कि वर्ग 3,5 और 8 के छात्र धारा प्रवाह पढ़ने जोड़,घटाव,गुणा एवं भाग के प्रश्न सही तरीके से हल करने में पूरी तरह से समक्ष नहीं है। वर्ग शिक्षक को जिम्मेदारी वर्ग 1 से 8 के छात्रों में रीडिंग स्किल और मैथमेटिकल स्किल को विकसित करने के लिए विशेष कक्षाएं संचालित होगी। इस बारे में स्कूल के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। वर्ग शिक्षक छात्रों के लिए प्रतिदिन रीडिंग क्लास आयोजित करेंगे।

तेजी से नीचे खींसक रहा पानी का जलस्तर

प्रात: किरण संवाददाता

तारापुर(मुंगेर)। अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में दिसंबर महीने के शुरूआती दौर से ही हर रोज पानी का जलस्तर काफी तेजी से नीचे खिसकता जा रहा है । गौरतलब है कि 2 महीने बाद से ही हरपुर ,शाहपुर, बेलबिहमा , कल्याणपुर , अफजल नगर , सिसुआ, गनैली, बेलाडीह खानपुर इत्यादि गांवों मे लोगों को पीने का पानी को लेकर मशक्कत करना पड़ेगा । बताया जा रहा है कि नवंबर महीने के अंत तक क्षेत्र में 30 फीट पर जलस्तर था, जहां दिसंबर महीने के शुरूआती दिनों में ही पानी का जलस्तर लगभग 40 फीट नीचे आने की बातें ग्रामीणों द्वारा बताई जा रही है । तारापुर क्षेत्र में करीब दर्जन भर सरकारी जीपीटी चापानल मामूली गड़बड़ी के कारण पिछले कई महीनों से खराब पड़ा है। आए हर रोज क्षेत्र में नीचे जा रहे जलस्तर को लेकर लोग चिंतित हैं । इन दिनों लगभग सभी ग्रामीण इलाकों में नल जल का पानी ही एकमात्र सहारा लोगों के पास बचा है। जिले की प्रमुख नदियां मुहाने , सकरी, गिद्धा , में अभी से ही पानी पूरी तरह से सूखने लग गया हैं। इतना ही नहीं बंदुआ जलाशय को छोड़कर छोटा छोटा पानी का खजाना जैसे लाकड़ा जोर , झगड़हवा , विविया बांध ,जलाशय एवं चानकेन ,डैम इत्यादि भी दिसंबर महीने में ही सूखने लग गया है। ग्रामीण कर्मवीर भारती हरपुर, समीर मधुकर सामाजिक कार्यकर्ता लौना ,नीतीश कुमार निराला अफजल नगर , छोटू पासवान हसनपुर , इत्यादि ने बताया कि यहां नलजल का पानी ही लोगों के बीच पीने से लेकर विभिन्न कामों के लिए एकमात्र साधन बचा है । ग्रामीणों ने समय रहते पीएचडी एसडीओ तारापुर से क्षेत्र में खराब पड़े जीपीटी चापानल को ठीक कराने की मांग किया है ।

मुंगेर जिले में 55 लाख मानव दिवस लक्ष्य पूर्ति नहीं

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। बिहार सरकार में खेल को बढ़ावा देने के लिए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। इसके लिए सबसे पहले ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदान का होना आवश्यक है इसको ध्यान में रखते हुए मनरेगा से अब तक कई खेल मैदान का जीवन उद्धार किया गया है जानकार सूत्रों के अनुसार जिले में के 96 पंचायत में अब तक 64 ऐसी पंचायत हैं जहां खेल मैदान की स्वीकृति प्रशासनिक स्वीकृति तकनीकी स्वीकृति सहित पूर्ण होते हुए रेडी मोड में आ गया है जबकि शेष 32 पंचायत के लिए वहां के संबंधित मुखिया पंचायत समिति सदस्यों तथा रोजगार सेवकों से खेल मैदान के लिए पहल करने का निर्देश दिया गया है वहीं यह खेल मैदान मनरेगा योजना के तहत बनाया जाएगा बैठक के बाद मनरेगा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी साहब सिंह यादव ने बताया कि जिले को 55 लाख मानव दिवस सृजित करने का लक्ष्य दिया गया था जिसमें अब तक 37 लाख मानव दिवस सृजित किया गया है शेष बचे लक्ष्य को भी जल्द ही पूरा कर दी लिया जाएगा उन्होंने कहा कि जो योजना पूर्व में खोली गई है उसे बंद भी करने की प्रक्रिया चल रही है साथ ही अधूरी योजनाओं को पूर्ण करने का कार्य करते हुए उसे बंद करने का भी निर्देश दिया गया है मौके पर डीसी अजीत कुमार सिंह ने कहा कि कम से कम आधा एकड़ का भी मैदान होना चाहिए जहां बास्केटबॉल बैडमिंटन रनिंग ट्रक वाली वॉल खेल का आयोजन हो सके जबकि डेढ़ एकड़ से ऊपर रहेगा तो उसमें कई प्रकार के खेल का आयोजन किया जाएगा डीसी ने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवस सृजित नहीं किए जाने से जाने से लोगों और खिलाड़ियों को काफी परेशानी हो रही है गत बुधवार को जिला परिषद सभागार में डीसी अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों पंचायत समितियां सदस्यों मुखिया एवं रोजगार सेवकों की बैठक बुलाई गई।

कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं कर पा रहे हैं राहुल

इस साल की शुरूआत में विपक्षी गठबंधन इंडियाइ की एक बैठक में जब अध्यक्ष पद के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम आगे आया तो उनको राहुल गांधी ने यह कह कर रोका था कि इसके लिए तो ममता बनर्जी से बात करनी होगी। विडम्बना देखिए कि थोड़े समय के बाद नीतीश कुमार और ममता बनर्जी दोनों इंडियाइ ब्लॉक से बाहर हो गए और अब ममता बनर्जी ही अध्यक्ष पद की दावेदार हो गई हैं ! समय का चक्र इतनी तेजी से घूमा है कि कांग्रेस के नेता समझ नहीं पा रहे हैं कि वे इस स्थिति का सामना कैसे करें। महज छह महीने पहले चार जून को जब लोकसभा के नतीजे आए तो कांग्रेस और राहुल गांधी की जय जयकार हो रही थी। परंतु उसके बाद चार राज्यों के विधानसभा चुनाव ने सारी तस्वीर बदल दी। जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र की हार ने कांग्रेस को बैकफुट पर ला दिया। भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी के विपक्ष का सर्वमान्य नेता होने की जो धारणा बनी थी वह सवालों के घेरे में आ गई है। एक के बाद एक विपक्षी पार्टियां राहुल के नेतृत्व पर सवाल उठा रही हैं।इसमें सबसे दिलचस्प टिप्पणी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव की थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन इंडियाइ के नेता नहीं हैं। इंडियाइ के नेता मल्लिकार्जुन खडगे हैं। पर सवाल है कि खडगे कब नेता चुने गए? इस साल लोकसभा चुनाव से पहले 13 जनवरी को विपक्षी गठबंधन इंडियाइ की जो आखिरी बैठक हुई थी वह वर्चुअल थी और उसमें खडगे को अध्यक्ष बनाने पर सहमति बनी थी। लेकिन उसके बाद कभी इस बात की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई कि खडगे विपक्षी गठबंधन के अध्यक्ष हैं। 13 जनवरी की बैठक में सिर्फ नौ पार्टियों के नेता शामिल हुए थे। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को खुद खडगे ने न्योता दिया था लेकिन वे उस बैठक में शामिल नहीं हुए थे। सो, जाहिर है कि खडगे अनौपचारिक रूप से भले इंडियाइ ब्लॉक का नेतृत्व करते हों लेकिन उनको नेता कभी नहीं घोषित किया गया।फिर सवाल है कि रामगोपाल यादव ने क्यों कहा कि राहुल नेता नहीं हैं और खडगे नेता हैं? इसलिए कहा क्योंकि चाहे समाजवादी पार्टी हो या तृणमूल कांग्रेस हो, उनको राहुल गांधी से समस्या है। यह समस्या रामगोपाल यादव की आगे कही बातों से जाहिर हो गई। उन्होंने कहा कि चाहे लोकसभा का चुनाव हो या विधानसभा का, कांग्रेस कहीं भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है। उन्होंने भाजपा के साथ आमने सामने के मुकाबले में कांग्रेस की कमजोरी का खासतौर से जिक्र किया। यह भी याद रखने की बात है कि पिछले साल दिसंबर में ममता बनर्जी ने मल्लिकार्जुन खडगे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया था। तभी यह अनायास नहीं है कि आज खडगे को रामगोपाल यादव इंडियाइ ब्लॉक का नेता बता रहे हैं।बहरहाल, राहुल गांधी के नेतृत्व पर जो सवाल उठ रहे हैं उसके दो पहलू हैं। एक पहलू यह है कि वे कांग्रेस में जोश नहीं भर पा रहे हैं। कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस को रिइन्वेंट करके भाजपा से लडने.लायक नहीं बना पा रहे हैं। वे वैचारिक और सैद्धांतिक धरातल पर तो भाजपा को टक्कर दे रहे हैं लेकिन जमीनी राजनीति और चुनाव में भाजपा का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। सो, विपक्षी पार्टियां और कांग्रेस नेताओं का भी एक बड़ा हिस्सा मान रहा है कि राहुल गांधी से नहीं हो पाएगा।

संसद को ठप करती सरकार

दुनिया भर के संसदीय इतिहास में सम्भवतः ऐसा उदाहरण ढूंढे से भी नहीं मिलेगा जो भारतीय संसद पेश कर रही है। अमूमन सरकारें संसद को चलाती हैं और गतिरोध विपक्ष पैदा करता है। देश में इसके उलट हो रहा है। यह नरेन्द्र मोदी सरकार की देन है। यह उनका तीसरा कार्यकाल है लेकिन यह प्रवृत्ति और संसद के दोनों सदनों को चलाने का तरीका उनके नेतृत्व में बनी सरकारों ने पहले ही कार्यकाल से अख्तियार कर लिया था। विपक्ष को कुचलने के लिये जानी जाने वाली भाजपा सरकार ने लोकसभा में कमजोर विपक्ष देखकर पहले से ही ठान लिया था कि विरोधी आवाज को सदनों के बाहर भी कुचला जायेगा, भीतर भी, हर जगह...। ऐलानिया तौर पर पहले ह्यकांग्रेस मुक्त भारतह्ल और बाद में ह्यविपक्ष मुक्त भारतह्ल का नारा देने वाले मोदी और भाजपा ने संसद के बाहर येन केन प्रकारेण कांग्रेस समेत प्रतिपक्ष को या तो चुनावों में हराया या फिर उनकी निर्वाचित सरकारों को ललचाकर या डरा-धमकाकर गिराया। साथ ही दूसरी पार्टियों के नेताओं को दल में आयात किया। इसके समांतर सदन के भीतर विरोधी पार्टियों के सदस्यों को अपनी बात न कहने देने के लिये संख्या बल के जरिये भाजपा ने सारे हथकण्डे हथियाये, जिसमें से उसका लोकप्रिय हथियार है सदन को ही ठप करना। यहीं पर भारतीय संसद दुनिया भर की अन्य संसदों से अलग हो जाती है- एकदम अनूठी। इस साल की जून के पहले सप्ताह में निकले लोकसभा चुनावों के नतीजों के जरिये तीसरी बार यानी मौजूदा सरकार बनाने में मोदी-भाजपा को कामयाबी मिल तो गयी लेकिन विपक्ष बेहद मजबूत हो कर लौटा। ये अप्रत्याशित नतीजे थे जिसने मोदी को दो अन्य दलों के समर्थन से सरकार बनाने के लिये मजबूर कर दिया। ये नतीजे मोदी पर अनेकानेक आरोपों की छाया में लड़े गये लोकसभा चुनाव के थे। इनमें प्रमुख थे- संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने की भाजपायी साजिश, जातिगत जनगणना, कारोबारी गौतम अदाणी को मोदी द्वारा अंधाधुंध लाभ पहुंचाना, मणिपुर में हिंसा व कुकी समुदाय पर अत्याचार, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन सहित निर्वाचन आयोग का पक्षपातपूर्ण रवैया, इलेक्टोरल बॉड्स के जरिये भाजपा को लाभ आदि। इनमें से कई मामले ऐसे थे जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सितम्बर 2022 से जनवरी 2023 तक (कन्याकुमारी से कश्मीर) और जनवरी 2024 से मार्च तक (मणिपुर से मुम्बई) निकलीं क्रमशः ह्यभारत जोड़ो यात्राह्ल तथा ह्यभारत जोड़ो न्याय यात्राह्ल के दौरान जोरदार ढंग से उठाये जा चुके थे। पिछले लोकसभा चुनाव के प्रचार के पहले इंडिया गठबन्धन बन चुका था जिसने इन सारे मुद्दों को एक जनविमर्श का रूप दिया। यह तो सही है कि मोदी-भाजपा ने इन मुद्दों के बावजूद विजय पायी लेकिन माना गया कि इन्हीं मसलों ने भाजपा के 400 पार के मंसूबों पर पानी फेर दिया। यह भी सच है कि इन मुद्दों को लेकर विपक्ष, खासकर कांग्रेस ने जो हमले भाजपा और मोदी पर किये उसी का परिणाम रहा कि मोदी तेलुगु देसम पार्टी एवं जनता दल यूनाइटेड की बैसाखियों पर जा टिके। कमजोर होकर संसद में आये तीसरी मर्तबा के पीएम मोदी का इस बार सामना अपेक्षाकृत बड़े, मजबूत व अब तक एकजुट विपक्षी गठबन्धन से हो रहा है। इंडिया ने कहानी वहीं से शुरू की जहां उसने लोकसभा के चुनावी अभियान के अंतिम दिन यानी प्रचार बन्द होने की शाम को छोड़ी थी। पहले की दोनों लोकसभाओं (2014 एवं 2019 की) में भाजपा बेहद ताकतवर थी, विशेषकर इसकी पूर्ववर्ती। इसलिये 10 वर्षों तक मोदी की दिलचस्पी कम से कम उतनी देर तक संसद के सदनों को चलाये रखने में होती थी जितनी देर वे विपक्ष की आलोचना कर सकें, कांग्रेस के पूर्ववर्ती शासनकाल की खामियां गिना सकें, नेहरू खानदान का अपमान कर सकें और अपने आप को अकेले ही सब पर भारी बतला सकें। अब लोकसभा का चेहरा दूसरा है। इसलिये अब भाजपा का लक्ष्य होता है कि संसद थोड़ी देर भी न चले। संसद की बैठकें प्रारम्भ होने पर जैसे ही प्रतिपक्ष अदानी के मुद्दे को लेकर हमलावर होता है; क्योंकि यह इस वक्त सबसे बड़ा मुद्दा है, सत्ता बेंच का नियोजित खेल होने लगता है। हिंडनबर्ग की दो-दो रिपोर्टों में अदानी एवं उनके भाइयों की कारगुजारियों की बहुतेरी गाथाएं सामने आने के बाद हाल ही में सेबी अध्यक्ष माधवी बुच पर उंगलियां उठने से विपक्ष पहले दिन से आक्रामक है और इस बाबत गहन जांच संयुक्त संसदीय समिति द्वारा कराये जाने की मांग पर अड़ा हुआ है। ऐसे में लोकसभा में सरकार का बचाव सदन के अध्यक्ष ओम बिरला कर रहे हैं तो राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़। दोनों ने ही अदानी का नाम लेने पर अपने-अपने सदनों में पूरी पाबंदी लगा रखी है। लोकसभा हो या राज्यसभा- अदानी या रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी का नाम लेते ही उन वाक्यांशों को कार्यवाही से हटा दिया जाता है और सदस्यों को बोलने नहीं दिया जाता। बिरला-धनखड़ ने अदानी के नाम पर पिछली लोकसभा में कई दर्जन सदस्यों को निलम्बित कर दिया था।

इंडिया गठबंधन की रार से कांग्रेस से ज्यादा क्षेत्रीय दलों को होगा नुकसान

वैसे भी भारतीय मतदाताओं के बीच कांग्रेस नीत यूपीए गठबंधन, राजद-सपा-झामुमो नीत महागठबंधन, शिवसेना यूबीटी-एनसीपी शरद पवार नीत महाविकास अघाड़ी के अलावा तीसरे या चौथे मोर्चे में शामिल रहे क्षेत्रीय दलों की साख अच्छी नहीं है। जनता पार्टी, जनता दल और संयुक्त मोर्चे की कई गठबंधन सरकारों को असमय गिराने का आरोप जहां कांग्रेस पर लगता आया है, वहीं तीसरे मोर्चे और चौथे मोर्चे के बारे में तो राजनीतिक अवधारणा यही है कि इन्हें केंद्र में सरकार चलाना ही नहीं आता और इसमें शामिल दल भले ही अपने-अपने राज्यों में सफल रहे हों लेकिन सुशासन स्थापित करने और भ्रष्टाचार रोकने में अकसर विफल रहे हैं जिससे ब्रेक के बाद मतदाता इन्हें खारिज कर देते हैं।

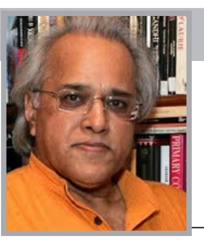

कमलेश पांडेय
लेखक

कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में नेतृत्व के सवाल पर जो मौजूदा चिल्ल-पों मची हुई है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व पर एक बार फिर से जो सवाल उठाए जा रहे हैं, उससे न तो तृणमूल कांग्रेस नेत्री व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राजनीतिक भला होने वाला है और न ही उनकी सुर में सुर मिलाने वाले एनसीपी शरद पवार के शरद पवार-सुप्रिया सुले, शिवसेना यूबीटी के उद्धव ठाकरे-आदित्य ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव-रामगोपाल यादव या आप पार्टी के अरविंद केजरीवाल आदि जैसे नेताओं का। हां, इससे कांग्रेस आई की उस सियासी साख को धक्का अवश्य लगेगा, जो कि बमुश्किल उसने राहुल गांधी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव 2024 के बाद हासिल कर पाई है। राजनीतिक मामलों के जानकारों का स्पष्ट कहना है कि कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी के लिए हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा की हार जरूर मायने रखती है क्योंकि यह जीती हुई बाजी हारने के जैसा है लेकिन सिर्फ इसको लेकर ही इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस से छीन लेना कोई राजनीतिक बुद्धिमानी का काम प्रतीत नहीं होता है। शायद कांग्रेस भी इसे नहीं मानेगी और किसी भी राष्ट्रीय दल को क्षेत्रीय दलों के सामने घुटने भी नहीं टेकने चाहिए, यदि सत्ता प्राप्ति के लिए संख्या बल का खेल नहीं हो तो! बीजेपी भी यही करती है और अपने गठबंधन सहयोगियों को उनकी वाजिब औकात में रखती है। तीसरे-चौथे मोर्चे की विफलता के पीछे भी तो अनुशासनहीनता या अतिशय महत्वाकांक्षा का खेल ही तो था, जिसे बहुधा राजनीतिक रोग समझा जाता है। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद तुरंत कहा था कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को अपने अहंकार को अलग रखना चाहिए और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में मान्यता देनी चाहिए। इसके बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी हालिया हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया ब्लॉक के खराब प्रदर्शन पर असंतोष जाहिर किया और संकेत दिया कि अगर मौका मिला तो वह इंडिया ब्लॉक की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने यहां तक कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए भी विपक्षी मोर्चे को चलाने की दोहरी जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। एक टीवी चैनल से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, ह्यमैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब मोर्चा का नेतृत्व करने वालों पर इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी है। अगर वे इसे नहीं चला सकते तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। वहीं, यह पूछे जाने पर कि एक मजबूत भाजपा विरोधी ताकत के रूप में अपनी साख के बावजूद वह इंडिया ब्लॉक की कमान क्यों नहीं संभाल रही हैं? तो इस पर बनर्जी ने कहा, अगर मौका मिला तो मैं इसके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करूंगी। उन्होंने कहा, मैं बंगाल से बाहर नहीं जाना चाहती लेकिन मैं इसे यहीं से चला सकती हूं। बता दें कि बीजेपी का मुकाबला करने के लिए गठित इंडिया ब्लॉक में दो दर्जन से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं हालांकि आंतरिक मतभेदों और आपसी तालमेल की कमी की वजह से इसकी कई बार आलोचना भी होती रही है। इसी वजह से इसके प्रमुख सूत्रधार रहे जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपना पाला बदल लिया और भाजपा के खेमे में चले गए। वो भी इंडिया गठबंधन के संयोजक का पद पाना चाहते थे जो लालू प्रसाद के परोक्ष विरोध के चलते सम्भव नहीं हो पाया। ऐसे में संभव है कि ममता भी एकबार फिर से तीसरे मोर्चे को मजबूत करने की पहल करें और नीतीश की तरह ही इंडिया गठबंधन को टा-टा, बाय-बाय कर दें। उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी का यह बयान उनकी पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा कांग्रेस और अन्य इंडिया ब्लॉक सहयोगियों को लेकर दिए बयान के बाद सामने आया है। तब कल्याण बनर्जी ने कहा था कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को अपने अहंकार को अलग रखना चाहिए और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में मान्यता देनी चाहिए। आपको बता दें कि बीजेपी ने जहां महाराष्ट्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड संख्या में सीटें हासिल कीं तो वहीं कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। बीजेपी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को भारी जीत मिली जबकि इंडिया ब्लॉक ने सिर्फ झारखंड में जेएमएम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मजबूत वापसी की। कहने का तात्पर्य यह है कि कांग्रेस ने अपनी हार का सिलसिला जारी रखा और हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में भी अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया और झारखंड में सत्तारूढ़ जेएमएम के जूनियर पार्टनर के रूप में सामने आई और विपक्षी ब्लॉक में इसकी भूमिका और भी कम हो गई क्योंकि अन्य सहयोगियों ने इससे बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, दूसरी ओर हाल ही में हुए उपचुनावों में भाजपा को हराकर टीएमसी की जीत ने पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रभुत्व को मजबूत किया है, जबकि विपक्षी अभियान आरजी कर मेडिकल कॉलेज विरोध जैसे विवादों पर केंद्रित थे। सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे, उसके सहयोगी सीपीआई (एमएल) लिबरेशन और कांग्रेस, जो इंडिया ब्लॉक में राष्ट्रीय स्तर पर टीएमसी के सहयोगी हैं, सभी को बड़ी असफलताओं का सामना करना पड़ा और उनके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई जबकि कांग्रेस इंडिया ब्लॉक की सबसे बड़ी पार्टी है जिसे अक्सर गठबंधन का वास्तविक नेता माना जाता है। यही वजह है कि टीएमसी ने लगातार ममता बनर्जी को गठबंधन की बागडोर संभालने की वकालत की है। यह ठीक है कि तृणमूल कांग्रेस नेत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में लगातार भाजपा को सियासी चोट पहुंचा रही हैं और सदैव उस पर भारी प्रतीत हो रही हैं लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि वह राष्ट्रीय नेत्री बन गईं और उनका चेहरा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चेहरे से ज्यादा सर्वस्वीकार्य हो गया, वो भी अखिल भारतीय स्तर पर? चाहे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) शरद पवार के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार हों या उनकी सियासी वारिस सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना यूबीटी के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे हों या उनके राजनीतिक वारिस आदित्य ठाकरे, समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हों।

भारत से दूर, पाकिस्तान के पास जा रहा बांग्लादेश

उनकी मूर्तियों को भी तोड़ दिया गया है। बांग्लादेश पाकिस्तान वीजा समझौता 2019 में शेख हसीना की सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए नॉन ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य किया था। इसके बिना वीजा नहीं मिल सकता था लेकिन अब बांग्लादेश ने अब यह प्रोसेस खत्म कर दिया है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने विदेश में सभी मिशनों को संदेश भेजा है, जिसमें उन्हें पाकिस्तानी नागरिकों और पाकिस्तानी मूल के लोगों के लिए वीजा की सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया गया है।

राजेश जैन
लेखक

1971 के मुक्ति संग्राम के बाद भारत के सैन्य समर्थन से पाकिस्तान से आजाद हुआ बांग्लादेश इन दिनों भारत से दूर और पाकिस्तान के पास जाता नजर आ रहा है। इस साल अगस्त में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से ही वहां सियासी उथल-पुथल चल रही है और माहौल में भारत के खिलाफ नफरत घोलकर पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ाई जा रही है। साफ लगता है कि बांग्लादेश अपने और भारत के कट्टर दुश्मन पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधार रहा है और संदेश देना चाहता है कि वह अब दक्षिण एशियाई राजनीति को भारत के नजरिए से नहीं देखेगा। हाल के दिनों में पाकिस्तान ने भी ऐलान किया है कि अब बांग्लादेशी नागरिक बिना किसी वीजा शुल्क के उनके देश की यात्रा कर पाएंगे। दोनों देशों में सीधी उड़ाने फिर से शुरू करने की भी घोषणा की गई है। वीजा छूट से लेकर रक्षा सौदों और समुद्री मार्गों की बहाली तक, ऐसे कदम उठाए गए हैं, जो ढाका को इस्लामाबाद के ज्यादा करीब लेकर जा रहे हैं। दरअसल, हसीना को शरण देने के नई दिल्ली के फैसले ने ढाका को नाराज कर दिया। दूसरी ओर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों और इस्कॉन के पूर्व पुजारी चिन्मयकृष्ण दास की गिरफ्तारी से भी भारत से तनाव बढ़ा हैं। करेंसी नोट से शेख मुजीबुर्रहमान के फोटो हटाए शेख मुजीबुर्रहमान बांग्लादेश के संस्थापक और राष्ट्रपिता होने के साथ ही शेख हसीना के पिता भी हैं। वे 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में एक प्रमुख नेता थे, जिन्होंने बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाई थी। मुहम्मद यूनुस सरकार ने मुजीबुर्रहमान की फोटो हटाने के लिए 20, 50, 100, 500 और 1,000 टका (बांग्लादेशी करेंसी) के नोट बदलने के आदेश दिए हैं। अगले 6 महीनों में नए नोट मार्केट में आ जाएंगे। सरकार ने राष्ट्रपति भवन से मुजीबुर्रहमान की तस्वीरें पहले ही हटा दी हैं। उनके नाम से जुड़ी छुट्टियां रद्द कर हैं। उनकी मूर्तियों को भी तोड़ दिया गया है। बांग्लादेश पाकिस्तान वीजा समझौता 2019 में शेख हसीना की सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए नॉन ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य किया था। इसके बिना वीजा नहीं मिल सकता था लेकिन अब बांग्लादेश ने अब यह प्रोसेस खत्म कर दिया है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने विदेश में सभी मिशनों को संदेश भेजा है, जिसमें उन्हें पाकिस्तानी नागरिकों और पाकिस्तानी मूल के लोगों के लिए वीजा की सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले सितंबर की शुरूआत में, इस्लामाबाद ने भी घोषणा की थी कि बांग्लादेशी बिना किसी वीजा शुल्क के पड़ोसी देश की यात्रा कर सकेंगे। इसके अलावा, दोनों देशों ने सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की भी घोषणा की है। पाक से सीधे समुद्री संपर्क की शुरूआत इससे पहले नवंबर 2024 में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सीधे समुद्री संपर्क की शुरूआत हुई। पाकिस्तान के कराची से एक कार्गो शिप बंगाल की खाड़ी होते हुए बांग्लादेश के चटगांव पोर्ट पर पहुंचा था। तब ढाका में मौजूद पाकिस्तान के राजदूत सैयद अहमद मारूफ ने कहा, यह शुरूआत पूरे बांग्लादेश में व्यापार को बढ़ावा देने में एक बड़ा कदम है। हथियारों का व्यापार बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 40,000 राउंड तोपखाना गोला-बारूद, 2,000 राउंड टैंक गोला-बारूद, 40 टन आरडीएक्स विस्फोटक और 2,900 उच्च-तीव्रता वाले प्रोजेक्टाइल मंगाए थे। हालांकि यह गोला-बारूद का पहला ऐसा ऑर्डर नहीं था लेकिन संख्या सामान्य से कहीं ज्यादा थी। भारत को सतर्क होने की जरुरत बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच संबंधों में सुधार भारत के लिए चिंता की बात है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बांग्लादेश तीन तरफ से भारत से घिरा हुआ है और भारत अपनी सबसे लंबी सीमा (4,097 किलोमीटर) बांग्लादेश के साथ साझा करता है। इसके माध्यम से माल और लोगों को आसानी से लाया-ले जाया जा सकता है। यह नई दोस्ती सीमा पार उग्रवाद और तस्करी को बढ़ावा दे सकती है। फिर भी आसान नहीं भारत को नजरअंदाज करना दोनों देशों के बीच राजनीतिक और सामाजिक रिश्तों में खटास जरूर आई है लेकिन आर्थिक रिश्ते पहले की तरह अब भी मजबूत हैं। कोई भी सरकार देश चलाने के लिए दूसरे देशों के साथ आर्थिक रिश्ते हमेशा मजबूत रखती है ओर भारत और बांग्लादेश के बीच पानी, बिजली, जूट, आलू, चावल, चाय, कॉफी, सेरामिक्स, सब्जियों, दवाओं, प्लास्टिक, गाड़ियों जैसी चीजों का इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट पहले की तरह होता आ रहा है। इसके अलावा पश्चिम- विशेष रूप से अमेरिका-दक्षिण एशिया को भारतीय चश्मे से देखता है और अमेरिका बांग्लादेश के लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। भारत जिस तरह दुनिया में एक ताकतवर देश की छवि बना चुका है। ऐसे में भारत से जंग करना बांग्लादेश के लिए आसान नहीं होगा। हां, बांग्लादेश चीन और पाकिस्तान की मदद से भारत की बॉर्डर पर तनाव जरूर पैदा कर सकता है।

लोकतंत्रः निर्भीक अदालत जो सत्ता की लगाम हो..!

विजय तिवारी

शास्त्रीय तौर पर पर तो लोकतंत्र में विधायी संस्था शासन के निकाय पर नियंत्रण रखती है, और इन दोनों के अतिरेक को स्पष्ट करने के लिए ह्लन्यायपालिका होती है। सुनने में तो यह बहुत अच्छा लगा, लेकिन सभी लोकतंत्र राष्ट्रों में होता इसका उल्टा ही है। प्रजातन्त्र की अवधारणा यूं तो बहुत सत्य लगती हैं, परंतु वास्तविकता के धरातल पर होता उल्टा ही हैं ! यंहा हम यूरोप के अनेक देशों और संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ उदाहरण लेते हैं। अमेरिका में नेता और जनता का यह संवाद बहुत माकूल हैं। जनता के अधिकारों की रक्षा का वादा करने वाले एक राजनेता से वॉटर कहता है यदि आप नेता है तब आप अवश्य ही करोड़पति होंगे, तब आप जनसाधारण की तकलीफों को दूर नहीं करेंगे वरन आप पूंजी के निकायों की रक्षा करेंगे। क्यूंकि ऐसा करके ही आप करोड़पति बने रहेंगे। यह स्थिति लगभग सभी देशों के लोकतंत्र में लागू होती है। संसद या जनप्रतिनिधि के चुनाव के लिए बहुत अधिक धन की जरूरत होती हैं। वह राशि उद्योगपतियों से आता हैं, जिन्हे जनता की नहीं वर्ण अपने उद्योग -व्यापार के लाभ की चिंता होती हैं। राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय अमेरिकी जनों के स्वास्थ्य के लिए बीमारी के बीमा की योजना चलाई गई, जिससे दवा कंपनियों और इंश्योरेंस कंपनियों के लाभ का अंश घाट दिया गया। फलस्वरूप नया केवल उद्योग और -व्यापार संगठनों ने इस योजना का विरोध किया बल्कि इसे अनुचित बताया। खैर ओबामा ने इस संगठित कोशिस को नाकाम किया। वणः की अदालतों में इस जनहितकारी योजनया को नाकाम चुनौती दी। अमेरिका में उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाये बहुत मंहगी है। प्राथमिक स्तर पर तो वे सर्व सुलभ है परंतु उनकी गुणवत्ता ठीक नहीं। छोटे छोटे मामलों मे वनहा की अदालत ने नागरिकों के पक्ष को सुरक्षित रखा, परंतु निर्णायक मुद्दों पर अदालत और उसके जजों की निष्पक्षता संदिग्ध रही हैं। जैसा कि भारत के सुप्रीम कोर्ट ने भी अनेक अवसरों पर जनता से अधिक सरकार या सत्ता का साथ दिया हैं। उदाहारण के लिए जब ट्रम्प डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन से चुनाव हार गए तब उन्होंने अपने समर्थकों को काँग्रेस भवन पर हमला के लिए उकसाने वाला भाषण दिया ! फलस्वरूप हजारों ट्रम्प समर्थक ने हमला कर के उप राष्ट्रपति माईक पेन्स को चुनाव परिणाम की घोसन करने से रोकने की कोशिश की। इस घटना को दुनिया ने टीवी पर देखा। अब यह पराजित उम्मीदवार की खीज थी जो न केवल अनैतिक थी वर्ण आपराधिक भी थी। क्यूंकि ट्रम्प की इस हरकत से अमेरिका का लोकतंत्र कलंकित हुआ। खैर सेनेट और प्रतिनिधि सभा ने इस घटना की जांच के लिए विसहेस अधिकारी नियुक्त किया। जिसने ट्रम्प और उनके सहयोगियों को संसद पर हमले का दोषी माना। परंतु जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पँहुचा तब ट्रम्प के शासनकाल में नामित पाँच जजों ने, इसे राष्ट्रपति का विशेषाधिकार माना। नौ सदस्यीय अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में हकीकत हार गई और उपकरत जजों ने ट्रम्प को निर्दोष सा बात दिया। कुछ ऐसा ही नरेंद्र मोदी काल में सुप्रीम कोर्ट में नामित जजों ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद को गिराए जाने की घटना के दोषियों को न केवल मुक्त कर दिया बल्कि संसद के कानून होने के बावजूद, जिसमें साफ-साफ लिखा है कि आजादी के समय जिस उपासना स्थल का जो स्वरूप था -उसे बरकरार रखा जाएगा। जस्टिस गोगोई, चंद्रचूड़ आदि नौ जजों ने कानून को दरकिनार करते हुए भावनाओं सरकार और सत्ता संगठन के तंत्र को खुश करने के लिया एक कानूनी फैसला देश को दिया पर न्याय नहीं किया। बाद में देश के प्रधान न्यायाधीश बने चंद्रचूड़ जी ने देश की सामाजिक और धार्मिक समरसता को खतम करने वाला एक और फैसला दिया जिसमे उन्होंने कहा की उपासना स्थलों के स्वरूप को नहीं बसला जा सकता- परंतु उसकी वास्तविकता जानने के लिए पुरातत्व मंत्रालय जांच कर सकेगा ! अब इसी अदालती हरकत का परिणाम है की -इस जबानी वक्तव्य को कानून और फैसला मानकर संभाल-बंदयू और अजमेर के ख्वाजा की दरगाह की जांच के मुकदमे जिला अदालतों मे लग गये। और हिन्दू हिन्दू के नारे लगने लगे। तार्किक रूप से देखे जब हमारी जांच स्थल के स्वरूप और मालिकाना हक को बदल नहीं सकती तब इस अकादमिक कवायद का उद्देश्य क्या है ? अब इसी संदर्भ मे अगर कोई पांडवों के पिता और जनक के बारे में पुच ले तब क्या सुप्रीम कोर्ट इस तथ्य की भी जांच का आदेश देगी। महभारत में दिए गए तथ्यों के अनुसार ही सूर्य देव से कुंती को कर्ण पुत्र रूप मे प्राप्त हुए। फिर धरमराज से युधिस्थर और देवराज इन्द्र से अर्जुन वायु देवता से महाबली भीम और अश्वनी कुमारो से नकुल और सहदेव प्राप्त हुए। परंतु पांडव पुत्रों के पिता के रूप में महराज पांडु का ही नाम लिया जाता है। अब इस प्रकार विगत मे तत्कालीन समय में पूर्वजों द्वारा अनेक ऐसे कर्म और करत्या हुए जिन्हे ना तब मान्यता थी और ना ही आज है। ऐसे तथ्यों की अनदेखी करना ही शुभ होता।

जिलाधिकारी ने की धान अधिप्राप्ति को लेकर बैठक

निर्धारित लक्ष्य का अबतक 25 प्रतिशत से कम अधिप्राप्ति करने वाले बीसीओ से पूछा गया स्पष्टीकरण

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। खरीफ विपणन मौसम वर्ष 2024-25 में धान अधिप्राप्ति की प्रक्रिया 1 नवंबर से शुरू हो चुकी है। 15 फरवरी 2025 तक किसानों से निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीद की जायेगी। 15 जून 2025 तक सीएमआर जमा करने की अवधि निर्धारित है।

सारण जिला में धान अधिप्राप्ति हेतु विगत वर्ष के लक्ष्य के आधार पर 113248 एमटी का अनुमानित लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभी तक 1044 किसानों से 9090 एमटी धान की अधिप्राप्ति की गई है। जिला में अभी तक 18713 किसानों का निबंधन धान अधिप्राप्ति हेतु किया गया है। इस वर्ष सामान्य धान के लिए 2300 प्रति क्विंटल तथा ग्रेड ह्यएह्न धान के लिये 2320 प्रति क्विंटल का लक्ष्य निर्धारित है। प्रति रैयत किसान से अधिकतम 250 क्विंटल तथा प्रति गैर रैयत किसान से अधिकतम 100 क्विंटल धान क्रय किया जा सकता है। इस वर्ष अभी तक सारण जिला के 247 पैक्स/नगर पैक्स तथा 11 व्यापार मंडल धान अधिप्राप्ति हेतु चयनित किये गए हैं। धान अधिप्राप्ति के तहत सीएमआर के लिये 32 राइस मिलों का निबंधन किया गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी अमन समीर ने धान अधिप्राप्ति को लेकर समीक्षा बैठक किया। जिलाधिकारी ने अधिप्राप्ति में तेजी लाने का निदेश दिया।

अधिप्राप्ति के लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से प्राप्त करने हेतु जिला के लिए प्रतिदिन 1700 एमटी धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसे सभी प्रखंडों में समानुपातिक तरीके से बांटा गया है। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि कुछ प्रखण्डों में प्रतिदिन के लिये निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप काफी कम धान का क्रय समितियों द्वारा किया गया है। अबतक के लक्ष्य का 25 प्रतिशत से कम अधिप्राप्ति करने वाले सभी प्रखंडों-दिघवारा, लहलादपुर, मकेर, नगरा, परसा, रिविलगंज एवं सोनपुर के बीसीओ से स्पष्टीकरण पूछा गया।

सभी बीसीओ को प्रतिदिन अपने क्षेत्र में भ्रमण कर किसानों से व्यक्तिगत संपर्क कर धान क्रय में तेजी लाने को कहा गया। सभी बीसीओ द्वारा प्रतिदिन कितने किसानों से संपर्क किया गया, इसकी सूची जिला नियंत्रण कक्ष के माध्यम से मांगी जायेगी। बीसीओ के क्षेत्र भ्रमण के रैंडम लाइव लोकेशन भी नियंत्रण कक्ष के माध्यम से लिया जायेगा।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि सम्पूर्ण अधिप्राप्ति प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित करें अन्यथा दोषी पाये जाने वाले पदाधिकारियों/कर्मियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी।जो पैक्स अध्यक्ष/प्रबंधक अधिप्राप्ति कार्य में सहयोग नहीं देंगे उनके विरूद्ध भी नियमानुकूल कार्रवाई की जायेगी।

जिलाधिकारी ने सभी किसान सलाहकारों का भी अधिप्राप्ति कार्य में सक्रिय सहयोग सुनिश्चित कराने का निदेश जिला कृषि पदाधिकारी को दिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिला आपूर्ति पदाधिकारी, वरीय उपसमाहर्त्ता अधिप्राप्ति एवं जिला सहकारिता पदाधिकारी प्रतिदिन संध्या में बैठक कर अधिप्राप्ति में आ रही बाधाओं का निराकरण करेंगे तथा अगले दिन की कार्ययोजना तैयार करेंगे।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, वरीय उपसमाहर्त्ता अधिप्राप्ति,जिला कृषि पदाधिकारी,जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम, सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी मौजूद थे।

सीनियर महिला राज्य हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने सारण की टीम हुई रवाना

मधेपुरा में 13 से 15 दिसंबर तक आयोजित होगी प्रतियोगिता

प्रात: किरण, संवाददाता

मशरक। 12 वी सीनियर बिहार राज्य महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने सारण महिला दल गुरुवार को मशरक जंक्शन से मधेपुरा के लिए रवाना हुई। 13 से 15 दिसंबर तक आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सारण टीम में कई राष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल है। टीम को रवाना करते हुए जिला हैंडबॉल के सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि जनवरी में राष्ट्रीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता बिहार के पूर्णिया में आयोजित है इस कारण इस राज्य प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। टीम में 13 खिलाड़ी के प्रशिक्षक , प्रबंधक एवम तकनीकी पदाधिकारी शामिल है। टीम के साथ कोच आकाश कुमार , टीम मैनेजर राजा कुमार सिंह एवम प्रतियोगिता के लिए बिहार हैंडबॉल संघ द्वारा आमंत्रित तकनीकी पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह है। टीम में कप्तान निधि कुमारी के अलावे तृप्ति कुमारी , निधि कुमारी गोलकीपर, पम्मी कुमारी , शबाना खातून , रागिनी कुमारी, पुष्पा कुमारी , नसीमा परवीन , दूजा कुमारी , रिंकी सिंह , करिश्मा कुमारी , कल्पना कुमारी, रीमा कुमारी है। सारण महिला टीम के बेहतर प्रदर्शन के लिए जिला संघ के मुख्य संरक्षक विधान पार्षद इंजिनियर सच्चिदानंद राय , अध्यक्ष कृष्णमोहन सिंह, चेयरमैन डा हरेंद्र सिंह , अनुपमा मिश्रा, ठाकुर विनोद सिंह अप्पू जी , राकेश कुमार सिंह , डा जितेंद्र सिंह , रितेश कुमार सिंह , प्रिंस कुमार सहित अन्य ने शुभकामनाएं दी ।

संक्षिप्त खबरें

हाथियों का झुंड 10 दिन वीटीआर जंगल में प्रवास कर वापस लौट गया नेपाल: अभिषेक

प्रातः किरण, संवाददाता

बगहा। वीटीआर जंगल मे करीब 10 दिनों तक प्रवास करने के बाद वापस नेपाल जंगल सीमा में हाथियों का झुंड प्रवेश कर गया है ।यह जानकारी देते हुए न्यूज संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक ने बताया है। उन्होंने बताया कि ये हाथी अलग अलग दिशा से भारतीय जंगल मे प्रवेश किए थे। वीटीआर डिवीजन एक और दो में करीब 10 दिनों तक प्रवास करने के बाद कक्ष संख्या टी 40 स्थित माड़ी कॉरिडोर के समीप हाथी नाला और शक्ति नाला के रास्ते वापस हो गया। ये हाथी मेल था। डिवीजन एक मे एक हाथी ने कुछ उत्पात मचाया था ।लेकिन दूसरा हाथी डिवीजन 2 स्थित जंगल मे प्रवास कर रहा था जिसका गजमित्रों द्वारा बराबर मॉनेटरिंग की जा रही थी। अभिषेक ने जानकारी देते हुए बताया कि एक हाथी की हाइट 9 फिट 4 इंच थी तो दूसरे हाथी की हाइट 9 फिट 2 इंच के करीब थी ।बतादें की वीटीआर और नेपाल चितवन जंगल की सीमा एक दूसरे में पेवस्त है जिसके बीच किसी भी तरह का कोई बाड़ नहीं होने की वजह से एक दूसरे जंगल एरिये में जानवर बेरोकटोक चले आ जाते है।

पुलिस ने किशोरी को भेजा व्यवहार न्यायालय

परसा। थाना कांड संख्या 398/24 के मामले में किशोरी के मा ने परसा थाने में लिखित आवेदन देकर एक पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी.दर्ज प्राथमिकी में बताया गया थी कि बीते सप्ताह मेरी पुत्र परसा बाजार करने आई थी जिसके बाद घर वापस नही लौटी.पूर्व में भी मेरी बेटी को गाव के ही एक युवक द्वारा लेकर भागा था.वही गुरुवार की सुबह पुलिस के दबिश के कारण फरार किशोरी ने की परसा थाने में आतसमर्पण कर दी.जिसको पुलिस ने 164 के बयान के लिए छपरा व्यवहार न्यायालय भेज दिया गया गया है.

पुलिस ने दो शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

परसा। गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के परसौना में छापेमारी करते हुए 5 लीटर देसी शराब के साथ दो शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार शराब तस्कर पर उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिक की दर्ज करते हुए गुरुवार को जेल भेज दिया गिरफ्तार शराब तस्कर परसोना निवासी नंदलाल राय का पुत्र मिथिलेश राय व जूठन राय का पुत्र भरोसा राय बताया जाता है.

पुलिस ने शराब के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

तरैया। तरैया थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस जिप्सी पर लदे 960 पीस टेट्रा पैक फ्रूटी विदेशी शराब बरामद किया है। इस संबंध एएसआइ दिनेश यादव ने एक प्राथमिकी दर्ज किया है ।थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस जिप्सी गाड़ी में सीट के नीचे तहखाना बनाकर शराब के धंधा करने वाले एक शराब कारोबारी को जिप्सी गाड़ी के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है ।जिप्सी के नीचे तहखाना बनाकर चोरी छिपे शराब लेकर जा रहे मुजफ्फपुर जिले के सरायगंज निवासी अजय चौधरी के पुत्र सुमित सहगल को गिरफ्तार किया गया है ।जिप्सी के तहखाने से ऑफिसर च्वाइस के टेट्रा पैक फ्रूटी 960 पीस बरामद किया गया है।

मंत्रियों ने एनडीए कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनी

पार्टी कार्यकर्ताओं को दिए गए कार्यों के प्रति समर्पित रहने का दिया गया निर्देश

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय ।स्थानीय सर्किट हाउस छपरा में जदयू जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू कीअध्यक्षता में मंत्री श्रवण कुमार एवं मंत्री रत्नेश सदा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कार्यकर्ता से मिलकर समस्या सुनी।

मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के समर्पित कार्यकर्ता अपने अपने बूथ पर मेहनत करे और पार्टी को मजबूत आपके मेहनत के बदौलत आगामी विधानसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रत्याशी की जीत होगी । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी समाज के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित किए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में इतनी बड़ी बहाली अपने आप में मिसाल है रोड ,बिजली, स्वास्थ के क्षेत्र में क्रान्ति आई है इस की जानकारी आप कार्यकर्ता साथी वार्ड स्तर पर मजबूती से रखने का कार्य मध्य निषेध मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में शराब बंदी कर के एक मिसाल कायम किए है जिससे गरीब तबके के लोग आज खुशहाल है घर में अमन चैन है। सरकार नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर शराब का सेवन सेहत के लिए हानि कारक इसकी प्रचार प्रसार कर रही आप लोग इस चीज को ग्रामीण स्तर पर प्रचार प्रसार करे मुख्य रूप से विधान पार्षद डॉ0 वीरेंद्र नारायण यादव,प्रदेश उपाध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह विकल,भाजपा जिला महामंत्री धर्मेंद्र साह,भाजपा महामंत्री विवेक कुमार सिंह,लोजपा आर 0 जिला अध्यक्ष दीपक सिंह,आर0 एल0 एम0 जिला अध्यक्ष अशोक कुशवाहा,हम जिला अध्यक्ष उज्वल श्रीवास्तव, बालमुकुंद चौहान,जयप्रकाश यादव,डॉ विशाल सिंह,जयप्रकाश यादव,सुधाकर भारद्वाज,अभदेश राजभर, ई0 प्रभास शंकर डॉ 0 इन्द्रकांत विश्वकर्मा,जयप्रकाश महतो,सतीश शर्मा, पुरुषोतम सिंह गुड्डा सिंह ,कुसुम देवी ,शकीला बानो,कुसुम रानी,संभू मंझी ,अनिल सिंह,मनोज सिंह,रमेश किशन कुशवाहा,रणजीत पटेल,सदाम हुसैन,कमलेश तिवारी उपस्थित थे।

डीएम ने लाभुकों को दिया चेक

छपरा कार्यालय। जिला पदाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में आहुत कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उद्यमी योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लाभुकों को प्रथम किस्त एवं बिहार लघु उद्यमी योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 के लाभुकों को द्वितीय किस्त की राशि के वितरण का शुभारंभ किया गया। सारण जिला में मुख्यमंत्री उद्यमी योजना में चयनित कुल 266 लाभुकों में से प्रशिक्षण प्राप्त 167 लाभुकों को प्रथम किस्त की राशि 200000 (दो लाख) प्रति लाभुक मिलना है, एवं बिहार लघु उद्यमी योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 के 1116 लाभुकों को द्वितीय किस्त की राशि 100000 (एक लाख) प्रति लाभुक मिलना है।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिले में जिला पदाधिकारी के द्वारा विभिन्न परियोजना के लाभुकों को समूह में डमी चेक हस्तगत कराकर किया गया । इसके अलावा जिले में पहले से चयनित लाभुकों को प्रोत्साहित करने के लिए पाँच सफल उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र भी दिया गया।

युवा ब्राह्मण चेतना मंच ने गीता जयंती पर मारुति मानस मंदिर परिसर में सामूहिक पाठ किया

सभी समस्याओं का समाधान है गीता में :अरुण पुरोहित

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय ।वर्तमान परिवेश में मनुष्य जीवन सभी समस्याओं का समाधान गीता में उपलब्ध यह बात आज गीता जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में अरुण पुरोहित धर्म प्रचारक ने कहा। आज से लगभग 5000 वर्ष पूर्व कुरुक्षेत्र में निराशा अर्जुन को कर्तव्य बताते हुए गीता का उपदेश दिया था जो आज भी सार्थक है। गीता हमें निष्काम कर्म योग करने की प्रेरणा देती है उन्होंने बताया मनुष्य जीवन में हर कदम पर हमें गीता से प्रेरणा लेनी चाहिए सनातन धर्म की स्थापना के लिए योगेश्वर श्री कृष्ण की मुख से निकली हुई वाणी को पढ़कर हमें अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए। अन्याय सह कर बैठे रहना यह महा दुष्कर्म है ! न्यायार्थ अपने बन्धुओं को दंड देना धर्म है । युवा ब्राह्मण चेतना मंच के द्वारा मारुति मानस मंदिर में सामूहिक गीता पाठ का आयोजन किया गया जिसमें आचार्य रंगनाथ तिवारी आचार्य श्यामसुंदर मिश्र, पंडित अरुण पुरोहित धर्म प्रचारक आचार्य मनीष पांडे , पंडित शशि प्रकाश मिश्रा पंडित अरुण उपाध्याय पंडित मुन्ना पाठक पंडित विशाल पांडे पंडित पवन उपाध्याय पंडित विवेक विभूषित पंडित अनिल कुमार मिश्र दीपू जी, मंदिर के पुजारी आचार्य राघव जी, अजय सिंह उत्तम कुंडू विजय सिंह राजीव रंजन तिवारी,अंजनी कुमार मिश्र, अमित मिश्रा ऋषि राज समृद्धि आदित्य पाठकसभी ने पाठ में भाग लिया। अरुण पुरोहित ने गीता की महिमा का व्याख्यान किया उपस्थित भक्तों के बीच में गीता पुस्तक का वितरण किया गया। समिति का लक्ष्य घर-घर तक गीता पहुंचाना है।

18 को एक दिवसीय नियोजन कैम्प का होगा आयोजन

- **नियोजन कैम्प में भाग लेने हेतु शैक्षणिक योग्यता 10+2, आईटीआई रखी गई है**

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। सहायक निदेशक (नियोजन) अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा के द्वारा 18 दिसंबर को एक दिवसीय नियोजन कैम्प का आयोजन नियोजन कार्यालय , छपरा में किया जाएगा। इस नियोजन कैम्प में क्वीज कॉर्प नई दिल्ली द्वारा टाटा मोटर्स सानंद, गुजरात में नियोजन हेतु 45 किया पात्र लोगों का चयन किया जायेगा। रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी इस नियोजन कैम्प में भाग लेकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। नियोजन कैम्प में भाग लेने हेतु शैक्षणिक योग्यता 10+2,क्ळक होना आवश्यक है। वेतन न्यूनतम 12012+2500 होगा ।

नियोजन कैम्प में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक है कि उनका निबंधन नियोजनालय में हो।

नियोजनालय में निबंधन की प्रक्रिया ऑनलाईन कर दी गयी है जो कि भारत सरकार के पोर्टल के माध्यम से होता है। कोई भी अभ्यर्थी घर बैठे अपना निबंधन इस पोर्टल के माध्यम से कर सकता है। साथ ही अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा कार्यालय में भी ऑनलाईन निबंधन हेतु संपर्क किया जा सकता है। अभ्यर्थी अपना नियोजनालय निबंधन इस पोर्टल पर आवश्यक रूप से करा लेंगे। नियोजन कैम्प में भी ऑनलाईन नियोजनालय निबंधन की व्यवस्था रहेगी।

2 लीटर शराब के साथ एक व्यक्ति नौरंगिया पुलिस के हत्थे चढ़ा

बगहा। बगहा के नौरंगिया थाना में पदस्थापित एएसआई धर्मेंद्र कुमार ने गुप्त सूचना पर कार्यवाई करते हुए एक व्यक्ति को दो लीटर शराब के साथ धरदबोचा है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि एएसआई धर्मेंद्र कुमार गश्ती पर थे तभी सिरसिया के करीब पहुंचने पर उनको गुप्त सूचना मिली कि सिरिसिया स्थित छठ घाट के रास्ते उत्तरप्रदेश से एक व्यक्ति शराब लेकर आने वाला है। उक्त रास्ते पर वाहन जांच शुरू किया तभी एक व्यक्ति आता दिखाई दिया ।वह व्यक्ति भनक लगते ही वहां से भागने लगा लेकिन उसे सहयोगी कर्मियों के सहयोग से पकड़ लिया गया ।उसके सामानों की जांच करने पर उसके थैले से 5 अदद 200 एमएल का बंटी बबली और बिल्लो रानी देसी शराब की 5 अदद सीसी कुल 2 लीटर बरामद किया गया ।पूछताछ करने पर पकड़े गए व्यक्ति ने बताया कि उसका नाम प्रकाश साहनी है और वह नवका टोला साहपुर थाना खड्डु कुशीनगर का निवासी है। बतादें की बिहार में पूर्णतः शराब बंदी है और इसे बनाने,सेवन करने और बेचने समेत परिवहन करने पर पाबंदी है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि पकड़े गए व्यक्ति को मधनिषेद की धारा में न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

साढ़ा पंचायत के प्रभुनाथ नगर सहित सभी क्षेत्रों में जल निकासी के लिए नाला का उचित प्रबंध हो : विवेक कुमार सिंह

- **छपरा विधानसभा नल जल की योजनाएं शीघ्र पूरा हो: धर्मेंद्र कुमार साह**

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य मंत्री श्रवण कुमार एवं मध निषेध मंत्री एनडीए नेताओं एवं पदाधिकारी के साथ छपरा परिसदन बैठक की बैठक में उन्होंने सारण जिले के सभी विधानसभा क्षेत्र की चर्चा एवं विकास की बातें पर प्रकाश डाला एवं एनडीए कार्यकताओं एवं नेताओं की समस्याओं को सुना एवं तत्काल निदान करने का प्रयास किया भाजपा की ओर से महामंत्री विवेक कुमार सिंह और धर्मेंद्र कुमार सिंह छपरा शहर के विभिन्न समस्याओं के तरफ मंत्रियों का ध्यान आकर्षण किया।

छपरा नगर निगम में चल रही नल जल योजनाओं के बारे में बताया कि यह योजना छपरा शहर में आधी अधूरी है जिनके वजह से रोड पर गड्ढे करके छोड़ दिया गया।

इनकी वजह से बढ़िया सड़क भी बर्बाद हो गई तथा शहर में प्रदूषण भी बढ़ गया भाजपा महामंत्री विवेक कुमार सिंह ने साढ़ा पंचायत के प्रभूनाथनगर ,टारी ,उमा नगर सहित शक्ति नगर, कामता सखी मठ इत्यादि बहुत क्षेत्र की चर्चा माननीय मंत्री श्रवण कुमार से कि यहां जल जमाव एवं पानी निकासी की समस्याएं प्रबल रूप से है , तथा इससे संबंधित एक आवेदन माननीय मंत्री ने मांगा तो तुरंत आवेदन माननीय मंत्री को स्वीकृत कराया गया जिस पर मंत्री ने साढ़ा पंचायत को एक करोड़ से ज्यादा रुपए जगह-जगह नाला एवं पानी निकासी के प्रबंध के लिए अपने सचिव को आदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि बहुत जल्द इस प्रकार आरंभ हो जाएगा जिस पर आप लोगों को भी निगरानी रखनी होगी महामंत्री धर्मेंद्र कुमार साह रिविलगंज पंचायत के विभिन्न समस्याओं के निदान के संयुक्त रूप से लिखित रूप से मंत्री को दिया है । एनडीए की बैठक में विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव, जदयू जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू , भाजपा के महामंत्री विवेक कुमार सिंह एवं धर्मेंद्र कुमार साह, लोजपा जिला अध्यक्ष दीपक कुमार, हम जिला अध्यक्ष उज्जवल श्रीवास्तव, रालोमोअध्यक्ष अशोक कुशवाहा ,विशाल सिंह राठौड़ , महेश सिंह, पुरुषोत्तम सिंह गुड्डा, कुसुम देवी, सुरेंद्र सिंह, बैजनाथ सिंह विकल, बड़ी संख्या में एनडीए कार्यकर्ता उपस्थित थे।।

बारह फिट लंबे किंग कोबरा का रेस्क्यू, सुरक्षित वीटीआर जंगल में छोड़ा गया

प्रातः किरण, संवाददाता

बगहा। वनप्रमण्डल 2 स्थित लक्ष्मीपुर गांव से 12 फिट किंग कोबरा सांप का रेस्क्यू किया गया ।बतादें,लक्ष्मीपुर निवासी शिवकुमार राम के घर मे उस वक़्त अफरातफरी मच गई जब विशालकाय किंग कोबरा सांप को परिजनों ने रेंगते हुए देखा ।लोगों की भीड़ देखते देखते घर के आसपास इकट्ठा हो गई ।लोगों में किंग कोबरा सांप को एक झलक देखने की हसरत उनके चेहरों पर देखी जा रही थी ।लोगों ने इसकी जानकारी वन विभाग को दी। वन विभाग ने फौरी तौर पर एक्शन लेते हुए घटनास्थल पर पहुंच गई। रेंजर के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया ।वनप्रमण्डल 2 के रेंजर शिवकुमार राम ने बताया कि सूचना मिलते ही हम दलबल के साथ उक्त स्थल पर पहुंच गए लेकिन रेस्क्यू करने में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा ।एक तो पारिवारिक घर दूसरे अत्यधिक जहरीला सांप का रेस्क्यू करना जोखिम भरा था ।हमने एक्सपर्ट स्नेक केचर शंकर यादव,धर्मेंद्र राम समेत अन्य लोगों की टीम को सावधानी पूर्वक रेस्क्यू का निर्देश दिया ।बतादें की रेस्क्यू की टीम रेंजर के दिशानिदेर्शों को फॉलो करते हुए रेस्क्यू को अंजाम दिया ।वाल्मीकिनगर एयरपोर्ट के समीप बनस्थली स्कूल से रसैल वाइपर सांप के भी रेस्क्यू किए जाने की खबर है। न्यूज संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक ने बताया की किंग कोबरा भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाने वाला सबसे जहरीला सांप माना जाता है ।जिसके एक बार के काटने में अगले जहर से एक सौ 20 लोगों की मौत की क्षमता होती है। इसके एक बार के जहर से एक व्यस्क हाथी की मौत काटने से हो जाती है ।यह घोसला बनाकर अंडे को सेवती है और जब बच्चे होने के समय होता है तो वह बच्चों को छोड़कर चली जाती है

कायाकल्प से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक मांझी ने व्यवस्था परिवर्तन में प्रस्तुत किया मॉडल

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा। कायाकल्प योजना, केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। कायाकल्प योजना का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को स्वच्छ, सुरक्षित और उच्च मानकों के अनुरूप बनाना है। स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता व संक्रमण नियंत्रण संबंधी मानकों को मजबूती प्रदान करना है। जिले के स्वास्थ्य संस्थानों का कायाकल्प योजना के तहत प्रमाणित किया जाना है ।इसी कड़ी में राज्यस्तरीय दो सदस्यी टीम ने मांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मूल्यांकन किया। टीम में राज्य स्वास्थ्य समिति के भावना, यूनिसेफ से राजकमल शर्मा शामिल थे। टीम ने अस्पताल का साफ-सफाई व स्वच्छता संबंधी इंतजाम, मरीजों को मिलने वाली सुविधाएं, संक्रमण नियंत्रण संबंधी उपाय व चिकित्सकीय उपकरणों के रख-रखाव संबंधी इंतजाम का बारिकी से मुआयना किया। दवा की उपलब्धता और रख-रखाव, टीकाकरण, प्रसव कक्ष, एएनसी रूम, पीएनसी रूम, ओपीडी , जांच घर का गहनता से जांच किया गया तथा चिकित्सकों और कर्मियों से टीम ने पूछताछ की। साथ हीं रजिस्टर और डक्यूमेंट की जांच की गयी। बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए विभाग ने मुख्य रूप से तीन तरह की सुविधाओं पर फोकस किया है। जिसके तहत स्वच्छता(हाईजीन), बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, हॉस्पिटल इंफेक्शन, मरीजों के साथ स्वास्थ्य कर्मियों का उत्तम व्यवहार , जिस पर अस्पताल प्रशासन को कार्य करना शामिल है। इस दौरान टीम के सदस्यों ने मौजूद चिकित्सकों, नर्स, एएनएम और सफाई कर्मचारियों से भी पूछताछ की। इस मौके पर जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी रमेशचंद्र कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रोहित कुमार, डॉ. आशुतोष कुमार, बीएचएम राम मूर्ति, बीसीएम विवेक कुमार, बीएमएंडई, सीफार के डीपीसी गनपत आर्यन समेत अन्य चिकित्सक, नर्स, व कर्मी मौजूद थे।

मूल्यांकनकर्ता राजकमल शर्मा और भावना ने बताया कि मांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अन्य स्वास्थ्य केंद्रों की तुलना में व्यवस्था काफी अच्छी है। यहां पर मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सुविधाएं मिल रही है। यहां पर मरीजों के हर जरूरत को ख्याल रखा जा रहा है। छोटी-छोटी कमियां पायी गयी है जिसे दुरूस्त करने का निर्देश दिया गया है। कायाकल्प योजना के अंतर्गत अस्पतालों में स्वच्छता, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, और अस्पताल संक्रमण नियंत्रण जैसे मानकों का पालन अनिवार्य है। इन मानकों के आधार पर अस्पतालों का मूल्यांकन किया जाता है, और अच्छे प्रदर्शन पर उन्हें पुरस्कृत भी किया जाता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों को स्वच्छ और सुरक्षित बनाना, और मरीजों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

मरीजों को मिल रही है सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रोहित कुमार ने कहा, ह्लकायाकल्प योजना से न केवल स्वास्थ्य संस्थानों की छवि में सुधार हो रहा है, बल्कि इससे मरीजों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं भी मिल रही हैं। सीएचसी मांझी इस अंकेक्षण में अपनी प्रतिबद्धता और तैयारियों के साथ खरा उतरेगा। हमारी प्राथमिकता है कि हर मरीज को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में इलाज मिले। अंकेक्षण टीम ने अस्पताल प्रशासन की तैयारियों की सराहना की ।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

नारायण कृषि विज्ञान संस्थान में सात दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम(रोहतास) । गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित नारायण कृषि विज्ञान संस्थान के पादप रोग विभाग द्वारा सात दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का सकुशल समापन आज किया गया। संस्थान के कुलाधिपति गोपाल नारायण सिंह ने कार्यक्रम में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले किसानों, छात्रों एवं अन्य लोगों को उद्यमिता की तरफ कदम ।बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने पादप रोग विज्ञान संस्थान के शिक्षकों को ऐसे रोजगारपरक प्रषिक्षण देने के लिए बधाई दी। संस्थान के निदेशक प्रो० एच के सिंह ने सभी का स्वागत किया एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं से इस प्रशिक्षण के बारे में प्रतिक्रिया ली एवं उनके सहभागिता के लिए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ प्रवक्ता प्रो० अशोक कुमार, प्रो० डी आर सिंह एवं पादप रोग विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ प्रशांत कुमार सिंह एवं डॉ शिवम सिंह समेत अन्य शिक्षकगण उपस्थित थे।

न्यायिक हिरासत में भेजे गए तीन वारंटी

काराकाट(रोहतास) । कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत अलग-अलग गांवों से तीन वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया । थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि प्रमोद कुमार ग्राम बालदेव टोला, बब्लू पासवान ग्राम सोनी टोला और रमेश सिंह ग्राम नुआंव टोला के विरुद्ध सासाराम न्यायालय से वारंट निर्गत था ।जिसमें गिरफ्तार तीनों वारंटियों को जांच के उपरांत सासाराम न्यायिक हिरासत में भेजा गया ।

ट्रैक्टर पर धान के पुआल में छुपाकर ले जा रहे शराब को पुलिस ने किया बरामद,एक गिरफ्तार

काराकाट(रोहतास) । कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घरवासडीह से एक ट्रैक्टर पर धान के पुआल में छुपाकर ले जा रहे 56 लीटर देशी महुआ शराब के साथ एक व्यक्ति अरुण कुमार उम्र 32 वर्ष पिता सुदामा सिंह ग्राम कोठिया थाना इमादपुर जिला भोजपुर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । इसकी जानकारी थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने दी । श्री कुमार ने बताया कि मामले में प्रयुक्त ट्रैक्टर को पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया है । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

काराकाट प्रखंड के रघुनाथपुर गांव में मां भारती की आरती करते ग्रामीण

काराकाट(रोहतास) ।काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रघुनाथपुर गांव में 8 वर्षो से होते आ रही मां भारती की आरती में ग्रामीणों ने जोरशोर से भाग लिया ।उक्त दौरान आरती के प्रति ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया । आरती में उपस्थित ग्रामीणों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि मोथा पैक्स अध्यक्ष कामेश्वर सिंह,अखिलेश्वर पांडेय,उदय पांडेय, पिंटू सिंह ,सुशील पाण्डेय,नंदे सिंह, दिनेश सिंह,के अलावे दर्जनों ग्रामीण मौके पर उपस्थित रहे ।

वाहन चेकिंग दौरान पुलिस को चोरी की बाइक मिली,मामले में आरोपी गिरफ्तार

बिक्रमगंज(रोहतास) । नटवार-दिनारा मुख्य पथ पर इंदु तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज के समीप वरीय अधिकारी के दिशा- निर्देश पर स्थानीय थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था । जिस दौरान पुलिस को वाहन चेकिंग के क्रम में चोरी की बाइक मिली, मामले में पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार । इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि नटवार-दिनारा मुख्य पथ पर इंदु तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज के समीप स्थानीय थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल के जवानों द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था । जिस क्रम में चोरी के बाइक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया ।उन्होंने कहा कि वाहन चेकिंग के क्रम में बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर जब मिलाया गया तो बाइक चोरी का निकला । श्री कुमार ने बताया कि आरोपी भोजपुर जिला अंतर्गत बिहियां थाना क्षेत्र के खरौनी निवासी दिनेश चंद्र वर्मा के 20 वर्षीय पुत्र विकास कुमार बताया जाता है । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया । उन्होंने बताया कि चोरी किए गए बाइक को पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया है ।

डीएम और एसपी ने बीपीएससी की 70वीं संयुक्त परीक्षा को निष्पक्ष और कदाचारमुक्त संचालित कराया

प्रातः किरण संवाददाता

आरा ।जिला पदाधिकारी-सह-जिला दंडाधिकारी, भोजपुर एवं पुलिस अधीक्षक, भोजपुर द्वारा समाहरणालय सभागार में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा के स्वच्छ, निष्पक्ष और कदाचार मुक्त संचालन हेतु संयुक्त रूप से ब्रीफिंग की गई।

यह परीक्षा 13-12-2024, गुरुवार को एकल पाली में, मध्याह्न 12:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक भोजपुर जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इन केंद्रों में आरा अनुमंडल मुख्यालय में 32, पीरो अनुमंडल मुख्यालय में 01 एवं जगदीशपुर अनुमंडल मुख्यालय में 06 परीक्षा केंद्र होंगे, जिनके माध्यम से कुल 39 केंद्रों पर परीक्षा संपन्न होगी।

ब्रीफिंग में सभी दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं केंद्राधीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे कैलकुलेटर, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, वाई-फाई गैजेट, इलेक्ट्रॉनिक पेन, पेजर आदि न ले जाएं। इसके लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की अच्छी तरह से तलाशी ली जाएगी। साथ ही, परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के ढाई घंटे पूर्व, यानी 9:30 बजे से 11:00 बजे तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। 11:00 पूर्वाह्न से लेकर परीक्षा समाप्ति तक किसी भी परीक्षार्थी को बिना अनुमति के परीक्षा हॉल छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

परीक्षा के दौरान किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष का गठन किया गया है, जिसका दूरभाष संख्या 06182-248702 है ।इस ब्रीफिंग में जिले के वरीय पदाधिकारी,सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी ,पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

प्रखंड के मोहनी गांव में विशेष पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास)। कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज ने प्रखंड के मोहनी गांव में एक विशेष पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया ।जिसका उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में पशुओं की सेहत से संबंधित समस्याओं को हल करना था ।इस शिविर में स्थानीय किसानों और पशुपालकों को उनके पशुओं की उचित देखभाल,रोगों से बचाव और उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई ।शिविर का उद्घाटन केविके बिक्रमगंज के प्रमुख डॉ.शोभा रानी ने किया ।

उन्होंने पशु स्वास्थ्य के महत्व को बताते हुए कहा कि स्वस्थ पशु न केवल किसानों की आय बढ़ाते हैं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करते हैं ।उन्होंने पशुपालकों से अपने पशुओं की नियमित जांच और टीकाकरण कराने की अपील की ।शिविर में विशेष रूप से कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ आर के जलज , संजू कुमारी एवं पशु चिकित्सक रंजन पार सारथी मौजूद थे ।जो गाय,भैंस, बकरी और अन्य घरेलू पशुओं का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर रहे थे ।शिविर में एक मोबाइल पशु चिकित्सालय भी मौजूद था ।जो दूर-दराज के क्षेत्रों में पशुपालकों तक चिकित्सा सेवाएं पहुंचा रहा था ।इस मोबाइल पशु चिकित्सालय में आवश्यक चिकित्सा उपकरण और दवाएं रखी गई थीं । जिससे पशुपालक अपने पशुओं को तत्काल इलाज करवा सके और उन्हें त्वरित चिकित्सा सहायता मिल सके । इसके अलावा पशुओं में आम तौर पर होने वाली बीमारियों जैसे बर्ड फ्लू, दस्त, बुखार और त्वचा रोगों के बारे में किसानों को जागरूक किया गया । कार्यक्रम में पशुपालकों को खुराक, आहार और दवाओं के उचित उपयोग के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई ।उसके अलावा पशुपालकों को क्रिमीनाशक एवं मिनरल मिक्सचर इत्यादि दवा का वितरण किया गया ।किसानों को यह समझाया गया कि पशुओं को स्वस्थ रखने के लिए केवल डॉक्टर की सलाह ही नहीं बल्कि नियमित देखभाल और सही आहार भी बेहद महत्वपूर्ण है ।

भारतीय परिधान में सजे पीजी टापर्स पर बरसा सोना

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय का छठा दीक्षा समारोह में वैश्य समाज परिवार की बेटी रूपाली रानी पिता स्वर्गीय गौतम प्रसाद आरण्य देवी अस्थान आरा रहने वाली है जिसे बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से गोल्ड मेडल प्राप्त किया। गोल्ड मेडल प्राप्त कर अपने परिवार को आभार प्रकट किया और कहां की आज मैं बिहार के राजपाल से गोल्ड मेडल प्राप्त कर हमें बहुत खुशी हुई मेरे पिताजी का सपना पूरा हुआ जो इस दुनिया में मेरे पिताजी नहीं रहे आज वह धरती पर रहते तो कितना खुश होते हैं मगर अपने परिवार भाई-बहन माता को बहुत-बहुत इसके लिए आभार प्रकट करती हूं जिन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने में उनका सहयोग रहा गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर मोहल्ले वासियों ने दी उनके घर पर जाकर दिया शुभकामनाएं।

रैफ के 114 वीं बटालियन में स्ट्रेस एलिमिनेशन कोर्स का हुआ समापन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। ह्यद आर्ट ऑफ लिविंगह्व द्वारा गुरुवार को रैफ के 114 वीं बटालियन के हेडक्वार्टर में स्ट्रेस एलिमिनेशन कोर्स का समापन हुआ। बीते शनिवार से शुरू हुई ह्लद आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा आयोजित स्ट्रेस एलिमिनेशन कोर्स का समापन गुरुवार को हुआ। कार्यक्रम का समापन 114 वीं बटालियन के कमांडेंट अश्वनी कमार झा द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि कोर्स का उद्देश्य जवानों को तनाव से मुक्ति दिलाना और मानसिक शांति प्रदान करना था। यह कोर्स विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा संचालित किया जा रहा था। कार्यक्रम के दौरान कोर्स संचालक पुष्पक कुमार और ब्रह्मचर्य आत्मरूप जी ने जवानों को 6 दिनों तक योग, ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से तनाव को कम करने की गुर सिखाए। इस कोर्स के माध्यम

पुलिस ने ट्रक पर लदे लाखों का शराब किया बरामद

प्रातः किरण संवाददाता

आरा।जिले के पटना-बक्सर हाईवे पर कुल्हड़िया टोल के समीप से मद्य निषेध इकाई और कोईलवर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर ट्रक में छिपा कर ले जाई जा अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस ने ट्रक के साथ दो चालक को भी गिरफ्तार किया गया। कोईलवर थाना के प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि मद्य निषेध इकाई को गुप्त सूचना मिली थी कि हरियाणा-चंडीगढ़ से ट्रक में कपड़े के कतरन के बीच छिपाकर शराब लायी जा रही है। जिसके बाद कोईलवर पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए कोईलवर थानाध्यक्ष नरोतमचन्द्र, एसआई जितेंद्र तिवारी समेत अन्य पुलिस अधिकारियों की टीम ने टोल पर वाहन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। चेकिंग के दौरान ट्रक में कपड़े के कतरन के बीच रखी भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद हुआ। जिसके साथ दो वाहन चालक को भी पुलिस ने पकड़ा है।एसडीपीओ-2 ने बताया कि जब्त शराब इम्पीरियल ब्लू ब्रांड के हैं। जिसकी मात्रा 2871 लीटर है। जप्त शराब की बाजार में अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है।वही गिरफ्तार चालक शिवम कुमार और आशीष कुमार शर्मा दोनों यूपी के बुलन्दशहर के है। जिनके पास से नौ हजार रुपये नगद और दो मोबाइल फोन जब्त किया गया है।यह शराब की डिलवरी मुजफ्फरपुर टोल पर किसी को देना था। जहां से दूसरा हैंडलर उसे गंतव्य स्थान तक पहुंचाता। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार चालको से पूछताछ कर रही है।

अज्ञात वाहन के टक्कर से कपड़ा फेरीवाला बुरी तरह हुआ जख्मी, स्थिति चिंताजनक

■ परिजनों ने लूटपाट का जताया आशंका, स्थानीय पुलिस जांच में जुटी

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) थाना क्षेत्र के घोसिया कलां पंचायत के कांडाडीह रोड़ में विगत दिन घटी घटना में एक कपड़ा फेरीवाला बुरी तरह जख्मी हालत में मिला। जो जख्मी कपड़ा विक्रेता शिवम कुमार, ग्राम अलीगंज, पोस्ट इमिरता, थाना सूर्यपुरा का निवासी बताया जा रहा है। जिस घटना के संदर्भ में जख्मी फेरीवाले के परिजनों ने बताया कि विगत मंगलवार को शिवम घोसिया कलां पंचायत में कपड़ा बिक्री के लिए गया था। इसी क्रम में किसी के द्वारा सूचना मिली कि कांडाडीह गांव रोड़ में किसी अज्ञात वाहन ने दोपहर करीब 4 बजे उसके बाइक में टक्कर मार दिया है। जिस घटना में वह बुरी तरह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर तड़प रहा था। जिस घटना की सूचना स्थानीय ग्रामीण लोगों को मिलते ही आनन फानन में घटनास्थल पर पहुंच 112 पुलिस को सूचना दिया। जिसके बाद घटनास्थल पर पुलिस ने पहुंच कर जख्मी युवक को बिक्रमगंज अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ईलाज कर रहें डॉक्टरों ने युवक की स्थिति चिंताजनक देखते हुए रेफर कर दिया। जिसके बाद परिजनों ने उसे ईलाज के लिए जिला के जमुहार अस्पताल में भर्ती कराया है। जिसकी स्थिति अभी चिंताजनक बताया जा रहा है। दूसरी तरफ देखा जाए तो घटना को अंजाम देने बाद आरोपी चालक उसे अस्पताल तक नहीं पहुंचाएं। जिस घटना में जख्मी युवक का मोबाइल व उसके पैकेट से रुपए भी गायब थे। जिससे आशंका व्यक्त की जा रही है कि घटना को अंजाम देने वाले ही मोबाइल और पैकेट में रखे रुपए भी ले भागे हैं। जिसके बाद परिजनों द्वारा अनुमान लगाया जा रहा है कि लूटपाट की नियत से इस घटना को अंजाम दिया गया है। जो वाहन चालक संभवतः उसी गांव के रहने वाले हो सकते हैं। जबकि इस संबंध में थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि सूत्रों से मिली जानकारी तहत यह घटना ट्रैक्टर के डाले के खुलने से होने की बात कही जा रही है। लेकिन अभी तक परिजनों द्वारा को इस घटना के संदर्भ में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है। इसके बावजूद भी घटना की जांच में स्थानीय पुलिस जुट गई है।

निर्विरोध डेलिगेट निर्वाचित होने पर लोगों ने दी बधाई

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) । बिस्कोमान पटना के अध्यक्ष के होने वाले चुनाव के लिए बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र से संझौली प्रखंड के चांदी इंग्लिश पैक्स अध्यक्ष विजय राय को निर्विरोध डेलिगेट चुने जाने पर लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

गौरतलब हो कि जिले के बिस्कोमान भवन में डेलीगेट का चुनाव गुरुवार को संपन्न हुआ। बिस्कोमान के निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला कृषि पदाधिकारी नयन प्रकाश ने बताया कि डेलीगेट का चुनाव शांति पूर्ण तरीके से हुआ। पुलिस बल व दंडाधिकारी की उपस्थिति में चुनाव कराया गया है। चुनाव के लिए सुबह से हीं नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी थी। इसमें संझौली प्रखंड के चांदी इंग्लिश पैक्स अध्यक्ष विजय राय सहित सभी 11 डेलिगेट का निर्विरोध चुन लिया गया। बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र से एक मात्र विजय राय का डेलिगेट के लिए चयन होने से लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है ।बधाई देने वालों में व्यापार मंडल बिक्रमगंज अध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह उर्फ जवाहर सिंह, डा. कमेंद्र सिंह, भाजपा नेता मनीष रंजन सिंह, खैरा भूधर पैक्स अध्यक्ष सुनिल सिंह, प्रभात कृष्ण रंजन, जमोढी पैक्स अध्यक्ष बलवंत सिंह, नोनहर पैक्स अध्यक्ष अमन राज, चंदन कुमार, विशाल कुमार सहित कई लोग शामिल है।

चौथे दिन भी विद्युत विपत्र सुधार से सम्बंधित समस्याओं का ऑन स्पॉट हुआ समाधान

बिक्रमगंज(रोहतास) ।बिजली से संबंधित शिकायतों व उसके निवारण को लेकर बिजली विभाग के कनीय विद्युत अभियंता बिक्रमगंज नवदीप कुमार की अगुवाई में प्रखंड क्षेत्र बिक्रमगंज के पंचायत सरकार भवन घुसियां खुर्द में गुरुवार को शिविर का आयोजन किया गया ।उक्त शिविर में कुल 31 आवेदन प्राप्त हुए एवं कैंप स्थल पर हीं 9 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है । इस शिविर में लगभग तीन दर्जन उपभोक्ताओं ने आवेदन देकर अपनी-अपनी समस्याएं रखी ।शिविर को लेकर सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में 14 दिसंबर तक शिविर का आयोजन किया जाएगा ।शिविर के माध्यम से उपभोक्ताओं के नए घरेलू और कृषि विद्युत कनेक्शन लेने, पोल संबंधित शिकायत,खराब मीटर बदलने व स्मार्ट मीटर संबंधित शिकायत के अलावा नाम और पता से संबंधित शिकायत आदि का आवेदन लिया जा रहा है ।जिसका ऑन स्पॉट सुधार संभव है समाधान भी किया जा रहा है तथा जो भी उपभोक्ताओं का सुधार कैम्प स्थल पर संभव नही है ।उनका विपत्र निरीक्षण के पश्चात अधिकतम सात दिनों के अंदर सुधार करते हुए सुधारा गया विपत्र उपभोक्ता को हस्तगत करा दिया जाएगा । मौके पर प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी सलोनी चतुवेर्दी,बिजली विभाग के कर्मी,सुपरवाइजर संदीप कुमार व लाइनमैन अविनाश कुमार आदि मौजूद थे ।

नो एंट्री को लेकर बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं थानाध्यक्ष दिखे सख्त, वसूला जुर्माना

बिक्रमगंज(रोहतास) ।बुधवार की देर संध्या अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय एवं थानाध्यक्ष ललन कुमार शहर में लगे नो एंट्री को लेकर दिखे सख्त,वसूला जुमार्ना ।जानकारी देते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने बताया कि बुधवार की देर संध्या नो एंट्री में पास हो रहे भारी वाहनों को लेकर औचक निरीक्षण किया गया ।जिस क्रम में भारी वाहनों से करीब 78 हजार 500 का स्थानीय पुलिस के द्वारा ऑनलाइन चालान काटा गया ।उन्होंने बताया कि उक्त क्रम में बालू लदे ट्रक से गिर रहे पानी को लेकर चार ट्रक को जब्त किया गया है ।बताया कि जब्त चारों ट्रक को पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया है ।मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय,थानाध्यक्ष ललन कुमार,स्थानीय थाना के पुलिस पदाधिकारी,ट्रैफिक पुलिस सहित पुलिस बल के जवान मौजूद रहे ।

विभिन्न स्थानों से तीन हुए गिरफ्तार

दावथ(रोहतास) पुलिस अधीक्षक रोहतास के द्वारा शराबबंदी के खिलाफ चलाए जा रहा है सघन जांच अभियान के तहत आज दावथ थाने की पुलिस ने विभिन्न स्थानों से तीन लोगों को किया गिरफ्तार ।इसकी जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष दावथ कृपाल जी ने बतलाया कि शराब के नशे में विनय कुमार पिता राजेंद्र चौधरी ग्राम कोवाथ थाना दावथ जिला रोहतास को गिरफ्तार किया गया जिस सम्बन्ध में दावथ थाना अप्राथमिकी संख्या 24/24 दिनांक 11.12.24 दर्ज करते हुए अग्रतर करवाई की जा रहीं है 'तो वहीं दावथ थाना कांड संख्या 106 भाग 24 दिनांक 2 अप्रैल 24बिहार मध्य निषेध एवं उत्पाद संशोधन अधिनियम 2022 के प्राथमिक अभियुक्त सिकंदर पासवान पिता हरि भजन पासवान ग्राम हथडीहा थाना दावथ जिला रोहतास को गिरफ्तार कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।एक अन्य मामले में इश्तेहार/कुर्की वारंटी पुनपुन पाठक पिता बबन पाठक ग्राम पटखोली थाना दावथ जिला रोहतास को गिरफ्तार किया गया है जिसमें पुलिस अग्रेतर कार्रवाई की जा रहीं हैं

अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ केएन सिन्हा ने स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । आशा कार्यकताओं का प्रशिक्षण में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वय हेतु आशा कार्यकताओं को विभिन्न तरह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण अभी, आरा सदर ब्लॉक एवं अगिआंव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के आशा कार्यकताओं को दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण गौसगंज के एक स्थानीय होटल के सभागार में हो रहा है ।डॉ सिन्हा ने पाया कि 6 प्रशिक्षक आशा कार्य कताओं को ट्रेनिंग दे रहे हैं ।ये हैं मनोज कुमार द्विवेदी भोजपुर से, सुनील कुमार तिवारी मुजफ्फरपुर ,निखिल कुमार पटना ,कुमारी सुनीता सिंह जहानाबाद ,अनिता कुमारी रोहतास और संजय कुमार महतो सारण से ।दो बैच में तीन-तीन प्रशिक्षक दोनों बैच को ट्रेनिंग दे रहे हैं।

डॉ सिन्हा ने प्रशिक्षण को संतोषजनक बताया एवं कहा कि सभी आशा कार्यकर्ता बेहिचक कोई भी बात समझ में नहीं आए तो पूछ ले और पूर्ण रूप ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त करें ।प्रशिक्षक से कहा कि आशा कार्यकताओं से बीच-बीच में प्रश्न करते रहे एवं प्रशिक्षण के अंत में उनका परीक्षा जरूर लिया जाए। डॉ सिन्हा ने कहा कि सारे कार्यक्रमों को सुदूर क्षेत्र में आप ही योजनाओं को कार्यवनवय करती हैं इसलिए आपकी जिम्मेदारी विशेष रूप से है अपनी बीमारी को समझते हुए प्रशिक्षण लें और कार्य अच्छा से अच्छा कर समाज को स्वस्थ बनाएं।

संदेश : सरकारी अस्पताल से मुंह फेरने वालों के लिए बीडीओ की पत्नी बनी लोगों के लिए प्रेरणाश्रोत

■ काराकाट सदर अस्पताल में बीडीओ ने अपनी पत्नी का करवाया डिलीवरी

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) सरकारी अस्पतालों के प्रति आमजन की बनी अवधारणा को दूर करने के लिए काराकाट प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने अनूठी पहल की है। उन्होंने अस्पताल की सुरक्षित प्रसव व्यवस्था का जिले के नागरिकों को संदेश देने के लिए अपनी पत्नी डॉ. पूजा को प्रसव कराने के लिए बुधवार की सुबह लगभग सात बजे सासाराम के सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां दोपहर एक बजकर 33 मिनट पर उनको पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई।

जहां जच्चा व बच्चा दोनों स्वस्थ है। डॉ. शुर्भी के द्वारा सदर अस्पताल के ओटी में सीजेरियन आपरेशन से कराए गए ।जहां सुरक्षित प्रसव के बाद जच्चा व बच्चा दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं।

बीडीओ ने बताया कि सरकारी व्यवस्था पर लोग विश्वास नहीं करते है लेकिन सरकारी अस्पताल में काफी अच्छी व्यवस्था है ।वर्तमान समय में सरकारी अस्पताल की बहुत सारी व्यवस्था सरकार द्वारा प्रदत्त है ।

हमें सरकारी व्यवस्था पर पूरा भरोसा है जिसके कारण सरकारी अस्पताल में प्रसव करना मुनासिब समझा जो काफी सराहनीय साबित हुआ ।पुत्र रत्न की प्राप्ति पर जिला अपर समाहर्ता चंद्रशेखर प्रसाद सिंह सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ताओं व प्रखंड के जनता ने बधाई दी।

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान शिविर हुआ संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

नोखा (रोहतास)। स्थानीय शहर के पीएनबी शाखा तहत ब्यूटी पार्लर मैनेजमेंट का प्रशिक्षण दिया गया। जिसका प्रशिक्षण 30 दिवसीय रहा। इस प्रशिक्षण के ट्रेनर श्रीमति ऋतु पाल द्वारा प्रशिक्षण में ट्रेडिंग और आइब्रो शेपिंग, वैक्सिंग फ्रेंच पेडीक्योर अरोमा थेरेपी और मुंहासों का उपचार एवं दुल्हन सजावट इत्यादि से जुड़ी जानकारी प्रशिक्षणार्थियों को दिया गया। संस्थान के निदेशक राकेश कुमार उपाध्याय बैंक से जुड़ी जानकारी लेने हेतु सभी जानकारी को प्रशिक्षणार्थियों को दिया। जिसका गुरुवार को प्रवीण कुमार, मंडल प्रमुख पंजाब नेशनल बैंक औरंगाबाद एवं आरसेटी के निदेशक राकेश कुमार उपाध्याय के द्वारा प्रमाण पत्र वितरण किया गया। साथ ही सभी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपना रोजगार करे बैंक हर संभव आपको मदद करेगी। उक्त अवसर पर संस्थान के संकाय रुस्तम अली, कार्यालय सहायक विकाश कुमार, प्रियांशु कुमार संजीत कुमार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थें।

बथानी में रोजगार-सह-मार्गदर्शन मेला का आयोजन

मुख्य अतिथि विधायक अतरी विधान सभा रजीत यादव ने मेले का किया उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

गया। ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को रोजगार, कौशल प्रशिक्षण के साथ स्वरोजगार या रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिहार ग्रामीण समिति जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति जीविका द्वारा दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत नीमचक बथानी प्रखंड परिसर के समीप पार्क में रोजगार-सह-मार्गदर्शन मेले का आयोजन किया गया है।मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक अतरी विधान सभा रजीत यादव के द्वारा किया गया है। इस अवसर पर ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक सुनील कुमार, प्रबंधक रोजगार विमलेश विक्रांत, बीपीएम विनीत कुमार श्रीवास्तव एवं अन्य लोग उपस्थित थे। विधायक अतरी ने मेले के आजोजन पर खुशी जाहिर की एवं युवाओं को रोजगार के अवसरों का लाभ लेने को कहा है। जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक आचार्य मम्मट सहित, प्रबंध वित्त समोद कुमार प्रणव, प्रबंधक सूक्ष्म वित्त ब्रजेश कुमार, प्रबंधक संचार दिनेश कुमार, प्रशिक्षण अधिकारी शंभु प्रसाद में मेले में उपस्थित हो युवाओं एवं जीविका दीदियों को प्रेरित किया है। जिला परियोजना प्रबंधक ने कहा कि योजना के माध्यम से हमारी कोशिश है कि अधिक से अधिक सुदूर क्षेत्रों में रोजगार मेले का आयोजन कर युवाओं को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जाये। मैं बेरोजगार युवाओं से कहना चाहूंगा कि यदि रोजगार आपके रूचि के अनुसार मिल रहा है तो निःसंकोच इसे अपनाये और आगे बढ़ने का प्रयास करें। यदि प्रशिक्षण लेना है तो प्रशिक्षण लेकर कुछ करें इस रोजगार मेला में कुल 904 युवाओं ने निबंधन कराया जिसमें से 524 युवाओं का चयन रोजगार हेतु प्रस्ताव पत्र हेतु किया गया है। ग्रामीण युवाओं ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना अंतर्गत निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण हेतु भी निबंधन कराया है। इसके साथ ही ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान में स्वरोजगार हेतु पंजीयन भी युवाओं ने निबंधन कराया गया है। मेले में युवाओं को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसरों की जानकारी के साथ-साथ स्वरोजगार करने के विषय में भी जानकारी दी गई है। प्रबंधक रोजगार विमलेश विक्रांत ने मंच से डीडीयू-जीकेवाई के विषय में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी है। रोजगार मेले में मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, शिव शक्ति बायोटेक, इन्फोवेल्ली, होप केयर, साही एक्पोर्ट आदि कई कंपनियों ने भाग लिया है। इसके साथ ही जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, डीआरसीसी एवं पूजा एजुकेशन सोसाइटी भाग लिया है। जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र तथा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान से युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण का परामर्श प्राप्त हुआ है। बीपीएम बथानी ने स्थानीय लोगों सहित, सभी पीआईए, कंपनियों, अधिकारीयो, कर्मियों, रोजगार सेवा प्रदाताओं का ध्यावाद ज्ञापित किया है। मेले में अधिकारियों सहित स्थानीय जीविका दीदियों, क्षेत्रीय समन्वयक, सामुदायिक समन्वयक, अन्य जीविका परियोजना कर्मियों, रोजगार साधन सेवियों सहित अन्य लोगों ने भाग लिया है। परियोजना कर्मी नितीश कुमार, निभा कुमरी, पूनम कुमारी, रीना कुमारी, सुनीता कुमारी, भारती, गगन भारद्वाज, अल्पेश कुमार, जीत कुमार, सतीश कुमार, धर्मराज कुमार कुमार संजीत कुमार, रामबहादुर, रंजीत कुमार एवं अन्य कैडरों ने भी मेले के आयोजन में अपना योगदान दिया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में बड़ी सक्रियता से निभायेंगें पैनल अधिवक्ता अपनी भूमिका : सचिव

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, सुकुल राम द्वारा आज जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रकोष्ठ में जिला विधिक सेवा प्राधिकार अन्तर्गत सूचीबद्ध सभी पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक आयोजित की गयी जिसमें सचिव के द्वारा पैनल अधिवक्ताओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा प्रदान की गयी भूमिका को सराहा गया तथा कहा गया कि निःशुल्क विधिक सहायता में आपकी भूमिका काफी अहम है और आप लोग इसे निरंतर करते आ रहे हैं।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगो का हक और अधिकार से अवगत कराने के लिए आप लोग अपने क्षेत्र में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हुए समुचे क्षेत्र के लोगो को लाभान्वित करतें हैं जिससे कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रति लोगों में काफी विश्वास पैदा हुआ है और इस कार्य को आप लोगो को निरंतर करते रहना है।

सचिव द्वारा सभी पैनल अधिवक्ताओं को राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने स्तर से पहल करते हुए अधिक से अधिक सुलहनीय वादों के निस्तारण के लिए सक्रिय सहभागिता हेतु निदेशित किया गया साथ ही उन्हें आगामी 14 दिसम्बर, 2024 को आयोजित वर्ष के अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक सुलहनीय आपराधिक वादों को अपने स्तर से निष्पादन करवाने का निर्देश दिया गया ताकि यह राष्ट्रीय लोक अदालत यादगार साबित हो सके। जिसपर सभी पैनल अधिवक्ताओं ने अपने स्तर से पहल करते हुए सुलहनीय वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक निस्तारण कराने में अपनी पुरी क्षमता के साथ सहयोग करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सहमति प्रदान करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया गया। सचिव द्वारा बताया गया कि 14 दिसम्बर 2024 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है और 12 बेंच के माध्यम से वादों का निस्तारण किया जाएगा।

दलित परिवारों को नही उजाड़े सरकार :दिलीप कुमार सिंह

प्रातः किरण संवाददाता

गया। डेल्हा स्थित धनिया बगीचा के पास रेलवे के जमीन में बसे दलित महादलित परिवार जो रेलवे के जमीन में झोपड़ी बनाकर अपना गुजारा कर रहे हैं रेलवे के विकास हेतु उनको रेलवे के जमीन से रेलवे के पदाधिकारी के द्वारा हटाया जा रहा है। इसकी जानकारी पाते ही लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह अपने साथियों के साथ दलित महादलित परिवार से मुलाकात करने पहुंचे हैं।उन्होंने सभी दलित परिवारों में जाकर मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और सारी वस्तु स्थिति से अवगत होकर उन्होंने शासन प्रशासन से खासकर बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान एवं हम पार्टी के संरक्षक केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी एवं एनडीए गठबंधन के सभी वरिष्ठ नेताओं से उन्होंने आग्रह पूर्वक मांग किया है कि जिस तरह से दलित और महादलित परिवार को जोर जबरदस्ती से रेलवे के पदाधिकारी के द्वारा हटाया जा रहा है। मैं शासन प्रशासन से अनुरोध करता हुँ कि दलित महादलित परिवार को सरकारी योजना के तहत तीन डिसमिल जमीन देने की जो योजना है उसके अनुसार गया शहर में दूसरे जगह पर इन लोगों को पहले बस दिया जाए तो यह स्थान खाली हो जाएगा अभी ठंड के समय में इन्हें बेघर करने से इनको काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। वहीं जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह के साथ जिला उपाध्यक्ष भोला पासवान, मुन्ना पासवान, आईटी सेल जिला अध्यक्ष अमन त्रिपाठी ,बबलू सिंह आदि तमाम साथी उपस्थित रहे हैं।

डॉक्टर नीरज कुमार के भगिना ने क्लैट में प्राप्त किया ऑल इंडिया में 30 वां रैंक

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज (सीएनएलयू) ने कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट क्लैट 2025 का रिजल्ट जारी होने के बाद शहर के एपी कॉलोनी में रहनेवाले वरीय चिकित्सक डॉ नीरज कुमार के परिजनों में खुशी की लहर है।डॉ नीरज कुमार के भगिना श्रेयांस सिंह ने क्लैट में ऑल इंडिया में 30 वां स्थान प्राप्त किया है ।युवा स्टूडेंट की उपलब्धि को लेकर शांति निकेतन एकेडमी के डायरेक्टर हरि प्रपन्न उर्फ पप्पू, अर्श हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ नवनीत निश्चल, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ क्रांति किशोर, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ ऋषिकेश कुमार सहित अन्य वरीय चिकित्सकों ने डॉ नीरज कुमार को बधाई दी है।इधर, डायरेक्टर हरि प्रपन्न ने बताया है कि श्रेयांस सिंह नवादा जिले के नरहट थाने के हासापुर गांव के रहनेवाले हैं ।लेकिन, इनके पिता विनोद कुमार नयी दिल्ली स्थित वाटर बोर्ड में पोस्टिंग होने के कारण पूरा परिवार नयी दिल्ली में शिफ्ट कर गया है हालांकि, कोरोना की दूसरी लहर के दौरान श्रेयांस सिंह के पिता विनोद कुमार गंभीर बीमारी से ग्रसित हो गये थे हालांकि, उन्हें बेहतर इलाज को लेकर गया से लेकर पटना स्थित पारस हॉस्पिटल तक भर्ती कराया गया है।. लेकिन, होनी को कुछ और ही मंजूर था और विनोद कुमार की मौत हो गयी है इसके बावजूद श्रेयांस सिंह ने हार नहीं मानी और अपने मामा डॉ नीरज कुमार से प्रेरित होकर लगातार अपने कैरियर के प्रति सक्रिय रहे और अंततः क्लैट में ऑल इंडिया में 30 वां स्थान प्राप्त किया है।

गया शहर के विकास के लिए धन का सही उपयोग नही कर रही है नगर निगम : पूर्व विधान पार्षद

गया ।भाजपा के वरीय नेता सह पूर्व विधान पार्षद कृष्ण कुमार सिंह उर्फ कुमार वाबू ने गया नगर में निगम असंतुलित विकास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि भारत सरकार के द्वारा गया शहर के विकास के लिए धन उपलब्ध करा रही है। गया नगर निगम के द्वारा समुचित विकास नहीं हो पा रहा है। गया नगर निगम के द्वारा सभी वार्डो को विकास की राशि बराबर भागों में बांट दिया जा रहा है ।जबकि नया मुहल्ले में बसने वाले लोगों की विकास की राशि बहुत ही जरूरी है। नया मुहल्ला में रोड और नाली का निर्माण आवश्यक है ।नये नये मुहल्ला को सबसे ज्यादा राशि उपलब्ध कराने से शहर में बसने वाले लोगों की सहूलियत होगी। पुराने वार्डो में नली और गली का निर्माण लगभग हो चुका है। जहां आवश्यकता है वहां काम होना आवश्यक है लेकिन बराबर राशि सभी वार्डो में बांटकर सरकारी राशि का दुरूपयोग किया जा रहा है। ईमानदारी पूर्वक शहर के विकास केलिए निगम को थोड़ा कठोर कदम भी उठाने चाहिए ।नये नये मुहल्ला के लोग भी नगर निगम को टैक्स का वहन करते हैं। टैक्स के साथ आम लोगों को निगम के द्वारा सुविधा उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

प्रथम राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त के 50 वीं पुण्यतिथि पर काव्य संवाद

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में भारत के प्रथम राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी की 50 वीं पुण्यतिथि पर काव्य संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र, महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर काव्य संवाद करते हुए जिला उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने कहा कि मैथिलीशरण गुप्त के काव्यों में राष्ट्रीयता की भावना कूट-कूट कर भरी है। भारत-भारती के माध्यम से उन्होंने पूरे भारत में स्वतंत्रता का बिगुल बजाने का कार्य किया था। उनके इस कार्य से खुश होकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें राष्ट्रकवि की उपाधि दी थी ।महावीर प्रसाद द्विवेदी जी की प्रेरणा से उन्होंने खड़ी बोली को अपनी रचनाओं का आधार बनाया। हिंदी कविता के इतिहास में गुप्त जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है ।पवित्रता, नैतिकता और परंपरागत मानवीय संबंधों की रक्षा गुप्त जी के काव्य के प्रथम गुण है जो पंचवटी से लेकर जयद्रथ वध, यशोधरा और साकेत तक में प्रतिष्ठित एवं प्रतिफलित हुए हैं। साकेत उनकी रचना का सर्वोच्च शिखर है।

संक्षिप्त खबरें

केन्द्रीय मंत्री पर आस्था जताकर हम पार्टी की लोगों ने ली सदस्यता

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।नगर प्रखंड अंतर्गत ग्राम बतासपुर कुजापी में पार्टी द्वारा धर्मेंद्र मांझी के अगुवाई में चलाया गया सदस्यता अभियान । दर्जनों ग्रामीणों ने लिया पार्टी का प्राथमिक सदस्यता ग्रहण किया है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नंदलाल माझी ,जिला अध्यक्ष नारायण प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष सुधीर यादव, जिला संगठन सचिव राम सनेही मांझी जिला सचिव राकेश कुमार, रामप्रसाद मांझी ,शेरघाटी प्रखंड अध्यक्ष मनोज मांझी आदि उपस्थित थे।

महासचिव ने शोक संवेदना व्यक्त की

गया । कॉग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सांसद प्रियांका गाँधी ने गया जिला कॉग्रेस अध्यक्ष को पत्र भेज कर शोक व्यक्त किया गया जिला कॉग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष डॉ गगन कुमार मिश्रा के चाचा स्व रविरंजन मिश्र के निधन पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सांसद प्रियांका गाँधी ने पत्र भेज कर गहरी सम्वेदना व्यक्त करते हुए इसके लिए इश्वर से प्रार्थना कर उनके आत्मा को चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की है। गया जिला कॉग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ गगन कुमार मिश्रा और उनके परिवार ने इसके लिए प्रियांका गाँधी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

विधवा की हत्या के आरोपी सात अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एडिजे पांच उमेश प्रसाद ने मुफस्सिल थाना कांड संख्या -11/12,एस .टी. आर -360/12,जी. आर-120/12 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए सभी सातों अभियुक्तों को सजा सुनाई गई है। एपीपी देवीनंदन सिंह ने बताया कि अभियुक्त अमरेन्द्र सिंह,राम ध्यान सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, संजय सिंह, गुड्डू सिंह, साकेत सिंह और निखिल सिंह सभी निवासी बाला कर्मा को आज भादंवि धारा -302/201 में आजीवन कारावास की सजा और पच्चीस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है जुमार्ना न देने पर एक साल अतिरिक्त साधारण कारावास होगी। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि सभी अभियुक्तों को 06 दिसम्बर 2024 को बंधपत्र विखंडित कर जेल भेज दिया गया था। प्राथमिकी सूचक रविरंजन कुमार सिंह ने 180जनवरी 2012 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें कहा था कि जमीन विक्रय विवाद इसका कारण बना था।

मुख्यमंत्री उद्यमी और बिहार लघु उद्यमी योजना के ऋण का डीएम द्वारा किया गया वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। समाहरणालय सभागार मे जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में उद्योग विभाग के अधीन चल रहे विभागीय योजनाओं यथा मुख्यमंत्री उद्यमी योजना एवं बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत ऋण वितरण कैम्प का आयोजन किया गया । मुख्यमंत्री उद्यमी योजना में पाँच आवेदको एवं बिहार लघु उद्यमी योजना में पाँच आवेदकों को सांकेतिक चेक का वितरण जिला पदाधिकारी कुमार गौरव के द्वारा किया गया तथा मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत दो आवेदको को सफल उद्यमी कौशल किशोर शर्मा को आईसक्रीम उत्पादन एवं अविनाश कुमार को मशाला उत्पादन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा ऋण वितरण कैम्प में उपस्थित लाभुकों को सम्बोधित करते हुए बताया गया कि सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गयी राशि को सदूपयोग करते हुए अपने इकाई की स्थापना करें।

जिला प्रशासन एवं उद्योग विभाग हर स्तर पर सहयोग करने हेतु तत्पर है। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत इन्टर उत्तीण शिक्षित बेरोजगार युवक युवतियों को तीन किस्तों में अधिकतम कुल दस लाख रुपए ऋण देने का प्रावधान है ।जिसमें 50 प्रतिशत ऋण एवं 50 प्रतिशत अनुदान है। युवा वर्ग के उद्यमी को मात्र एक प्रतिशत साधारण सूद की दर निर्धारित है। बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2023-24 में जातीय जनगणना में गरीबी रेखा के नीचे गुजर बसर करने वाले गरीब परिवारों का आर्थिक उत्थान को दृष्टिगत करते हुए बिहार लघु उद्यमी योजना प्रारम्भ की गयी।

जिसमें गरीब परिवारों को कुल दो लाख रुपए देने का प्रावधान है। अरवल जिला मे 291 गरीब परिवारों को चयन करते हुए प्रथम किस्त के रूप में पचास हजार प्रति आवेदक के दर से राशि का भुगतान उद्योग विभाग द्वारा कर दी गयी है एवं प्रथम किस्त की उपयोगिता प्रमाण पत्र के जाँचोंपरांत द्वितीय किस्त के रूप में एक लाख रुपए एवं तृतीय किस्त के रूप में पचास हजार रुपए दिया जायेगा। इस ऋण वितरण कैम्प में महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, परियोजना प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

बाल श्रम बाल विवाह मुक्त करने के लिए हम सब मिलकर प्रयास करेंगे:सत्येंद्र कुमार शांडिल्य

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। +2 बालिका उच्च विद्यालय अरवल में राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता विकास पथ विक्रम के सचिव सत्येंद्र कुमार शांडिल्य ने किया। इस दौरान जिला बाल संरक्षण निकाय के सहायक निदेशक संतोष कुमार चौधरी ने कहा की लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए पॉस्को अधिनियम 2012 बाल विवाह निषेध, बाल विवाह मुक्त भारत,अभियान अरवल जिला बाल विवाह मुक्त, मानव तस्करी मुक्त, बाल यौन शोषण मुक्त, बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए लोगो को प्रेरित करिए। संतोष कुमार चौधरी ने कहा बाल श्रम बाल विवाह इन सभी को अरवल जिला से मुक्त करने के लिए हर संभव हम सब मिलकर प्रयास करेंगे ताकि हमारा जिला बिहार में नंबर वन पर होगा ।उन्होंन कहा की विद्यालय के प्रधानाध्यापक का स्कूली बच्चे एवं बच्ची को विद्यालय में सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी होती है साथी उन्होंने यह भी बताया कि बेटियां समाज की शान होती है मां-बाप की हीरा की तरह होती है बेटी मां बाप की सर की ताज होती है। जिला बाल संरक्षण इकाई ने इस राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस कार्यक्रम को सराहनीय कार्य बताए और धन्यवाद किया

मोदी सरकार विद्यार्थियों के लिए हमेशा संवेदनशील रही है:धर्मेंद्र तिवारी

गया। एनआई ओएस 18 माह का डीएलएड करने वाले अभ्यर्थियों को कोर्ट ने अयोग्य माना था ।लेकिन सर्वोच्च न्यायालय में पुनः पुनर्विचार याचिका के बाद योग्य करार देने पर भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के प्रति आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के लगभग 14 लाख छात्र छात्राओं का भविष्य से जुड़ा हुआ यह मामला था जिसमें भारत की सर्वोच्च न्यायालय ने ल्व्रङ्ग२ से डेलेड करने वाले छात्रों का रास्ता साफ कर दिया है देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार चल रही है इन सभी मुद्दों पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी नरेन्द्र मोदी जी बहुत ही संवेदनशील थे उसी का परिणाम है कि देश के भविष्य छात्र छात्रा उत्साह और उमंग से प्रफुल्लित हैं छात्रों के हित में फैसला देने पर बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य प्रोफेसर रामकिशोर सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष राम विनय शर्मा भाजपा जिला उपाध्यक्ष भास्कर कुमार, सविता शर्मा सहित सभी अरवल भाजपा नेताओ सर्वोच्च न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त किया है ल्व्रङ्ग२ छात्रों को बधाई दिया है।

महान निर्देशक ,लेखक एवं निमार्ता रामानंद सागर का पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया गया पुण्यतिथि

गया ।राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनीष पंकज मिश्रा के द्वारा भारतीय सिनेमा और टेलीविजन की दुनिया के एक महान निर्देशक, लेखक और निमार्ता रामानंद सागर जी का पुण्यतिथि पर नमन करते हुए कहा है भारतीय संस्कृति और धर्म को अपनी कृतियों के माध्यम से जीवंत किया है। उनका जन्म 29 दिसंबर 1917 को लाहौर अब पाकिस्तान में में एक संपन्न परिवार में हुआ है। उनका मूल नाम चंद्रमौली चोपड़ा था, लेकिन बाद में वे रामानंद सागर के नाम से प्रसिद्ध हुए हैं ।रामानंद सागर जी को विशेष रूप से रामायण के निर्माण के लिए जाना जाता है, जो भारतीय टेलीविजन का एक ऐतिहासिक शो बन गया है। 1987 में प्रसारित इस धारावाहिक ने भारतीय जनमानस में एक नई आध्यात्मिक चेतना उत्पन्न की। यह शो न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी अत्यधिक लोकप्रिय हुआ और इसे रामायण की कहानियों को घर-घर तक पहुंचाने का श्रेय दिया जाता है। उनके निर्देशन में भारतीय मूल्यों, परंपराओं और धार्मिक महाकाव्यों को बहुत सरल और सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया ।रामानंद सागर जी ने अपने करियर की शुरूआत एक लेखक के रूप में की थी । और उन्हें 1942 में साहित्य के लिए गोल्ड मेडल भी मिला है। उन्होंने कई हिंदी फिल्मों की पटकथा भी लिखी, जैसे आंखें, अरमानआदि।

लोजपा (रा) के प्रदेश प्रभारी संसद अरुण भारती को किया गया भव्य स्वागत

अरवल।पटना से औरंगाबाद जाने के क्रम अरवल में बिहार लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश प्रभारी सह जमुई लोकसभा के सांसद अरुण भारती को प्रदेश महासचिव सुनील यादव एवं जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र रंजन के नेतृत्व में संयुक्त रूप से पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्तओं के साथ अंगवस्त्र एवं फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया ।शानदार स्वागत से अभिभूत होकर सांसद अरुण भारती ने कहा कि कड़ाके की ढंड में मेरे सम्मान में स्वागत के लिए रात्रि में इंतजार करने के लिए आप सभी को हृदय से आभार प्रेषित करता हूं ।उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के तैयारी में सभी कार्यकर्ता जोर शोर से लग जाय , आनेवाला दिन लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास का होगा ।इस मौके पर जिला के संगठन मंत्री रमेश रजक , जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र यादव , जिला प्रवक्ता रविन्द्र कनौजिया , जिला महासचिव रामानंद भगत , जिला सचिव अमित कुमार , जिला कार्यकारिणी के सदस्य रामाकांत पासवान , जिला कार्यकारिणी के सदस्य अंजीत कुमार , जसीम खां , दिनेश यादव , रमेश कुशवाहा , अरवल प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार , अनुरंजन कुमार , सचिन कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए ।

जानिए भारतीय संस्कृति का महत्व समझने वाली स्नेहा वाघ की आध्यात्मिक कहानी

छठी मैया की बिटिया शो में निभा रहीं मुख्य किरदार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। दुनिया की तेज रफ्तार ज़िंदगी में अपनी आध्यात्मिक यात्रा के माध्यम से शांति और उद्देश्य को पाया है। इसी में अभिनेत्री स्नेहा भी शामिल हैं जो फिलहाल सन नियो के शो छठी मैया की बिटिया में छठी मैया का किरदार निभा रही हैं। हाल ही में, स्नेहा ने अपनी इस यात्रा के बारे में खुलकर बात की और बताया कि यह कैसे शुरू हुई और उनके जीवन पर इसका गहरा प्रभाव कैसा रहा।

स्नेहा वाघ ने अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में बात करते हुए कहा,मेरी आध्यात्मिक यात्रा 2016-17 के आसपास शुरू हुई जब मैंने अपने भीतर शांति की तलाश शुरू की। समय के साथ, खासकर पिछले तीन-चार वर्षों में मेरा आध्यात्मिकता के प्रति जुड़ाव और गहरा हुआ। इस दौरान, मैंने भारत के प्राचीन मंदिरों की यात्रा की, वहां की कथाओं और शिक्षाओं को सुना और उनके महत्व को पढ़ा। इन यात्राओं के दौरान, मैंने भारत के दूरस्थ हिस्सों में ऐसे मंदिर खोजे, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। इन अनुभवों ने मुझे महसूस कराया कि हमारा देश संस्कृति और विरासत के मामले में कितना समृद्ध है ।उन्होंने आगे कहा,शुरूआत में मुझे मंदिरों की वास्तुकला ने आकर्षित किया। बाद में, इन मंदिरों में स्थित देवताओं ने मुझे खींचना शुरू किया और यहीं से मैंने पौराणिक कथाओं का अध्ययन करना शुरू किया। पौराणिक कथाओं के माध्यम से, मैंने जीवन और सभ्यता के विकास की व्यापक कहानी से जुड़ाव महसूस किया। इस अहसास ने मेरे विश्वास को मजबूत किया और संस्कृति व सभ्यता के बारे में अधिक जानने की प्रेरणा दी।

स्नेहा वाघ ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर भी अपनी राय दी उन्होंने कहा,आज मैं एक दिलचस्प बदलाव देखती हू जब हम पश्चिमी संस्कृति को अपना रहे हैं, तब पश्चिम के लोग भारतीय परंपराओं को अपना रहे हैं। वे हमारे रीति-रिवाजों के वैज्ञानिक लाभों को प्रमाणित करके उनकी अहमियत को पहचान रहे हैं। इसे देखकर मुझे हमारी विरासत में और गहराई से जाने की प्रेरणा मिली। मैंने भारतीय आध्यात्मिकता के विभिन्न पहलुओं पर पढ़ना और शोध करना शुरू किया, जिसने मुझे आंतरिक शांति और सार्थक जीवन जीने का मार्ग दिखाया। इस यात्रा ने मुझे भारतीय संस्कृति की समृद्धि का एहसास कराया और मुझे इन शाश्वत मूल्यों पर आधारित जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

स्नेहा वाघ ने ह्यछठी मैया की बिटिया शो में देवोलीना भट्टाचार्य की जगह ली है और दर्शक उनके प्रदर्शन से प्रभावित हैं। यह शो, जो सन नियो पर शाम 7 बजे प्रसारित होता है जो वैष्णवी (बृंदा द्वारा अभिनीत किरदार) की कहानी को प्रदर्शित करता है। वैष्णवी एक अनाथ लड़की है जो छठी मैया पर अटूट विश्वास रखती हैं और उन्हें अपनी माँ मानती हैं जो समस्या में अपनी बेटी की सहायता करती हैं।

शो में सारा खान, जया भट्टाचार्य, बृंदा दहल और आशीष दीक्षित जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी शामिल हैं।

दीपक कुमार सिन्हा बने जिला अभियोजन पदाधिकारी

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के जिला अभियोजन पदाधिकारी दीपक कुमार सिन्हा ने आज पदभार ग्रहण किया और न्यायिक कार्य में भाग लिया, जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के सहायक सचिव सतीश कुमार स्नेही ने बुके देकर स्वागत किया। अधिवक्ता ने बताया कि डीपीओ दीपक कुमार सिन्हा यहां से पहले निगरानी विभाग अंवेषण व्युरो पटना के विधि पदाधिकारी थे। अभियोजन पदाधिकारी के रूप में आरा और जहानाबाद कार्य कर चुके हैं। पूर्व जिला अभियोजन पदाधिकारी उमेश कुमार का तबादला जिला अभियोजन पदाधिकारी कटिहार हो गया है। नये जिला अभियोजन पदाधिकारी के पद ग्रहण करने पर लोक अभियोजक पुष्कर अग्रवाल,जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनरायण सिंह, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष संजय सिंह महासचिव सिद्धेश्वर विधार्थी, अनुमंडलीय अभियोजन पदाधिकारी नवीन चतुवेर्दी, संजय सिंह,विकास कुमार सहित अन्य ने शुभकामनाएं सहित बधाई दी है।

पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा द्वारा परिधान सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का हुआ शुभारंभ

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सिंह द्वारा कोनहाराघाट, हाजीपुर स्थित रेलवे कॉलोनी में आज दिनांक 12.12.2024 को ह्यपरिधान सिलाई प्रशिक्षण केन्द्रह्य का शुभारंभ किया गया । इस अवसर पर संगठन की उपाध्यक्षा श्रीमती रंजना कुमार, सचिव श्रीमती मीनाक्षी कुमार, कोषाध्यक्षा श्रीमती अर्चना चौधरी, संयुक्त सचिव श्रीमती प्रियंका सिंह एवं संगठन की अन्य सदस्याएं उपस्थित थीं ।सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र खुलने से रेलवे कर्मचारियों, परिवार के सदस्यों एवं आस-पास के रहने वाले लोगों को उचित दर पर सिलाई प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की जा सकेगी ।

जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने अंचल और प्रखंड कार्यालय का किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददात

मधेपुरा। जिले के कुमारखंड अंचल और प्रखंड कार्यालय का डीएम तरनजोत सिंह ने गुरुवार को पहुंचकर राजस्व से संबंधित सभी कामों का निरीक्षण किया। अपने निर्धारित समय पर करीब 11 बजे अंचल कार्यालय पहुंचे। डीएम ने करीब दो घंटे तक राजस्व से संबंधित दाखिल खारिज, परिमार्जन, नजारत, स्थापना, अग्निकांड, आरटीपीएस अन्य से संबंधित रिकॉर्ड का अवलोकन किया। डीएम ने विभिन्न पंजीयों का अवलोकन करने के दौरान सीओ आकांक्षा से पंजी में जो भी कमी थी उसे तत्काल पूरा कर लेने का आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीओ ने बताया कि पहले से लंबित दाखिल खारिज के करीब 4000 पेंडिंग मामले में से वर्तमान समय में लगभग 1300 मामले पेंडिंग रह गया है। इस दौरान डीएम ने सीओ से परिमार्जन को लेकर लोगों के परिमार्जन से संबंधित कामों का निपटारा तत्काल करने का निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि आम लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध करना ही पहली प्राथमिकता सभी कर्मी व पदाधिकारी की होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आरटीपीएस काउंटर पर लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अपने निरीक्षण के दौरान डीएम अंचल के कामों से संतुष्ट दिखे। इसके बाद डीएम ब्लॉक परिसर स्थित ब्लॉक, कृषि, मनरेगा, आईसीडीएस सहित अन्य आफिस का भी निरीक्षण कर वहां चल रहे काम को देखा और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान वरीय उपसमाहर्ता अरुण कुमार सिंह, सहायक भू-अर्जन पदाधिकारी, ओएस पंकज कुमार, सीओ आकांक्षा, बीडीओ प्रियदर्शी राजेश पायरट, पीओ भोला दास, सीडीपीओ अजहर इमाम, अंचल नाजिर साहिद अली, बड़ा बाबु अवन कुमार, मनिंद्र कुमार, जितेन्द्र झा, ब्लॉक नाजिर सुमित आनंद, संजीव कुमार, एसआई दीनानाथ सिंह, एस आई गणेश पासवान, एएसआई राकेश पाण्डेय, एएसआई परशुराम प्रसाद सहित अन्य पदाधिकारी व कर्मी आमलोग मौजूद थे।

बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव ने शिक्षकों को कराया अपनी गलतियों का एहसास

प्रातः किरण संवाददात

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा)। अनुमंडल क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय पुरैनी में प्रधानाध्यापक के गैर जिम्मेदार हरकत सामने आया जहां दसवीं के 353 बच्चों और 12वीं के 62 बच्चों का फॉर्म भरने के लिए शुल्क लेकर प्रधानाध्यापक मनजीत मौर्य फरार हो गया। इसके विरुद्ध बच्चों ने कई दफा एस एच 58 को जाम करते हुए प्रधानाध्यापक के खिलाफ नारेबाजी की। उक्त घटना को लेकर छात्र नेता राहुल यादव अपने अथक प्रयास करते हुए सभी बच्चों को लेकर विधायक सह बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव के आवास पर पहुंचे। विधायक छात्र-छात्राओं और छात्र नेता राहुल यादव की बातों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर जी से बात करते हुए कहां की सभी छात्र-छात्राओं के लिए एक दफा फिर वेबसाइट खुलवाने की अनुरोध की जाए ताकि भविष्य में इन बच्चों पर कोई अर्चन ना आए। जहां नरेंद्र यादव की बातों को गंभीरता से लेते हुए एक दफा फिर वेबसाइट को खोला गया जिससे बच्चों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिला। इस घटना को लेकर विधायक सह बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव बृहस्पतिवार के दोपहर करीबन 12 बजे उत्क्रमित मध्य विद्यालय पुरैनी पहुंचकर बच्चों की खुशी में शामिल हुए और अन्य शिक्षकों को फटकार लगाते हुए बी ओ विजय कुमार को कहा कि इस गंभीर मुद्दे को लेकर शिक्षकों के प्रति जांच की जाए। वहीं छात्र नेता राहुल यादव के द्वारा विधायक नरेंद्र नारायण यादव और सभी पत्रकारों को शौल देकर सम्मानित किया गया। मौके पर जेडीयू के प्रखंड अध्यक्ष शैलेंद्र यादव, सांसद प्रतिनिधि निर्मला ठाकुर, प्रखंड विकास पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, पूर्व प्रमुख जवाहर मेहता, समिति दिनेश पंडित, जुबेर आलम, पुरैनी पंचायत पैक्स अध्यक्ष राजेश कुमार, जिला परिषद संजय सहनी, सरपंच उमेश साहनी, किशन यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

डीएम ने की आंगनबाड़ी केंद्र भवन में शौचालय एवं पेयजल तथा भवन निर्माण की समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यालय स्थित झल्लू बाबू सभागार में आंगनबाड़ी केंद्र भवन में शौचालय एवं पेयजल तथा आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण की समीक्षा जिला पदाधिकारी द्वारा की गई। बैठक में पी एच ई डी के कार्यपालक अभियंता को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर नल जल का कनेक्शन 15 दिनों के भीतर देने का निर्देश दिया गया। इसके लिए जिला प्रोग्राम पदाधिकारी मधेपुरा को निर्देश दिया गया कि वह सभी सीडीपीओ से केंद्र की सूची प्राप्त कर पी एच ई डी विभाग को उपलब्ध कराए। अपने भवन में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र भवन में शौचालय बनाने हेतु शौचालय का एस्टीमेट तैयार करने का निर्देश उप विकास आयुक्त, मधेपुरा को दिया गया। जितने भी आंगनबाड़ी केंद्र भवन पूर्व से अर्ध निर्मित है उन सभी आंगनबाड़ी केंद्र भवन को पूर्ण करने हेतु टीम बनाकर उन भवनों की पुनः जांच करवाने का निर्देश उप विकास आयुक्त मधेपुरा को दिया गया ताकि उन भवनों को पूर्ण करने हेतु एस्टीमेट तैयार की जा सके।

जन सुराज पार्टी के बैठक में लिए गए कई निर्णय

प्रखंड एवं अनुमंडल स्तरीय श्रृंखलाबद्ध बैठक करने का लिया गया निर्णय

प्रातः किरण संवाददाता

खगड़िया। जन सुराज पार्टी के जिला कमेटी का बैठक जिला कार्यालय मंजू वाटिका में हुई जिसमें कई निर्णय लिए गए। प्रखंड स्तर पर श्रृंखलाबद्ध बैठक करने का निर्णय लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नरेश बादल ने किया, वहीं संचालन जिला महासचिव किरण देव यादव ने किया।बैठक में विगत कार्यों की समीक्षा किया गया, गंभीर चर्चा की गई, जिसमें उपस्थित सभी सम्मानित साथियों ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। जन सुराज के जिला महासचिव सह जिला चुनाव अधिकारी किरण देव यादव ने ली गई निर्णय के आलोक में बताया कि 16 12.2024 को गोगरी, 17 दिसंबर को मानसी, 18 दिसंबर को अलौली एवं चौथम, 19 दिसंबर को खगड़िया , 21 दिसंबर को बेलदौर एवं 22 दिसंबर को परवत्ता में बैठक किया जाएगा। वहीं 20 दिसंबर को जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर जी से संगठन की मजबूती एवं आगामी रणनीति पर विचार विमर्श करने हेतु खगड़िया से पांच प्रतिनिधिमंडल पटना जाने का निर्णय लिया गया।तथा स्टेट कोर कमेटी हेतु किरण देव यादव का नाम प्रस्तावित किया गया। मनीष सिंह पूर्व से स्टेट कमेटी के सदस्य हैं। सक्रिय साथी को जिला कमेटी में समायोजित करने एवं जिम्मेदारी देने का निर्णय लिया गया।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती जी का खगड़िया आगमन एवं तैयारी व सफलता हेतु विचार विमर्श किया गया।

संगठन को सुचारू रूप से मजबूत करने एवं पार्टी के सभी प्रकोष्ठ किसान प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ आदि को मजबूत करने, संगठन के प्रति जवाबदेही तय करने, जिले के जन समस्याओं का समाधान हेतु जिलाधिकारी से प्रतिनिधि मंडल मिलने, जन सहायता केंद्र के माध्यम से जन समस्याओं का समाधान के साथ आमजन से जुड़ने, डीएससी ग्रुप में जिला महासचिव एवं जिला अध्यक्ष को एडमिन बनाने, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला कमेटी में जारी सूची का समीक्षा किया गया, वर्तमान में सक्रिय साथी को जिम्मेवारी आवंटित करने काल निर्णय लिया गया।

बैठक में प्रदेश कमेटी सदस्य डॉक्टर अवधेश यादव, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष काजल कुमारी, शीला पटेल, बेबी कुमारी, सुरेश यादव, शिवली रहमानी, मक्खन शाह, मुकेश कुमार, अंजनी सिंह पप्पू मारकंडे, मनीष सिंह, अकरम, अरविंद सिंह, मदन सदा, शिवनंदन, आदि ने भाग लेकर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये। धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष नरेश यादव ने किया।

उप विकास आयुक्त ने बिहार लघु उद्यमी योजना के लाभुकों के बीच किया द्वितीय किश्त का वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। जिला मुख्यालय स्थित एन आई सी के नए भवन में गुरुवार को उप विकास आयुक्त अवधेश कुमार आनंद की अध्यक्षता में बिहार लघु उद्यमी योजना के लाभुकों को द्वितीय किश्त का वितरण किया गया एवं मुख्य मंत्री उद्यमी योजना में अच्छा काम कर रहे उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर बिहार लघु उद्यमी योजना के कुल 40 लाभुकों को द्वितीय किश्त की स्वीकृति दी गई एवं मुख्य मंत्री उद्यमी योजना के 5 लाभुक (नवीन कुमार सिंह, गंगेश कुमार, अमन कुमार, प्रवीण कुमार, संजीव कुमार एवं खुशबू कुमारी) जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्तम कार्य किया है, उन्हें प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मधेपुरा जिला परिषद की अध्यक्षा श्रीमती मंजू देवी एवं नगर परिषद, मधेपुरा की मुख्य पार्षद श्रीमती कविता देवी के साथ जिला उद्योग केंद्र, मधेपुरा के महाप्रबंधक भी मौजूद थे।

बिहार सरकार

भवन निर्माण विभाग

कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल,
पटना का कार्यालय
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना, संख्या– 39 वर्ष 2024–25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना।
2. परिमाण–विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 26.12..2024 को 12:00 बजे अपराहन तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 27.12..2024 को 03:00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 27.12..2024 को 03:30 बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : (क) अंचल कार्यालय, दक्षिण बिहार अंचल, पटना। (ख) प्रमंडल कार्यालय, केन्द्रीय भवन प्रमंडल, पटना। (ग) संबंधित अवर प्रमंडल कार्यालय।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : क्रमांक (5) के वर्णित स्थान (क) एवं (ख) पर।
7. कार्य का विवरणी :–

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मू० (रू० में) (अप्रत्यर्पणीय)	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Renovation of Shed Over Open Part of Court Yard in Old Building (Mandar Bhawan) of B.P.S.C., Patna for the year 2024-25. (Part- II)	10.64	21,300=00	2,500=00	01 माह
2.	Renovation of Shed Over Open Part of Court Yard in Old Building (Mandar Bhawan) of B.P.S.C., Patna for the year 2024-25. (Part- I)	8.99	18,000=00	1,250=00	01 माह
3.	Renovation of P.H. Work in Old Building (Floor Tiles, Wall Tiles and Other Works) of B.P.S.C., Patna for the year 2024-25. (Part- II)	11.14	28,300=00	2,500=00	01 माह
4.	S/R to Additional Bathroom and Other Work in B.P.S.C. Main Building, Patna for the year 2024-25.	9.47	19,000=00	1,250=00	01 माह
5.	Renovation of Old Building of B.P.S.C. (Vitrified Floor Tiles UPVC Door etc.), Patna for the year 2024-25. (Part- II)	7.36	14,800=00	1,250=00	01 माह
6.	Renovation of Campus (Garden Grill) in the Campus of B.P.S.C., Patna for the year 2024-25. (Part- II)	14.31	28,700=00	2,500=00	01 माह
7.	Renovation of Campus (Garden Grill) in the Campus of B.P.S.C., Patna for the year 2024-25. (Part- III)	10.08	20,200=00	2,500=00	01 माह
8.	Renovation of Campus (Garden Grill) in the Campus of B.P.S.C., Patna for the year 2024-25. (Part- I)	15.00	30,000=00	2,500=00	01 माह
9.	Renovation of Chamber, Anty Room and Toilet of Principal Secretary of GAD in Old Sectt. Patna for the year 2024-25.	3.05	6,100=00	750=00	01 माह
10.	Anti Termite Treatment in Raj Bhawan Main Building and Annexy Building (G. Floor, F. Floor & 2^{nd} Floor) at Raj Bhawan,. Patna for the year 2024-25.	4.74	9,500=00	750=00	01 माह
11.	S/R to Buddha Golden Temple at Raj Bhawan, Patna for the year 2024-25.	2.00	4,000=00	500=00	01 माह
12.	S/R to Room No.- 129 with Repair of False Ceiling Aluminium Repair of Ground Floor Middle Wing of Old Sectt., Patna 24-25.	2.00	4,000=00	500=00	01 माह
13.	Emergent Repair to P.H.E.D. Work Under Bailey Road Section, Patna for the year 2024-25.	5.00	10,000=00	750=00	मार्च 2025
14.	Emergent Repair to Civil Work in Non-Residential Building Under Bailey Road Section, Patna for the year 2024-25.	4.00	8,000=00	750=00	मार्च 2025
15.	Renovation of Director Chamber of Mines and Geology Deptt. at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.	3.30	6,600=00	750=00	01 माह
16.	Renovation of Room No.- 50A of Mines and Geology Deptt. at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.	4.26	8,600=00	750=00	01 माह
17.	Renovation of Wall Paneling, Wall Paper, Bathroom Tiles and Door Fitting in Secretary Chamber of Mines and Geology Deptt. at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.	4.67	9,400=00	750=00	01 माह
18.	Renovation of Sanitary Fitting and Roller Blinds in Secretary Chamber of Mines and Geology Deptt. at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.	0.71	1,500=00	500=00	01 माह
19.	Construction of Front Side RCC Drain at Vishweshwaraiya Bhawan, Patna for the year 2024-25.	14.99	30,000=00	2,500=00	01 माह
20.	Renovation Underground SWR Pipe Drainage Line in Different Water Logged Area in the Campus of Vishweshwaraiya Bhawan, Patna for the year 2024-25.	14.19	28,400=00	2,500=00	01 माह
21.	Renovation of Sewerage System, Sewer Line (West Side) near Technology Bhawan in the Campus of Vishweshwaraiya Bhawan, Patna for the year 2024-25.	9.64	19,300=00	1,250=00	01 माह
22.	Renovation of Chocked Drainage System, Mainhole and Other Work (West Side) near Technology Bhawan in the Campus of Vishweshwaraiya Bhawan, Patna for the year 2024-25.	14.49	29,000=00	2,500=00	01 माह

8. विशेष सूचना के लिए सूचनापट्ट या बेबसाईट www.state.bihar.gov.in/prd.bihar देखें या अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में सम्पर्क करें।

PR. No. 014518 (BCD) 2024-25

कार्यपालक अभियंता
केन्द्रीय भवन प्रमंडल, पटना

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

अपने जीवन साथी के प्रति वफादार रहें,
किसी अनजान स्त्री/पुरुष से असुरक्षित यौन संबंध से बचें।

लश्करी पंचायत के पूर्वी टोला वार्ड 9 निवासी पवन कुमार राय को गोली मार कर किया छलनी, मौत

प्रातः किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) । उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र के लश्करी पंचायत के लश्करी पूर्वी टोला वार्ड 9 निवासी जनेश्वर राय के पुत्र पवन कुमार राय की हत्या बुधवार रात करीब 10 बजे पुरैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत कारामा चौक और पेट्रोल पंप के बीच दो बाइक पर सवार 6 अपराधियों ने मारुति कार से उतार कर गोलियों से छल्ली कर दिया। परिजन ने बताया कि पुरैनी थाना क्षेत्र के खावन दियारा से सड़क निर्माण का कार्य करवा कर अपने सहयोगी के साथ घर लौट रहे थे इतने में ही करामा पेट्रोल पंप के समीप दो बाइक पर सवार 6 अपराधियों ने मारुति कार से ठेकेदार की पहचान कर गोली मार अपराधियों ने ठेकेदार की हत्या कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि एक दर्जन से अधिक गोली मारा गया है। उक्त घटना की जानकारी जब पुरैनी पुलिस को दी गई तो थाना अध्यक्ष राघव शरण अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची जहां उन्होंने घटना का जायजा लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं देर रात मधेपुरा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करा कर शव को परिजनों को सौंप दिया। इस घटना के बाद परिजनों में एक डर का माहौल बैठ गया है साथ ही ठेकेदार के सहयोगी में भी भय समा गया है।

10 लाख से अधिक होगा डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। 10 लाख से अधिक होगा डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य इस संबंध में कृषि भवन,सभागार में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो कि जिले में पहली बार डिजिटल फसल सर्वे की शुरूआत के रूप में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कृषि पदाधिकारी श्री शत्रुघ्न साहू द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक, सहायक तकनीकी प्रबंधक और प्रखंड तकनीकी प्रबंधक द्वारा किया जाएगा। इस सर्वे में कुल 10 लाख 1296 प्लॉट का सर्वे किया जाएगा, जिसका समापन 31 जनवरी 2025 तक होना निर्धारित है।

अवधि के दौरान, अनुमंडल स्तर पर नोडल पदाधिकारी के रूप में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी और जिले स्तर पर सहायक निदेशक कृषि अभियंत्रण नोडल पदाधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। प्रत्येक प्लॉट का सर्वे करने पर 5 की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, यानी प्रति प्लॉट 5 का भुगतान किया जाएगा। इस सर्वे के माध्यम से जिले में सभी प्रकार की फसलों के वास्तविक आच्छादन रकबे की जानकारी प्राप्त की जाएगी, जिससे भविष्य में कृषि विभाग द्वारा कई योजनाएं इसी सर्वे के आधार पर बनाई जा सकेंगी।

डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्य को संपन्न करने हेतु जिला स्तर पर 12 दिसंबर 2024 से 13 दिसंबर 2024 तक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि भवन के सभागार, आरा में किया गया। इस कार्यक्रम में श्री शत्रुघ्न साहू, जिला कृषि पदाधिकारी, श्री राज कुमार, सहायक निदेशक कृषि अभियंत्रण, श्री राणा राजीव रंजन, उप परियोजना निदेशक आत्मा, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक और अन्य सभी कृषि कर्मी उपस्थित थे।

किसानों से जमीन छीनने की सरकारी साजिश को बेनकाब करेंगे: सचिव

बेगूसराय। 1885 से मौज मल्हीपुर थाना 503 खाता नंबर 261 खेसरा 890 एवं 891 की कुल 1932 बीघा जमीन जिसका 2024 तक किसानों ने सरकार को लगान दिया है। उसे किसानों से छीनने की नीयत से हजारों जमाबंदी को बरौनी प्रखंड के सी ओ ने रद्द करने की चला रही प्रक्रिया अविलंब बंद करे।अन्यथा मल्हीपुर,बिशनपुर,चकिया और बिहट के प्रभावित किसान संगठीत होकर करो या मरो की लड़ाई लड़ने को मजबूर होंगे।उक्त बाते आल इंडिया किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव अशोक प्रसाद सिंह ने आज प्रभावित किसानों को संबोधित करते हुए कही। वहाँ के किसानों ने लगातार सरकार को परवाना दे रही है। 2024 तक उनका मालगुजारी रसीद भी कट रहा है, पर सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण किसानों की जमीन लुटने की मंशा कभी पुरा नहीं होगा। किसान गोष्ठी को किसान नेता राम आशीष सिंह, गोपाल सिंह, राजनीति सिंह, लाल बहादुर राय, चंदन सिंह, रमेश सिंह,कारी सिंह,अनिल सिंह,पुनपुन कुमार,मुकेश राय, अवनीश सिंह,श्याम सिंह और आदि ने संबोधित किया।

रायभीर में मिनी स्टेडियम नहीं रहने से युवाओं का भविष्य अधर में

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। जिले के शंकरपुर प्रखंड क्षेत्र के रायभिर पंचायत में खेल से रुचि रखने वाले युवाओं के द्वारा कई वर्षों से मांग उठ रही है मिनी स्टेडियम के लिए लेकिन प्रतिनिधि व पदाधिकारी अनसुनी कर रहें हैं।

वैसे तो मधेपुरा जिला की रायभिर पंचायत कागज के पन्नों पर आदर्श ग्राम के होर में शामिल है मगर रायभिर पंचायत विकास कार्य में अभी भी पीछे हैं। सरकार से मिलने वाली योजनाओं में प्रखंड द्वारा रायभिर पंचायत को काफी ताजवे मिलती है लेकिन जनप्रतिनिधियों के आपसी संबंध के बिना योजनाओं का समुचित लाभ आम लोगों को नहीं मिल पा रहा है। वैसे तो बहुत सारे मुद्दा है लेकिन फिलहाल रायभिर पंचायत के युवाओं ने पंचायत में मिनी स्टेडियम निर्माण की मांग तेज कर दिया है। मालूम हो कि ठंड मौसम आते ही गांव शहर के युवाओं अपनी प्रतिभा दिखाने की कोशिश करते हैं। लेकिन इस तरह से सुविधा नहीं रहने के कारण उनके सपनों पर पानी फेर जाता है। समाजिक कार्यकर्ता सह क्रिकेट प्रेमी युवाओं ने बताया है कि युवा देश का भविष्य होता है अगर समय रहते ही इनके प्रतिभा को तरासा जाए तो इनका भविष्य उज्जवल हो सकता है। रायभीर पंचायत जेसे जागरूक गांव में वर्षों से एक खेल मैदान की कमी खलती आ रही है। जबकि पर्याप्त प्राप्त जमीन होने के बावजूद कुछ लोग के द्वारा जमीन पर अवैध रूप से कब्जा बना हुआ है। जिसे देखने वाला कोई नहीं है। मालूम हो कि बिहार सरकार द्वारा पंचायत में मिनी स्टेडियम के लिए काफी फंड मुहैया कर रही है। बस जरूरत है की उसे सदुपयोग करने की। रायभिर पंचायत में चार दर्जन से भी ज्यादा युवाओं खेल जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, हॉकी बॉल जैसे खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं मगर बेहतर संसाधन नहीं मिलने के कारण वैसे युवाओं का एक बड़ा हिस्सा अब अपने पुश्तैनी कामों में व्यस्त हो गए हैं। वर्तमान समय में फोज बिहार पुलिस आदि में सफलता के लिए दौड़ का प्रेक्टिस करते हैं लेकिन मैदान नहीं होने के कारण उन्हें सड़को का चक्कर काटना पड़ता है। रायभिर पंचायत के पांच दर्जनों से भी अधिक युवाओं ने जिला अधिकारी तरण जोत सिंह से उच्च स्तरीय जांच कर अभिलंब एक मिनी स्टेडियम बनाने की गुहार लगाई है। आपको बताते चलें कि रायभीर पंचायत में प्रत्येक वर्ष युवाओं द्वारा क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन कराया जाता है ।

महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा जिले की 40 चयनित छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । जिला पदाधिकारी, भोजपुर की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा जिले की 40 चयनित छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का शुभारंभ जिला पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आई०सी०डी०एस०), जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (शिक्षा), उपस्थित शिक्षक/शिक्षिकाओं और छात्राओं के संयुक्त रूप से दीप प्रज्वल्लित कर किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी, भोजपुर ने सबसे पहले अपने बारे में बताया कि कैसे उन्होंने छात्र जीवन से लेकर जिला पदाधिकारी तक का सफर तय किया। उन्होंने बिहार सरकार की विभिन्न योजनाओं, जैसे मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, पोशाक योजना, साइकिल योजना, सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड आदि की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छात्राओं के जन्म से लेकर कॉलेज तक सरकारी योजनाएं उनके हर कदम पर मददगार हैं, जो किसी भी बाधा को दूर करके अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक हो सकती हैं। अगर हम अपना लक्ष्य पूरा करना चाहें तो उसे पूरी लगन और मेहनत से हासिल किया जा सकता है।छात्राओं द्वारा पूछे गए सवालों और विचारों का अच्छे से उत्तर दिया गया।

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, भोजपुर ने भी संबोधित करते हुए अपनी जीवन यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने टइइर और टर की पढ़ाई पूरी की और फिर प्रशासनिक सेवा में भी अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा कि लड़कियों को लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन इन कठिनाइयों से घबराने या भटकने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि, इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए। चाहे स्पोर्ट्स, मेडिकल या अन्य कोई भी क्षेत्र हो, हर लड़की को अपनी रुचि के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए।कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्राओं को ह्नबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्न योजना के तहत उपहार स्वरूप स्कूल बैग दिए गए।जब छात्राओं ने पढ़ाई की योजना के बारे में पूछा, तो उप विकास आयुक्त ने उन्हें समझाया कि एक अच्छा योजना बनाकर पढ़ाई करें और सफलता की ओर कदम बढ़ाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जितना पढ़ें, अच्छे से पढ़ें।इसके बाद, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आई०सी०डी०एस०) ने कहा कि आज की बेटियां किसी से कम नहीं हैं। उनके निरंतर विकास के लिए राज्य और केंद्र सरकार द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा जिले में संचालित आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी भी दी। साथ ही, समाज में फैली कुरीतियों और भ्रांतियों को खत्म करने के लिए हमेशा अग्रसर रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

अंत में, जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (शिक्षा) ने शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

फिडे विश्व शतरंज चैम्पियनशिप 2024

गेम 13 फिर जीत के करीब जाके चूके गुकेश , आज होगी आखिरी बाजी

सिंगापुर (एजेंसी)। 2024 फिडे वर्ल्ड चैम्पियनशिप के 13 वें राउंड में भारत के डी गुकेश के पास टूर्नामेंट में आखिरी बार सफ़ेद मोहोरे थे और गुकेश नें अपनी पूरी ताकत लगाकर एक जीती हुई स्थिति हासिल भी कर ली थी पर डिंग नें गुकेश की एक गलती का फायदा उठाते हुए बाजी ड्रॉ करा ली और गुकेश नें अंतिम राउंड के पहले महत्वपूर्ण बढ़त बनाने का बहुत खास मौका खो दिया और अब उन्हे अंतिम राउंड में डिंग का मुक़ाबला सफ़ेद मोहरो से करना होगा । आज के खेल में गुकेश नें फ्रेंच ओपनिंग के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया और लगभग पूरे समय डिंग पर दबाव बनाकर मजबूत स्थिति में रहे और 68 चालों के बाद एक प्यादा अधिक होते हुए भी उन्हे बाजी ड्रॉ करनी पड़ी । डिंग नें एक मौके को छोड़कर लगभग हर समय बेहतरीन बचाव किया खासतौर पर 31वीं चाल पर उनकी हाथी की शानदार चाल नें उनका खेल बचा लिया । अब आज अंतिम क्लासिकल मुक़ाबला खेला जाएगा और अब सब कुछ इसी मुक़ाबले पर टिका होगा , अगर कोई जीता तो वही विश्व चैम्पियन होगा वहीं अगर परिणाम नहीं आया तो फिर रैपिड टाईब्रेक से विश्व विजेता तय होगा फिलहाल 13 राउंड के बाद दोनों खिलाड़ी 6.5 अंको पर खेल रहे है ।

विश्व कप की मेजबानी में पुर्तगाल का भी नाम

- **स्टार फुटबॉलर रोनाल्डो ने कहा यह टूर्नामेंट बेहद खास है**

मैड्रिड (एजेंसी)। पुर्तगाल सहित पांच अन्य देशों को 2030 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी मिलने के बाद स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि छह साल बाद होने वाला यह टूर्नामेंट बेहद खास होगा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बुधवार को 2030 और 2034 में होने वाले विश्व कप के मेजबानों की औपचारिक घोषणा की। विश्व कप 2030 के मैच तीन महाद्वीपों के छह देशों में खेले जाएंगे।

यह पहला अवसर होगा जबकि विश्व कप छह देशों में आयोजित किया जाएगा। स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को इसकी संयुक्त मेजबानी सौंपी गई है लेकिन दक्षिण अमेरिकी देशों अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे में भी इसके एक-एक मैच आयोजित किए जाएंगे। पहला विश्व कप 1930 में उरुग्वे में आयोजित किया गया था और फीफा ने उसके 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए दक्षिण अमेरिका के इन देशों को एक-एक मैच की मेजबानी सौंपी है।

कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड के बीबीएल में खेलने की संभावना

सप्लीमेंट्री खिलाड़ियों की लिस्ट में आया नाम

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस तथा उनके साथी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड ने 15 दिसंबर से शुरू होने वाली बिग बैश लीग (बीबीएल) के लिए पूरक खिलाड़ियों के रूप में अनुबंध किया है। कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड ने टेस्ट क्रिकेट की अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण पिछले सत्र में इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था लेकिन इस सत्र में उनके इस प्रमुख घरेलू टी20 प्रतियोगिता में भाग लेने की संभावना है। क्रिकेट.कॉम.एयू की रिपोर्ट के अनुसार, 'हेजलवुड और स्टार्क ने लीग के मार्की पूरक खिलाड़ी के नियम के तहत सिडनी सिक्सर्स से जबकि कमिंस ने सिडनी थंडर्स के साथ अनुबंध किया है। यह तीनों तेज गेंदबाज अभी भारत के खिलाफ 5 टेस्ट मैच की श्रृंखला में खेल रहे हैं जो पहले दो मैचों के बाद 1-1 से बराबरी पर है।

स्मृति मंधाना ने जड़ा साल का चौथा वनडे शतक, बनाया विश्व रिकॉर्ड

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय टीम वाका के मैदान पर ऑस्ट्रेलियाई टीम से तीसरे वनडे में हार गई लेकिन इस दौरान भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना साल का चौथा शतक बनाने में सफल रही। वह अब महिलाओं के एकदिवसीय मैचों में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक शतक बनाने का नया रिकॉर्ड बना चुकी है। मंधाना की पारी तब सामने आई जब ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए एनाबेल सदरलैंड की 99 गेंदों में 110 रन की पारी की बदौलत भारत को 299 रनों का लक्ष्य दिया था। इस दौरान एशले गार्डनर और ताहलिया मैक्ग्रा ने भी अर्धशतक जड़े। जवाब में मंधाना को छोड़कर और कोई भी भारतीय बैटर क्रीज पर टिक नहीं पाई।

जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार 2 शतक और अक्टूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 1 और शतक के बाद यह शतक मंधाना का साल का चौथा शतक है। एक ही कैलेंडर वर्ष में 4 शतकों की उनकी उपलब्धि ने महिला वनडे में एक नया रिकॉर्ड बनाया, जिसने 7 खिलाड़ियों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिनमें से प्रत्येक ने 1 वर्ष में 3 शतक बनाए थे। मंधाना के नाम अब 9 वनडे शतक हो गए हैं। वह अब नट साइवर-ब्रंट, चमारी अथापथु और चार्लोट एडवर्ड्स के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। 10 वनडे शतकों वाली टैमी ब्यूमोंट मंधाना का अगला निशाना हैं।

ऐसा रहा मुकाबला

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के शतक के बावजूद भारत को तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 83 रन की हार के साथ 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। अरुंधति रेड्डी (26 रन पर 4 विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी से भारत ने वाका पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 78 रन कर दिया था लेकिन अनाबेल सदरलैंड (95 गेंद में 110 रन, 9 चौके, 4 छक्के) के शतक से मेजबान टीम 6 विकेट पर 298 रन का बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। जवाब में भारतीय टीम 215 रन ही बना पाई। स्मृति के अलावा हरलीन देओल 39, कप्तान हरमनप्रीत कौर 12 रन बनाने में सफल रही। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ले गार्डनर 30 रन देकर 5 विकेट लेने में सफल रही।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

- **भारत महिला** - स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, साइमा ठाकोर, रेणुका ठाकुर सिंह, अरुंधति रेड्डी, तितास साधु
- **ऑस्ट्रेलिया महिला** - फोएबे लिचफील्ड, जॉर्जिया वोल, एलिसे पेरी, बेथ मूनी (विकेटकीपर), एनाबेल सदरलैंड, एशले गार्डनर, ताहलिया मैकग्राथ (कप्तान), सोफी मोलिनेक्स, अलाना किंग, किम गर्थ, मेगन शुट्ट

विश्व समुद्र ओपन

अजीतेश सेधू ने 67 का कार्ड खेला, तीन शॉट की बढ़त बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अजीतेश संधू ने बुधवार को यहां दो करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि के विश्व समुद्र ओपन के दूसरे दौर में पांच अंडर 67 का कार्ड खेलकर 3 शॉट की बढ़त बनाई। चंडीगढ़ के अजीतेश (69, 67) ने दिन में बोगी मुक्त कार्ड खेला जिससे वह बीती रात संयुक्त दूसरे स्थान से शीर्ष पर पहुंच गए। गुरुग्राम के मनीष ठकरान (69, 70) भी बीती रात संयुक्त दूसरे स्थान पर थे, उन्होंने 70 का कार्ड खेला जिससे वह कुल 5 अंडर 139 के स्कोर से अकेले दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। बांग्लादेश के जमाल हुसैन पहले दौर में शीर्ष पर थे, लेकिन वह 4 अंडर 140 के कार्ड से तीसरे स्थान पर खिसक गए।

नीलम भारद्वाज का घरेलू सीरीज में जलवा

दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय बनी

अहमदाबाद (एजेंसी)। उत्तराखंड की 18 वर्षीय बल्लेबाज नीलम भारद्वाज ने अपने राज्य की टीम के लिए खेलते हुए नागालैंड के खिलाफ दोहरा शतक लगाते हुए रिकॉर्ड बना दिया है। वह वनडे में दोहरा शतक लगाने वाली भारत की सबसे युवा महिला क्रिकेटर बन गई हैं। नीलम ने अपनी तूफानी पारी में 137 गेंद खेलते हुए नाबाद 202 रन ठोके जिसमें 27 चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनकी पारी से उत्तराखंड ने 50 ओवर में 371 रन का विशाल स्कोर बनाया जिसके जवाब में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने नागालैंड की टीम को 47 ओवर में 112 रन पर समेट दिया। अंत में नीमल प्लेयर ऑफ द मैच बनीं।

दोहरा शतक लगाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर्स

नीलम भारद्वाज - नाबाद 202 रन, नागालैंड के खिलाफ
स्मृति मंधाना - 224 रन, गुजरात के खिलाफ
श्वेता सहरावत - 242 रन, नागालैंड के खिलाफ

बचपन तंगी में बीता, कोच ने दिया सहारा

- उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में रामनगर रेलवे स्टेशन के पास झुग्गियों में पली- बढ़ी नीलम का बचपन आर्थिक तंगी में बीता। उनके पिता नरेश भारद्वाज प्लाई फैक्ट्री में दिहाड़ी मजदूर थे। लकड़ियां ढोते समय संतुलन खोने से चार साल पहले उनका निधन हो गया।
- इससे नीलम के क्रिकेट करियर पर मुश्किलों के बादल मंडराने लगे। इस मुश्किल वक्त में नीलम के बचपन के कोच मोहम्मद अंसारी ने उन्हें संभाला। उन्होंने कहा, नीलम 8 साल की उम्र में मेरे पास क्रिकेट सीखने आई थी। जब वह 11-12 साल की थी, उसने अंडर-19 टीम में जगह बनाई। वह मेरे लिए गौरवान्वित करने वाला पल था।

युवराज सिंह जन्मदिन विशेष

43 साल के हुए पूर्व भारतीय खिलाड़ी के बड़े रिकॉर्ड्स

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह आज अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। 12 दिसंबर को चंडीगढ़ में जन्मे युवराज एक खेल-प्रेमी पंजाबी परिवार से आते हैं। इस पृष्ठभूमि ने उनके क्रिकेट करियर को प्रभावित किया। युवराज ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन किया, जो अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में कई विजयी प्रदर्शन किए जिससे भारत को जीत हासिल करने में मदद मिली। उनके 17 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में कई रिकॉर्ड दर्ज हैं जिसमें एक ओवर में छह छक्के भी शामिल हैं। अपने लगभग दो दशक के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर में युवराज ने 402 मैच खेले और 35.05 की औसत तथा 83.74 के स्ट्राइक रेट से 11,778 रन बनाए। उन्होंने 17 शतक और 71 अर्द्धशतक भी लगाए। उनकी अधिकांश उपलब्धियां 50 ओवर के प्रारूप में आईं। उन्होंने अपने पूरे करियर में 304 वनडे मैच खेले और 36.55 की औसत से 14 शतकों और 52 अर्द्धशतकों की मदद से 8701 रन बनाए। उन्होंने जब जरूरत पड़ी तब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और तीन वनडे विश्व कप (2003, 2007 और 2011) में 52.71 की औसत और 90.33 की स्ट्राइक रेट से एक शतक और सात अर्द्धशतक लगाते हुए 783 रन बनाए। आइए इस खास मौके पर कुछ रिकॉर्ड्स पर नजर डाल लेते हैं-

एक वनडे में एक पारी में पचास और पांच विकेट - मार्च 2011 में युवराज ने बेंगलुरु में आयरलैंड के खिलाफ 5/31 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने 75 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाकर भारत को 24 गेंद शेष रहते 5 विकेट से जीत दिलाई। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस दौरान वह विवियन रिचर्ड्स, मार्क वॉ, सौरव गांगुली और शाहिद अफरीदी जैसे कुछ नामों की क्लब में शामिल हो गए।

- **1000 रन, 50 विकेट और 50 कैच** - मध्य क्रम में एक निपुण बल्लेबाज होने और अपनी स्पिन गेंदबाजी से विकेट लेने के अलावा, युवराज भारतीय टीम के सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षकों में से एक थे। उन्होंने अपने करियर में एकदिवसीय मैचों में 94 कैच लिए और 8701 रन और 111 विकेट लिए।
- **5000 रन और फिल्डिंग के दौरान 50 आउट** -युवराज ने अपने करियर के दौरान एकदिवसीय मैचों में 8701 रन बनाए और फिल्डिंग के दौरान 50 आउट किए। इसने उन्हें रिचर्ड्स, सचिन तेंदुलकर, रिचर्ड्स, जावेद मियांदाद और राहुल द्रविड़ जैसे खिलाड़ियों के क्लब में ला खड़ा किया।
- **टी20 में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी** -

युवराज सिंह ने दक्षिण अफ्रीका में आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 के उद्घाटन संस्करण में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ जो किया, उसे कोई नहीं भूल सकता। छह छक्कों से पहले युवराज की एंड्रयू फ्लिंटॉफ के साथ तीखी बहस हुई थी और बाकी सब इतिहास है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के लगाए और टी20 में लगातार छह छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए।

- **तीन आईसीसी नॉकआउट मैचों में एमओटीएम** - भारत के दिग्गज को महत्वपूर्ण मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने के लिए जाना जाता था। सिंह ने आईसीसी नॉकआउट 2000 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच जीतने वाली 84 रनों की पारी खेली और महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमओटीएम) का खिताब जीता। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तेजी से अर्धशतक बनाया और अपना दूसरा एमओटीएम जीता। आईसीसी वनडे विश्व कप 2011 के क्वार्टर फाइनल में बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने आईसीसी नॉकआउट मैचों में अपना तीसरा एमओटीओएम जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया।
- **आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे तेज अर्धशतक** - आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 में भारत और इंग्लैंड के बीच मैच के दौरान युवराज सिंह ने सबसे तेज अर्धशतक लगाया। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 12 गेंदों में अर्धशतक लगाया जिसमें स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ एक ओवर में उनके प्रसिद्ध छह छक्के भी शामिल थे। युवराज के तेज अर्धशतक की मदद से भारत ने 218 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और बाद में 18 रन से जीत हासिल की।
- **आईसीसी वनडे विश्व कप 2011 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट** - 2011 का वनडे विश्व कप जीतना भारतीय क्रिकेट इतिहास के यादगार क्षणों में से एक है। भारतीय क्रिकेट टीम घरेलू मैदान पर आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनी। उन्होंने मुंबई में ग्रैंड फिनाले में श्रीलंका को हराकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। ??भारत की खिताबी जीत में युवराज ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 90.50 की शानदार औसत से 362 रन बनाए जिसमें चार अर्धशतक और एक शतक शामिल है। गेंद से युवराज अपनी टीम के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। बाएं हाथ के स्पिनर ने 15 विकेट लिए, जिसमें एक बार पांच विकेट भी शामिल हैं।
- **आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2000 में मैन ऑफ द टूर्नामेंट** - दिग्गज ऑलराउंडर 2000 में आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में मैन ऑफ द टूर्नामेंट भी रहे। युवराज के शानदार प्रदर्शन ने भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम को चैंपियनशिप जीतने में मदद की। उस टूर्नामेंट के दौरान, युवराज ने 8 मैचों में 33.83 की औसत से 203 रन बनाए। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने दो अर्धशतक लगाए। गेंद के साथ, ऑलराउंडर ने 12 विकेट लिए, जिसमें दो बार चार विकेट शामिल हैं।

इतनी बड़ी बात नहीं थी-

सिराज और हेड विवाद पर बोले रिकी पोंटिंग

दुबई (एजेंसी)। रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड के बीच मैदान पर हुए विवाद में 'शुरुआत में कोई

दुर्भावना नहीं थी' और उन्होंने एडीलेड में दिन-रात्रि टेस्ट के दूसरे दिन हुई इस बहस को 'आकस्मिक' करार दिया। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 82वें ओवर में बाएं हाथ के बल्लेबाज हेड ने डीप स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया जिसके बाद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर दिया और ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया। भारतीय तेज गेंदबाज सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और हेड को फटकार लगाई गई जबकि दोनों खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक-एक डिमेरिट अंक भी दिया।

पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू से कहा कि अब पीछे मुड़कर देखने पर मुझे लगता है कि जिस तरह से यह सब हुआ वह आकस्मिक था। मुझे नहीं लगता कि शुरुआत में कोई दुर्भावना थी। हेड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि उन्होंने आउट होने के बाद सिराज से कहा था कि 'अच्छी गेंदबाजी की' लेकिन भारतीय गेंदबाज ने तीसरे दिन खेल शुरू होने से पहले इस दावे से इनकार किया। पोंटिंग ने कहा कि मुझे पता है कि ट्रेविस ने कहा है कि उसने शुरुआत में कहा था कि 'अच्छी गेंदबाजी की%। सिराज उस समय डीप बैकवर्ड स्क्वायर पर छक्का लगने से खुश नहीं था।

क्या घोड़े को भी एथलीट होने पर मिलने चाहिए मैडल? इटली लागू कर चुका है कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। उन्हें एथलीट कहा जाए या उपकरण, या फिर उन्हें वही कहा जाए जो वे हैं, घोड़े। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) उन्हें एथलीटों के साथ जोड़ना चाहता है लेकन लेकिन घुड़सवारों ने ऐसी किसी चीज के लिए जोर देने के खिलाफ सावधानी बरतने का आग्रह किया है जो आगे चलकर चीजों को 'जटिल' कर सकती है। दिल्ली उच्च न्यायालय असल में ईएफआई के प्रशासन पर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उस पर निजी क्लबों और संस्थानों को मतदान का अधिकार देकर राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। यह मामला ईएफआई से मान्यता प्राप्त राजस्थान की इकाई ने दायर किया गया है जो चाहता है कि यह अधिकार केवल राज्य संघों के पास हो। एक सुनवाई के दौरान ईएफआई ने यह असंबंधित दलील दी जिसने खेल का अनुसरण करने वालों के साथ-साथ इसमें शामिल लोगों की भी रुचि जगाई।

एशियाई खेल 1998, 2002 और 2006 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे राजेश पट्टू ने ईएफआई की पूरी दलील को खारिज करते हुए कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि घोड़ा एथलीट है या उपकरण क्योंकि वह भारतीय घुड़सवारी महासंघ के चुनावों में मतदान नहीं करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईएफआई इस तरह की अप्रासंगिक दलील देकर अदालत का समय बर्बाद कर रहा है। इसका निर्वाचन मंडल से कोई लेना-देना नहीं है जो कि मुख्य मामला है। ओलंपिक (टोक्यो ओलंपिक 2021) के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय घुड़सवार फवाद मिर्जा घोड़ों को एथलीट के रूप में वर्गीकृत करने के पक्ष में हैं लेकिन उन्होंने इस तरह के कदम से आने वाली जटिलताओं के बारे में चेतावनी भी दी।

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से मैं अपने घोड़े को एक एथलीट मानता हूं। मैं अपने घोड़े को एक पेशेवर और उच्च श्रेणी के एथलीट के रूप में देखता हूं। दूसरी ओर यदि आप उन्हें कानूनी चीजों के संबंध में, कानूनी व्यक्ति के रूप में, कानून के माध्यम से, या उन्हें पुरस्कृत करके मानवीय बनाने की कोशिश करते हैं तो यह काफी कठिन और जटिल हो जाता है। मिर्जा ने कहा कि वे आखिरकार जानवर हैं और अगर आप मानवीय चीजों और विचारों तथा कानून को जोड़ने की कोशिश करते हैं तो मुझे लगता है कि यह स्थिति को जटिल बनाता है। मिर्जा और पट्टू दोनों फिलहाल जर्मनी के सारब्रुकेन में ट्रेनिंग ले रहे हैं।

घुड़सवारी खेल की अंतरराष्ट्रीय संचालन संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी महासंघ (एफईआई) का संविधान एथलीट को 'एफईआई प्रतियोगिता में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है। ऐसा व्यक्ति राइडर, ड्राइवर, लंगर या वॉल्टर तक सीमित नहीं हो सकता है। एफईआई के 2023 के कानून में घोड़े की नहीं बल्कि एथलीट की परिभाषा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में एफईआई एथलीट और घोड़ों को अलग-अलग सूचीबद्ध करता है। ईएफआई भी एफईआई का एक सदस्य महासंघ है लेकिन ऐसा लगता है कि इसने इटली से सीख ली है जो कानून के माध्यम से घोड़ों को एथलीट के रूप में वर्गीकृत करने वाला पहला देश है।

ब्रिसबेन टेस्ट से पहले सुनील गावस्कर बोले, अब ऑस्ट्रेलिया के पास सीरीज में लय है

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिस्बेन में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के तीसरे टेस्ट से पहले पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि अब ऑस्ट्रेलिया के पास सीरीज में लय है। बीजीटी सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच शनिवार से ब्रिस्बेन के प्रतिष्ठित द गाबा में खेला जाएगा। इससे पहले एडिलेड टेस्ट में भारत ने ऑस्ट्रेलिया से 10 विकेट से निराशाजनक हार झेली थी।

स्टार स्पोर्ट्स से एक्सक्लूसिव बातचीत में गावस्कर ने कहा कि पर्थ टेस्ट में जीत के बाद लय भारत के साथ थी, लेकिन 10 दिन के अंतराल ने पर्यटकों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा, भारतीय टीम ने पर्थ में जो लय हासिल की थी, वह 10 दिन के अंतराल के दौरान खो गई। अब लय ऑस्ट्रेलिया के साथ है क्योंकि उन्होंने टेस्ट मैच जीता है। एडिलेड टेस्ट के कुछ दिनों बाद आप द गाबा में खेल रहे हैं। इसलिए अब लय ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ है।

गौर हो कि भारत को एडिलेड में दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि उसके शेष पांच विकेट पहले सत्र में ही गिर गए थे जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को 1-1 से बराबर करने के लिए व्यापक जीत हासिल की। ??भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के 337 रन बनाकर 157 रनों की बढ़त हासिल कर ली, जिसमें ट्रैविस हेड की 141 गेंदों पर 140 रनों की आक्रामक पारी शामिल थी। इसके बाद भारत अपनी दूसरी पारी में 175 रनों पर ढेर हो गया, जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए सिर्फ 19 रनों की जरूरत थी। तीसरा टेस्ट 14 दिसंबर को ब्रिस्बेन में शुरू होगा।

संक्षिप्त समाचार

मोदी जी ने सरदार साहब के सपने को साकार करने का काम किया हैः अमित शाह

जोधपुर, एजेंसी। राजस्थान के जोधपुर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 11 फुट ऊँची प्रतिमा का अनावरण करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने देश की जनता को स्पष्ट संदेश दिया कि, 'सरदार साहब के जीवनकाल में शेष रह गए धारा 370 हटाना, यूनिफॉर्म सिविल कोड, भव्य राम मंदिर, ट्रिपल तलाक को समाप्त करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्यों को प्रधानमंत्री मोदी जी ने 10 वर्षों में पूरा करने का काम किया है।' 1,100 किलोग्राम और 11 फुट ऊँची सरदार पटेल की ये प्रतिमा कई धातुओं से बनी है और इसे 8 फुट ऊँचे स्थान पर लगाया गया है, जिसकी सुगंध युगों-युगों तक फैलेगी। इतिहास गवाह है कि अखंड भारत के निर्माता सरदार पटेल के साथ देश और पूर्व की सरकारों ने कभी न्याय नहीं किया। दशकों तक एक ही परिवार की भक्ति में रची-बसी कांग्रेस पार्टी ने कभी सरदार पटेल का स्मारक तक नहीं बनने दिया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के केवड़िया में दुनिया की सबसे ऊँची 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' बनाकर सरदार पटेल को सम्मानित करने का काम किया। अमृतकाल में सरदार पटेल को भारत रत्न भी मिला है और दुनिया का सबसे ऊँचा स्मारक भी आज सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम से है। सरदार पटेल एक ऐसे देश भक्त थे, जिन्होंने देश के सामने खड़ी विपदाओं को अपने ऊपर लेकर उनसे मुक्ति दिलाने का काम किया।

देश के 140 करोड़ लोगों के मन में जो अजेय भारत का विश्वास है, उसका पूरा श्रेय सीमा पर खड़े जवानों को जाता हैः शाह

जोधपुर एजेंसी। राजस्थान के जोधपुर में सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस समारोह परेड में बतौर मुख्य अतिथि अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने यह स्पष्ट किया कि, 'देश के 140 करोड़ लोगों के मन में जो अजेय भारत का विश्वास है, उसका पूरा श्रेय सीमा पर खड़े जवानों को जाता है।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में बीते कुछ वर्षों में आंतरिक सुरक्षा से लेकर सीमा सुरक्षा तक की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिला है, और इस बात को पूरी दुनिया ने देखा है। 60 सालों से साहस, शौर्य और बलिदान के दम पर सीमा सुरक्षा बल ने न केवल देश की फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस को ताकतवर बनाने का काम किया है, बल्कि सीमा पर आने वाली सभी चुनौतियों का मुकाबला कर देश की सुरक्षा की प्रथम पंक्ति को सशक्त भी किया है। 1 दिसंबर, 1965 से लेकर आज तक सीमा सुरक्षा बल ने निरंतर देश की पूर्वी और पश्चिमी सीमा की सुरक्षा को चाक-चौबंद रखने का काम किया है। शाह ने पूरे देश को यह संदेश दिया कि देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले जवानों का देश की जनता सदैव ऋणी रहेगी। एक समय में 25 बटालियन से शुरू हुआ यह बल आज 193 बटालियन तक पहुँच गया है, जिसमें 2 लाख 70 हजार जवान की संख्या है जो विश्व का सबसे बड़ा सीमारक्षक बल है।

सख्त कार्रवाई करें नहीं तो हालात काफी बिगड़ सकते हैः मायावती

लखनऊ, एजेंसी। महाराष्ट्र के परभणी शहर में हुई घटना पर बसपा प्रमुख मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सरकार को चेताया है कि सख्त कार्रवाई करें नहीं तो हालात काफी बिगड़ सकते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि महाराष्ट्र राज्य के परभणी में स्थित भारतरत्न बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा एवं संविधान का किया गया अपमान अति-निन्दनीय व शर्मनाक है। इस घटना से पार्टी काफी दुःखी व चिन्तित भी है। उन्होंने आगे लिखा कि वहां की राज्य सरकार, ऐसे जातिवादी व असामाजिक तत्वों के विरुद्ध तुरन्त सख्त क़ानूनी कार्रवाई करे, वरना वहाँ हालात् काफी बिगड़ सकते हैं। सभी से शान्ति-व्यवस्था बनाये रखने की अपील। आपको बता दें कि मंगलवार को महाराष्ट्र के परभणी में संविधान की प्रतिकृति को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस के बाद लोग आक्रोशित हो गए। इसके बाद शहर में जमकर उपद्रव हुआ।

एकनाथ शिंदे हुए खफा? महायुति के बर्ताव से भी उखड़े, अमित शाह से मिलने दिल्ली तक नहीं गए

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनने के बाद भी सियासी ड्रामा जारी है। खबरें हैं कि आलाकमान से दिल्ली में हुई मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम अजित पवार के साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मौजूद नहीं थे। कहा जा रहा है कि बड़े मंत्रालयों पर मतभेद सुलझाने के बाद भी गठबंधन सरकार में कुछ मुद्दों पर रार जारी है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इस सप्ताह कैबिनेट विस्तार हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, शिवसेना प्रमुख के कार्यालय की तरफ से जानकारी दी गई है कि शिंदे बुधवार को हुई बैठक में मौजूद नहीं थे। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है, जब राज्य में विभागों के बंटवारे को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा प्रमुख जगत प्रकाश नड्डा के साथ हुई मीटिंग में अजित पवार शामिल रहे थे।

खास बात है कि पहले शिंदे भी बैठक में शामिल होने वाले थे, लेकिन बाद में उन्होंने नहीं जाने का फैसला किया। अखबार से बातचीत में उनके करीबियों ने बताया है कि शहरी विकास विभाग के अलावा शिंदे पक्ष को कोई भी बड़ा मंत्रालय नहीं दिया गया है। वह राजस्व, लोक निर्माण, एमएसआरडीसी, आवास और उद्योग में दिलचस्पी दिखा रहे थे, लेकिन भाजपा ने मांग को स्वीकार नहीं किया। खबर है कि शिंदे भाजपा की इस शर्त से भी खफा थे कि पिछली सरकार में जिनपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं, उन नेताओं को नहीं चुना जाएगा। अखबार से बातचीत में शिंदे के एक करीबी ने कहा, इस पूरी प्रक्रिया में शिंदे उनके साथ हुए व्यवहार से भी खफा हैं। उन्होंने कहा, उन्हें हर चीज में तोल मोल करना पड़ा। उन्हें लगता है कि सत्ता में उन्हें उचित हिस्सा नहीं दिया गया। जबकि, महाराष्ट्र में महायुति की जीत में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई है।

देवेंद्र फडणवीस ने कमान संभालते ही एकनाथ शिंदे के करीबी को हटाया

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रामेश्वर नाइक को सीएम रिलीफ फंड का हेड नियुक्त किया है। इसके अलावा अब यह जिम्मेदारी संभाल रहे मंगेश चिवटे की छुट्टी कर दी गई है। वह एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री रहने के दौरान यह जिम्मेदारी संभाल रहे थे। जून 2022 में एकनाथ शिंदे ने पद संभालते ही चिवटे को सीएम रिलीफ फंड की कमान सौंपी थी, लेकिन अब फडणवीस ने भी सत्ता बदलते ही चिवटे को हटा दिया है। रामेश्वर नाइक को देवेंद्र फडणवीस का करीबी माना जाता है। वह फडणवीस के डिप्टी सीएम रहने के दौरान मेडिकल एड सेल का काम देख रहे थे। प्राकृतिक आपदाओं एवं दुर्घटनाओं में मारे जाने वाले लोगों के परिजनों को सीएम रिलीफ फंड से मदद मिलती है। इसके अलावा घायलों को भी इसके जरिए राहत दी जाती है। आमतौर पर मुख्यमंत्री इस फंड की निगरानी के लिए किसी करीबी नेता को ही जिम्मेदारी देते हैं ताकि आसानी से लोगों की मदद की जा सके। इस तरह फडणवीस ने भी अपने करीबी रामेश्वर नाइक को यह कमान दी है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में वह कुछ और बदलाव कर सकते हैं। चर्चा है कि शनिवार को महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार भी हो सकता है। इसके अलावा मंत्रियों के विभागों का बंटवारा होने की भी संभावना है। यही नहीं खबर है कि कुछ मंत्रियों का इस बार कैबिनेट से पत्ता कट सकता है, जो एकनाथ शिंदे की ढाई साल की सरकार का हिस्सा थे। इन मंत्रियों में अब्दुल सत्तार और दिलीप वलसे पाटिल जैसे नेता शामिल हैं। कहा जा रहा है कि इन लोगों के बारे में चर्चा है कि ये विधायकों से कट गए थे और कार्यकर्ता शिकायतें कर रहे थे। ऐसे में अब नए चेहरों को मौका दिया जाएगा।

किसके खाते में क्या

राज्य सरकार में विभागों को लेकर जारी बैठकों के बात तीनों दल एक फॉर्मूले पर सहमत होते नजर आए थे, जिसके तहत भाजपा को 22, शिवसेना को 11 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 10 पद मिलेंगे। खास बात है कि महाराष्ट्र सरकार में अधिकतम 43 मंत्री हो सकते हैं, जिनमें सीएम भी शामिल हैं।

हालांकि, खबरें ये भी हैं कि विभागों की संख्या बदल भी सकती है। अखबार ने भाजपा नेताओं के हवाले से बताया है कि अगर शिवसेना और एनसीपी और ज्यादा मंत्री पद मांगती है, तो उन्हें छोटे विभागों से संतोष करना होगा। इधर, गृहमंत्रालय भाजपा के खाते में जाता नजर आ रहा है और माना जा रहा है कि पार्टी राजस्व भी अपने पास रख सकती है। शिंदे को शहरी विकास विभाग और वित्त एनसीपी को मिल सकता है। चैनल के अनुसार, नाम न छापने की शर्त पर एक भाजपा नेता ने कहा, कैबिनेट विस्तार 14 दिसंबर को हो सकता है। गृह विभाग शिवसेना को दी जाने की संभावनाएं नहीं हैं। शिवसेना को हो शहरी विकास दिया जा सकता है, लेकिन हो सकता है कि उन्हे राजस्व न मिले। खबरें ये भी हैं कि सरकार में चार से पांच मंत्री पद खाली रखे जाएंगे।

न्यायिक कार्यवाही नहीं रोक सकते, गाजियाबाद में वकीलों की हड़ताल पर हाईकोर्ट की दो-टूक

गाजियाबाद, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद में वकीलों की हड़ताल पर सख्त रुख अपनाते हुए दो-टूक कहा है कि न्यायिक कार्यवाही को नहीं रोका जा सकता है। हाईकोर्ट ने कहा है कि वकालत एक सम्मानजनक और नोबल प्रोफेशन है। कोई भी वकील न्यायिक अधिकारी को न्यायिक कार्यवाही करने और किसी वादकारी को न्याय पाने के लिए अदालत आने से रोक नहीं सकता है। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने उम्मीद जताई कि गाजियाबाद के वकील भी किसी वादकारी को अदालत आने से नहीं रोकेंगे। यह आदेश जस्टिस अजित कुमार ने आशुतोष कुमार पाठक की याचिका को निस्तारित करते हुए दी। अदालत ने कहा कि यदि वकील हड़ताल जारी रखते हैं तो न्यायिक अधिकारी अपना न्यायिक कार्यवाही जारी रखें। यदि वादकारी अपने केस में बहस करना चाहता है तो जिला जज से परामर्श लेकर जिला प्रशासन उसे पुलिस संरक्षण मुहैया कराए। हाईकोर्ट ने कहा कि वकील हड़ताल पर हैं तो किसी भी वादकारी को रेमेडी लेस नहीं छोड़ा जा सकता है। किरायेदारी विवाद में वकीलों की हड़ताल के कारण अपील दाखिल करने की बजाय हाईकोर्ट आए वादकारी की याचिका पर निर्देश दिए। हाईकोर्ट ने वादकारी को दो हफ्ते में अधिकरण के समक्ष अपील दाखिल करने और पीठासीन अधिकारी को उसके एक हफ्ते में अपील के स्थगनादेश अर्जी पर उचित आदेश जारी करने का निर्देश दिया।

20 मिनट में नोएडा एयरपोर्ट; ग्रीनफील्ड, डीएनडी और केजीपी एक्सप्रेसवे जोड़ने को बन रहा इंटरचेंज

फरीदाबाद, एजेंसी। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हवाई जहाज का ट्रायल रन होने के साथ स्मार्ट सिटी में ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण तेज कर दिया गया है। संबंधित विभाग के अधिकारियों का दावा है कि छह माह में इंटरचेंज शुरू कर दिया जाएगा। वहीं, अगले साल से शहरवासी एक्सप्रेसवे पर फर्राटा भर सकेंगे। बता दें कि तीन एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए सेक्टर-65 में इंटरचेंज निर्माण के लिए जगह-जगह पिलर खड़े किए जा रहे हैं। जहां पिलर का काम पूरा हो गया है, वहां गर्डर पर स्लैब रखकर दीवार बनाई जा रही है। यहां 50 फीसदी काम पूरा हो गया है। इससे एक्सप्रेसवे का लुक दिखने लगा है। कई जगह अवैध निर्माण और सर्विस बीच में आ रहे है। इन्हें जल्द हटाया जाएगा।

अधिकारियों का दावा है कि छह माह में इंटरचेंज शुरू कर दिया जाएगा। वहीं अगले साल से शहर वासी एक्सप्रेसवे पर फर्राटा भर सकें। इस एक्सप्रेस वे के बनने से बल्लभगढ़ से मात्र 20 मिनट में नोएडा एयरपोर्ट पहुंचा जा सकेगा। जिससे करीब 26 लाख लोगों को राहत मिलेगी। बुधवार को एक्सप्रेसवे को लेकर 'हिन्दुस्तान' ने पड़ताल की।

आईएमटी से सेक्टर-65 तक इंटरचेंज तक बनाई जा रही एलिवेटेड सड़क के लगभग 500 मीटर हिस्से का निर्माण पूरा हो गया। इसके दोनों तरफ दीवार खड़ी की जा रही है। कुछ हिस्सों में लिंटर डाला जा रहा है। वहीं बचे हिस्से के लिए पिलर खड़े किए जा रहे हैं। इंटरचेंज से जोड़ने के बीच आ रहे एक फार्म हाउस की दीवारों को ढहा कर काम को रफ्तार दी गई है।

दो अंडरपास हो गए तैयारः ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे फरीदाबाद में बल्लभगढ़ के सेक्टर-65 से शुरू होकर गौतमबुद्धनगर के जेवर में बन रहे नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तक जाएगा। इस एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 31 किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 24 किलोमीटर हिस्सा हरियाणा के अंदर है, बाकी यूपी में। यह रोड सेक्टर-65 में गांव सहूपुरा के पास निर्माणाधीन दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे लिंक रोड से भी जुड़ रही है। यह फरीदाबाद के 12 गांवों से होते हुए कुंडली-गाजियाबाद-पलवल (केजीपी) एक्सप्रेसवे व यमुना एक्सप्रेसवे को पार करते हुए एयरपोर्ट तक पहुंचेगी। एक्सप्रेसवे के लिए कई जगहों पर काम चल रहा है। सेक्टर-65 के पास इंटरचेंज बनाया जा रहा है। यहां पर तीन अंडरपास बनाए जा रहे हैं। इनमें से दो बन कर तैयार हो गए हैं। एक के लिए पिलर खड़े करने का काम चल रहा है।

अवैध निर्माण बाधा बनेः सेक्टर-65 के पास इंटरचेंज की एलिवेटेड सड़क निर्माण में बिजली का टावर बाधा बना हुआ है। इसके साथ ही सेक्टर-65 से साहूपुरा चौक तक कई जगह अवैध निर्माण आ रहे हैं। जिससे काम धीमा चल रहा है। हालांकि अधिकारियों का दावा है कि इन्हें जल्द हटाया जाएगा।

एनएचएआई के परियोजना निदेशक धीरज सिंह ने कहा, ग्रैप चार की पाबंदियां हटने के बाद ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे पर तेजी से काम किया जा रहा है। दो अंडरपास बन चुके हैं, अंडरपास को जोड़ने के लिए अप्रोच रोड का काम जारी है। इंटरचेंज का काम जल्द पूरा हो जाएगा। प्रोजेक्ट को 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

आठ किलोमीटर हिस्से में बन रहा एलिवेटेड रोडः मास्टर प्लान के तहत बसाए जाने वाले नए सेक्टर तक करीब आठ किलोमीटर हिस्से में एलिवेटेड रोड का निर्माण तेजी से चल रहा।

काबुल में बम विस्फोट, शरणार्थी मामलों के मंत्री हक्कानी की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बुधवार को एक आत्मघाती बम विस्फोट में तालिबान सरकार के शरणार्थी मामलों के मंत्री की मौत हो गई. यह जानकारी गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने दी. अधिकारियों के मुताबिक विस्फोट मंत्रालय के भीतर हुआ. इस वजह से शरणार्थी मामलों के मंत्री खलील हक्कानी की मौत हो गई. बता दें कि खलील हक्कानी ऐसे वरिष्ठ पदाधिकारी थे जिनकी अफगानिस्तान में तालिबान के द्वारा सत्ता प्राप्त किए जाने के तीन साल के अंदर बम विस्फोट में मौत हुई है. हालांकि तत्काल बम विस्फोट की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है. अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, खलील हक्कानी नेटवर्क का एक वरिष्ठ नेता था, जो तालिबान के भीतर

एक शक्तिशाली आतंकवादी गुट है. हक्कानी समूह पर 20 साल के विद्रोह के दौरान पूरे अफगानिस्तान में बड़े हमले करने का आरोप है. बता दें उसका भतीजा, सिराजुद्दीन हक्कानी, अब नेटवर्क का नेतृत्व करता है और तालिबान के कार्यवाहक आंतरिक मंत्री के रूप में कार्य करता है. 2021 में तालिबान द्वारा देश पर कब्जा करने के बाद से अफगानिस्तान में हिंसा कम हो गई है, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका और नाटो के नेतृत्व वाली विदेशी सेनाओं के खिलाफ उनका युद्ध समाप्त हो गया है. हालांकि, इस्लामिक स्टेट की क्षेत्रीय शाखा, जिसे इस्लामिक स्टेट खुरासन के नाम से जाना जाता है, देश में सक्रिय है. आईएसआईएस खुरासन नियमित रूप से नागरिकों, विदेशियों और तालिबान अधिकारियों को बंदूक और बम हमलों के जरिए निशाना बनाती रही है।

अमेरिका में रनवे की जगह सड़क पर उतरा विमान, लैंड करते ही दो टुकड़ों में बंट गया प्लान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य के विक्टोरिया शहर में एक विमान ने रनवे की जगह सड़क पर लैंडिंग की। लैंड करते ही विमान के दो टुकड़े हो गए, जिससे सड़क पर मलबा फैल गया। इस हादसे में चार लोग घायल हो गए। घटना बुधवार दोपहर विक्टोरिया शहर के स्टेट हाईवे पर हुई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से तीन की हालत स्थिर बताई जा रही है, जबकि एक व्यक्ति को गंभीर चोट आई है। घटना के बाद पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल भेजा। विक्टोरिया पुलिस विभाग की उप पुलिस प्रमुख एलाइन मोया ने कहा, हमें खुशी है कि स्थिति इससे ज्यादा गंभीर नहीं हुई। यह घटना असामान्य है, लेकिन हम यह देखकर संतुष्ट हैं कि लोग ठीक हैं। यह विमान एक ट्विन-इंजन पाइपर पीए-31 था, और इस दौरान केवल पायलट विमान में था। विमान ने सुबह 9ः52 बजे विक्टोरिया क्षेत्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और लगभग पांच घंटे तक उड़ने के बाद यह दुर्घटना का शिकार हुआ। हादसे के बाद विक्टोरिया पुलिस विभाग और संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने जांच शुरू कर दी है।

अदालत ने खारिज की हिंदू संत चिन्मय दास की अपील

कहा- तय तारीख पर ही होगी जमानत याचिका पर सुनवाई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने बुधवार को राजद्रोह के मामले में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि उनकी याचिका पर सुनवाई पहले तय की गई तारीख 2 जनवरी 2025 को होगी।

अदालत के अधिकारियों के मुताबिक, चटगांव मेट्रोपॉलिटन सेशन जज सैफुल इस्लाम ने याचिका खारिज की, क्योंकि वकील के पास चिन्मय दास की ओर से याचिका दायर करने का अधिकार पत्र (पावर ऑफ अटॉर्नी) नहीं था। वकील रवींद्र घोष ने अदालत से याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। हालांकि, जब दूसरे वकील ने अदालत को बताया कि रवींद्र घोष के पास चिन्मय दास की ओर से उनका प्रतिनिधित्व करने का अधिकार पत्र नहीं है, तो जज ने उनकी जल्द सुनवाई की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि घोष ने कहा कि दास को झूठे और मनगढ़ंत मामले में फंसाया गया है, जबकि वे डायबिटीज, अस्थमा और अन्य बीमारियों से जूझ रहे हैं। हालांकि, वकील ने यह माना कि उन्होंने चिन्मय दास से अधिकार पत्र हासिल करने के लिए जेल में उनसे मुलाकात नहीं की थी। उन्होंने कहा, अब मैं चिन्मय दास से मिलने जेल जाऊंगा और उनसे अधिकार पत्र हासिल करूंगा। इससे पहले, तीन दिसंबर को होने वाली सुनवाई को अदालत ने 2 जनवरी 2025 तक के लिए स्थगित कर दिया था, क्योंकि उस दिन आरोपी की ओर से कोई वकील पेश नहीं हुआ था। अभियोजन पक्ष के सुझाव पर यह तारीख बदली गई थी।

दास के एक सहयोगी और उनके सम्मिलित सनातनी जागरण जोत संगठन के सदस्य स्वतंत्र गौरंग दास ने पहले कहा था कि किसी भी वकील ने दास के लिए प्रतिनिधित्व नहीं किया, क्योंकि उन पर राजनीतिक रूप से प्रेरित वकीलों के समूह से दबाव था और धमकियां मिली थीं।

हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए गए थे चिन्मय कृष्ण दास

चिन्मय कृष्ण दास पहले इस्कॉन से जुड़े रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन चटगांव की अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया था और उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उन पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप था। दास की गिरफ्तारी के बाद उनके अनुयायियों ने ढाका और अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए, जिसमें चटगांव में प्रदर्शन हिंसक हो गया, जहां एक वकील की मौत हुई। इस वकील की मौत के बाद इस्कॉन पर बांग्लादेश में प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। इस्कॉन ने यह कहते हुए दास से दूरी बना ली कि उन्हें छह महीने पहले संगठन से निकाल दिया गया था।

31 अक्तूबर को चटगांव के कोटवाली थाने में दास और उनके 18 अन्य सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। आरोप था कि उन्होंने बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया। जिसमें एक स्थानीय नेता भी शामिल था, जो पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी का सदस्य था। लेकिन उसे पार्टी से निकाल दिया गया था।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंट एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रियल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंट एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129